सेंसेक्स	~	80,364.49
निफ्टी	~	24,625.05
सोना	~	1,05,880
चांदी	~	1,26,000
डॉलर	~	87.98

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 02 सितम्बर 2025
भाद्रपद शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 339
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

धनखड़ ने खाली किया उपराष्ट्रपति आवास

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अब दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर इलाके में स्थित अभय चौटाला के फार्म हाउस में रहेंगे। सोमवार शाम 6 बजे उन्होंने इस्तीफे के 42 दिन बाद उपराष्ट्रपति आवास छोड़ा। धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से वे सार्वजनिक कहीं नजर नहीं आए। इस दौरान विपक्ष ने हाउस अरेस्ट जैसे कई आरोप लगाए। हालांकि सरकार ने इससे इनकार किया। धनखड़ अब तक संसद भवन के पास उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रह रहे थे। उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

सुप्रीम कोर्ट ने 20 प्रतिशत इथेनॉल-पेट्रोल की बिक्री के खिलाफ याचिका खारिज की

नई दिल्ली।। सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी-20) की बिक्री को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को खारिज किया है। यह याचिका वकील ने दायर की थी, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि लाखों वाहन चालकों को इसतरह के ईंधन का उपयोग करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो उनके वाहनों के लिए उपयुक्त नहीं है। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने मामले पर सुनवाई की और याचिका में उठाए गए तर्कों से सहमत नहीं हुई। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को सभी पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल-मुक्त पेट्रोल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाए। ईंधन वितरण के समय उपभोक्ताओं को उनके वाहनों की इथेनॉल अनुकूलता के बारे में सूचित किया जाए। सभी पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल की मात्रा का लेबल स्पष्ट रूप से लगाया जाए। गैर-अनुकूल वाहनों पर 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के कारण होने वाले यांत्रिक क्षरण और दक्षता हानि पर एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन किया जाए।

भूस्खलन से चार लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में रेड अलर्ट के बीच रविवार से जारी जोरदार बारिश ने तबाही मचाई है। जगह-जगह भूस्खलन से व्यापक नुकसान हुआ है। शिमला की जुन्गा तहसील में पटवार सर्कल डबलू के उप मोहाल जोत में एक घर भूस्खलन की चपेट में आ गया। हादसे में पिता और पुत्री की मौत हो गई है। मृतक की पहचान वीरेंद्र कुमार (35), पुत्र जय सिंह निवासी पटवार सर्कल डबलू के उप मोहाल जोत के रूप में हुई है। हादसे में उसकी 10 वर्षीय बेटी की भी मौत हो गई है।

कुछ ना कहना

भारत के चीन और रूस के करीब जाने से दुनिया में अशांति फैलेगी- ट्रम्प के सलाहकार

वोटर अधिकार मार्च में डाकबंगला चौराहे पर जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल बोले

वोट चोरी का 'हाइड्रोजन बम' आने वाला है

पीएम मोदी लोगों को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे- राहुल गांधी

पटना। पटना में राहुल-तेजस्वी के वोटर अधिकार मार्च में डाकबंगला चौराहे पर जनसभा हुई। यहां राहुल गांधी ने कहा, जिन शक्तियों ने महात्मा गांधी की हत्या की, वहीं लोग संविधान की हत्या की कोशिश में लगे हैं। हम ऐसा नहीं करने देंगे। बिहार में यात्रा को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। बीजेपी के लोग काले झंडे दिखा रहे हैं। बीजेपी के लोग सुन लें, एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है, वो आ रहा है। वोट चोरी की सच्चाई पूरे देश को पता लगने वाली है। हाइड्रोजन बम के बाद नरेंद्र मोदी देश को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे। पदयात्रा में टीएमसी के सांसद यूसुफ पठान, शिवसेना की तरफ से संजय राउत, एनसीपी से शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले, केसी वेणुगोपाल, भूपेश बघेल, रेवंत रेड्डी, अशोक गहलोत, झारखंड सीएम हेमंत सोरेन, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी शिव कुमार शामिल हुए।

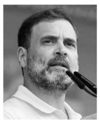

राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के युवाओं को मैं कहना चाहता हूं, वोट चोरी का मतलब अधिकार की चोरी, आरक्षण की चोरी, रोजगार की चोरी, शिक्षा की चोरी, लोकतंत्र की चोरी, युवाओं के भविष्य की चोरी। यह आपकी जमीन, आपका राशन कार्ड लेकर अडाणी-अंबानी को दे देंगे। महात्मा गांधी की हत्या करने वाली शक्ति संविधान की हत्या करने की कोशिश कर रहे हैं। हम इन्हें संविधान की हत्या नहीं करने देंगे। हमने बिहार की यात्रा की। बिहार के सारे के सारे युवा खड़े हो गए। छोटे-छोटे बच्चे जीप के पास आते थे, कहते थे वोट चोर, गद्दी छोड़। बीच में बीजेपी के लोग काले झंडे दिखाते थे। आपने एटम बम का नाम सुना है? एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है। बीजेपी के लोगों तैयार हो जाओ, हाइड्रोजन बम आ रहा है। पूरे देश को आपकी सच्चाई पता लगने वाली है। हाइड्रोजन बम के बाद नरेंद्र मोदी जी अपना चेहरा देश को नहीं दिखा सकेंगे।

लालू का बेटा एफआईआर से नहीं डरता

आज तक लालू यादव इनके आगे झुके नहीं, तेजस्वी भी नहीं झुकेगा। जब लालू जी इनके आडवाणी को गिरफ्तार करवा दिए तो उनका बेटा तेजस्वी डरने वाला नहीं है। हमारे तो भगवान का ही जन्म जेल में हुआ था। बिहार में जो सरकार चल रही है, यह डबल इंजन की सरकार है, जिसका एक इंजन अपराध और दूसरा भ्रष्टाचार में लगा हुआ है। ये बिहारियों को ठगना चाहते हैं। बिहार उड़ती चिड़ियां को हल्दी लगाना जानता है।

सतर्क नहीं रहे तो मोदी-शाह डुबो देंगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संबोधित करते हुए कहा कि इस 15 दिन की यात्रा पूरे देश में चर्चा चली। भाजपा ने इसमें रुकावट डालने की पूरी कोशिश की। गठबंधन के लोग राहुल जी या तेजस्वी जी नहीं डरे। वोट चोरी करने वाले पैसा चोरी करने की भी आदत रखते हैं। बैंक से चोरी कर बाहर जाने वालों को भी यह संभालते हैं। मोदी जी बिहार में वोट चोरी कराकर जीतना चाहते हैं। सतर्क नहीं रहेंगे तो यह मोदी और शाह आपको डुबा देंगे। आजादी के बाद जो वोट का अधिकार दिलाया गया, उसे खोना नहीं। यह महात्मा गांधी, आंबेडकर और नेहरु जी ने अधिकार दिया है। सीएम नीतीश कुमार पर हमला करते हुए खरगे ने कहा कि यह आरएसएस वाले आपको कचरा में जाकर फेकेंगे। खरगे ने पुलिस को राहुल गांधी की यात्रा रोकने के लिए भी आड़े हाथ लिया। उन्होंने नारा लगवाया- मोदी को हटाओ।

वोट चोरी करने वाले पकड़े गए

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह चुनाव बिहार नहीं, देश को बचाने का अवसर है। षडयंत्रकारियों के खिलाफ बड़ा आंदोलन करना है। इन्होंने मुझे भी जेल में डाल दिया था। बिहार की ऐतिहासिक धरती से आग्रह है कि जिस तरह से वोटर रिवीजन का काम किया है, लेकिन यह विशेष और गहन- दोनों को जोड़कर पुनरीक्षण कराया गया है और यह गलत है। साजिश है। आज यह वोट चोरी करने वाले पकड़े गए हैं। आज हम इसका पर्दाफाश कर रहे हैं। ईडी-सीबीआई जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग करने वाले चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को बर्बाद कर रहे हैं।

एटम बम फुस्स हो गया.....अब क्या हाइड्रोजन बम

कथित वोट चोरी से जुड़े अपने खुलासे का हवाला देने पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सांसद रविशंकर प्रसाद ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। बीजेपी सांसद प्रसाद ने कहा कि जब भी मैं राहुल गांधी को सुनता हूं, संसद के अंदर या बाहर, यह समझने में समय लगता है कि वह क्या कहना चाह रहे हैं। आज उन्होंने कहा है, मैंने एटम बम फोड़ दिया है अब मैं हाइड्रोजन बम फोड़ूंगा...एटम और हाइड्रोजन बम का चुनाव से क्या संबंध है?... राहुल गांधी विपक्ष के नेता के रूप में खुद को क्यों नीचा दिखा रहे हैं... देश को समझना चाहिए, राहुल गांधी गैरजिम्मेदार नेता हैं। बीजेपी नेता प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी इसका जवाब दें कि वे एफेडेविट से क्यों भाग रहे हैं? राफेल, पेगासस से लेकर हर मामले में उन्होंने झूठ बोला है। राहुल गांधी किसी भी संवैधानिक संस्था को बदनाम करने से बाज नहीं आए हैं। इनका काम है सिर्फ झूठ फैलाना। सांसद प्रसाद ने कहा, आज राहुल गांधी ने कहा कि मैंने एटम बम फोड़ा है, अब हाइड्रोजन बम फोड़ूंगा। चुनाव में मतगणना को लेकर कर्नाटक में जो उनका एटम बम था, वहां फुस्स हो गया, वहां दिवाली का एक छोटा पटाखा भी नहीं निकला, और हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कर रहे हैं।

एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट का निर्देश-

आधार को बनाओ वोटर का आधार

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन अभियान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा अंतरिम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि 1 सितंबर की डेडलाइन खत्म होने के बाद भी दावे, आपत्तियां और सुधार से जुड़े दस्तावेज स्वीकार किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राज्य में काफी हद तक विश्वास का संकट बना हुआ है, इसलिए राजनीतिक दलों को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। साथ ही, कोर्ट ने बिहार विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि वह मतदाताओं और राजनीतिक दलों की सहायता के लिए अर्ध-विधिक स्वयंसेवकों की नियुक्ति करे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ये अर्ध-विधिक स्वयंसेवक संबंधित जिला न्यायाधीशों के समक्ष गोपनीय रिपोर्ट सौंपेंगे, जिन पर अगली सुनवाई में 8 सितंबर को विचार किया जाएगा। आरजेडी और एआईएमआईएम की याचिका पर सुनवाई के दौरान भारत निर्वाचन आयोग ने कोर्ट को बताया कि बिहार में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में कुल 2.74 करोड़ मतदाताओं में से 99.5 प्रतिशत लोगों ने अब तक पात्रता दस्तावेज जमा कर दिए हैं। आयोग ने यह भी कहा कि आरजेडी द्वारा 36 दावे दायर करने का दावा गलत है, दरअसल केवल 10 दावे ही दर्ज हुए हैं। जिन मतदाताओं के दस्तावेज अधूरे हैं, उन्हें 7 दिन के भीतर नोटिस भेजने की प्रक्रिया जारी है, जो निरंतर चलती रहती है।

बिहार में मतदाताओं को मिलेगी कानूनी मदद

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह दावे, आपत्तियां दाखिल करने में मतदाताओं, राजनीतिक दलों की सहायता के लिए अर्ध-विधिक स्वयंसेवकों को तैनात करे। साथ ही, उच्चतम न्यायालय ने अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों से जिला न्यायाधीशों के समक्ष गोपनीय रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है, जिस पर 8 सितंबर को विचार किया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि बिहार एसआईआर प्रक्रिया पर भ्रम काफी हद तक विश्वास का मुद्दा है। उसने राजनीतिक दलों से इस मामले में सक्रियता दिखाने को कहा।

इतने बड़े राज्य में सिर्फ 120 मामले

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि इतने बड़े राज्य में केवल 120 मामलों की ही आपत्तियां सामने आ रही हैं। यह हैरान करने वाला है। चुनाव आयोग की तय प्रक्रिया ही मानक है और उसी का पालन होना चाहिए। आधार कार्ड पर इतना जोर क्यों दिया जा रहा है? हम बार-बार एक ही आदेश नहीं दे सकते। अंतिम मतदाता सूची 1 अक्टूबर को प्रकाशित होगी। राजनीतिक दल सक्रिय रहकर मतदाताओं की आपत्तियां दर्ज कराने में मदद करें, कोर्ट ने यह भी कहा। आधार कार्ड को लेकर विवाद पर 8 सितंबर को फिर सुनवाई हो सकती है, बशर्ते ठोस उदाहरण रखे जाएं।

पार्टियों क्या कर रही हैं

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने चुनाव आयोग से कई सवाल पूछे। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि राजनीतिक दलों की निष्क्रियता हैरान करने वाली है। राज्य की 12 पॉलिटिकल पार्टियों में से यहां मात्र 3 पार्टियां ही कोर्ट में आई हैं। वोटर्स की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं? कोर्ट ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि राजनीतिक दलों के लगभग 1.6 लाख बूथ लेवल एजेंट होने के बावजूद, उनकी ओर से केवल दो आपत्तियां ही आई हैं।

हिमाचल आपदाग्रस्त प्रदेश घोषित, शिमला में लैंडस्लाइड-4 की मौत

देहरादून/श्रीनगर/चंडीगढ़। उत्तर भारत के हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से हालात खराब हैं। पंजाब के 9 जिलों फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला में बाढ़ के हालात हैं। अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं।

हिमाचल में रविवार से तेज बारिश हो रही है। शिमला के कोटखाई, जुब्बल और जुन्गा में देर रात लैंडस्लाइड से 4 लोगों की मौत हो गई। कुल्लू समेत 10 जिलों में सोमवार को स्कूल-कॉलेज बंद हैं। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में राज्य को आपदाग्रस्त प्रदेश घोषित किया है। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 5 नेशनल हाईवे और करीब 800 सड़कें बंद पड़ी हैं।

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित

उत्तराखंड में केदारनाथ नेशनल हाईवे पर सोमवार को लैंडस्लाइड के बाद दो यात्रियों की मौत और छह लोग घायल हो गए। रेड और ऑरेंज अलर्ट के बाद चार धाम और हेमकुंड साहिब यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में लैंडस्लाइड के कारण 12 घर टूट गए।

हरियाणा में 50 एकड़ में खड़ी फसल डूबी

हरियाणा में यमुनानगर, सिरसा, पंचकूला समेत 6 जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। सिरसा में देर रात 2 मकानों की दीवारें गिर गईं। यहां एक नहर टूटने से 50 एकड़ में खड़ी फसल पानी में डूब गई। सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिसके बाद यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

सेक्सुअल एजुकेशन को लेकर 12वीं के छात्र ने दायर की याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया। यह नोटिस कक्षा 12 के एक छात्र द्वारा दायर याचिका पर दिया गया। याचिका में स्कूल के पाठ्यक्रम और एनसीईआरटी व एससीईआरटी द्वारा तैयार की जाने वाली पुस्तकों में कंप्रिहेंसिव सेक्सुअल एजुकेशन यानी ट्रांसजेंडर-समावेशी समग्र यौन शिक्षा को शामिल करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बी आर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी बनाम भारत संघ और सोसाइटी फॉर एनलाइटनमेंट एंड वॉलंटरी एक्शन बनाम भारत संघ मामलों में दिए गए बाध्यकारी निर्देशों का अनुपालन न होने का हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया है कि एनसीईआरटी और ज्यादातर एससीईआरटी ने अब तक लिंग पहचान, लिंग विविधता और सेक्स एवं जेंडर के बीच अंतर पर कोई संरचित या परीक्षा-आधारित सामग्री शामिल नहीं की है। याचिका में कहा गया है कि महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, तमिलनाडु और कर्नाटक में किए गए पाठ्यपुस्तक समीक्षाओं में व्यवस्थित रूप से ऐसे विषयों को नजरअंदाज किया गया है, आंशिक अपवाद केवल केरल में दिखाई दिए। यह संविधान का उल्लंघन है और साथ ही नीति निदेशक तत्वों की भी अनदेखी है। याचिका में ये भी कहा गया है कि यूनेस्को और डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रकाशित इंटरनेशनल टेक्निकल गाइडेंस ऑन सेक्सुएलिटी एजुकेशन जो सीएसई के लिए एक फ्रेम प्रदान करता है को सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के अपने एक फैसले में समर्थन दिया था।

मराठा आरक्षण आंदोलन पर बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त : मंगलवार दोपहर तक सड़कें खाली करें

मुंबई। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में जारी आंदोलन पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने कहा कि आंदोलन के चलते मुंबई शहर ठहर-सा गया है और यह अब शांतिपूर्ण नहीं रहा।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन के लिए तय स्थान आजाद मैदान की सीमा लांघ दी है। दक्षिण मुंबई के कई अहम इलाकों - सीएसएमटी, चर्चगेट स्टेशन, मरीन ड्राइव और हाईकोर्ट परिसर, पर जाम जैसी स्थिति हो गई है। अदालत ने स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि यह सामान्य जनजीवन को ठप कर रहा है। हाईकोर्ट ने जरांगे और उनके समर्थकों को 2 सितंबर दोपहर तक मुंबई की सभी सड़कें खाली करने का अवसर दिया है और कहा है कि सामान्य स्थिति बहाल करना जरूरी है।

जरांगे का आंदोलन

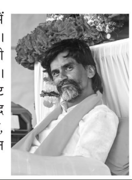

जरांगे 29 अगस्त से आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनकी मांग है, कि मराठा समुदाय को ओबीसी वर्ग के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। यहां जरांगे के समर्थकों का दावा है, कि प्रोटेस्ट कर रहे जरांगे ने सोमवार से पानी पीना भी बंद कर दिया है। ऐसे में हाईकोर्ट ने साफ किया है, कि आंदोलन का अधिकार है, लेकिन जनजीवन बाधित करना अस्वीकार्य है।

डाक विभाग ने लगाई अमेरिका की सभी तरह की पोस्टल सर्विस पर रोक

नई दिल्ली। भारतीय डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी तरह की पोस्टल सर्विस पर फिलहाल रोक लगा दी है। ये फैसला अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ के बाद कस्टम विभाग के नए नियमों में अस्पष्टता के चलते लिया गया है। इसमें 100 डॉलर तक के लेटर, दस्तावेज और गिफ्ट आइटम्स भी शामिल हैं। इससे पहले डाक विभाग ने 25 अगस्त से इन कैटेगरी को छोड़कर सभी पार्सल पर रोक लगाई थी। विभाग ने कहा है कि जब तक स्थिति साफ नहीं होती और एयरलाइंस कंपनियां अमेरिका जाने वाले डाक पार्सल ले जाने को तैयार नहीं होतीं, तब तक यह रोक जारी रहेगी। डाक विभाग ने बताया कि जिन्होंने पहले ही बुकिंग कराई है लेकिन सामान भेजा नहीं जा सका, वे पोस्टेज का रिफंड ले सकते हैं।

गुरुग्राम सहित उत्तर भारत में भूकंप के झटके, अफगानिस्तान रहा केंद्र

गुरुग्राम। गुरुग्राम और दिल्ली-एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत में आधी रात को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 मापी गई। इसका केंद्र अफगानिस्तान-पाकिस्तान बॉर्डर के पास हिंदूकुश क्षेत्र में था।

अफगानिस्तान में आए भूकंप के झटके भारत के अनेक क्षेत्रों में भी महसूस किए गए। इनमें दिल्ली-एनसीआर, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ क्षेत्र शामिल हैं। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

अब डोमिसाइल नियम से ही तय होगा राज्य कोटे का हक

तेलंगाना में मेडिकल दाखिले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तेलंगाना सरकार के डोमिसाइल नियम को बरकरार रखते हुए बड़ा फैसला सुनाया। इस फैसले के तहत, राज्य कोटे से मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में वही छात्र दाखिला पा सकेंगे, जिन्होंने तेलंगाना में कक्षा 12 तक के अंतिम चार साल पढ़ाई की है। हालांकि, इस मामले की विस्तृत जजमेंट आने बाकी है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने राज्य सरकार की अपील को स्वीकार करते हुए तेलंगाना मेडिकल एंड डेंटल कॉलेज एडमिशन रूल्स, 2017 (जो 2024 में संशोधित हुए थे) को संवैधानिक मानते हुए मंजूरी दी।

हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम

कोर्ट ने पलटा

इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट ने कहा था कि राज्य के स्थायी निवासी

केवल इस वजह से मेडिकल प्रवेश से वंचित नहीं किए जा सकते कि वे कुछ समय के लिए राज्य से बाहर रहे हों। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का यह फैसला पलट दिया और राज्य सरकार के पक्ष में निर्णय सुनाया। यह फैसला तेलंगाना के हजारों छात्रों के लिए राहत की खबर है। अब मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में राज्य कोटे के तहत सीटें उन्हीं छात्रों को मिलेंगी, जिन्होंने राज्य में लगातार चार साल तक पढ़ाई की हो। राज्य की ओर से सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और वकील श्रीवन कुमार कर्णम ने पैरवी की थी। अदालत ने 5 अगस्त को इस मामले पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसका निर्णय अब आया है।

जुलाई 2024 में किया था संशोधित

तेलंगाना सरकार के अधीन निगमों, एजेंसियों और संस्थानों में कार्यरत उन कर्मचारियों के बच्चों को प्रवेश में विशेष छूट दी गई है, जिनकी सेवा शर्तों के अनुसार पूरे भारत में ट्रांसफर हो सकता है। यदि ऐसे कर्मचारी उम्मीदवार की पढ़ाई के दौरान तेलंगाना से बाहर पदस्थापित रहे हों, तो उनके बच्चों को इस आधार पर लाभ मिलेगा। हालांकि, इसके लिए अभ्यर्थी को सक्षम प्राधिकारी से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिससे यह साबित हो कि पढ़ाई के वर्षों में अभिभावक ने तेलंगाना से बाहर सेवा दी है।

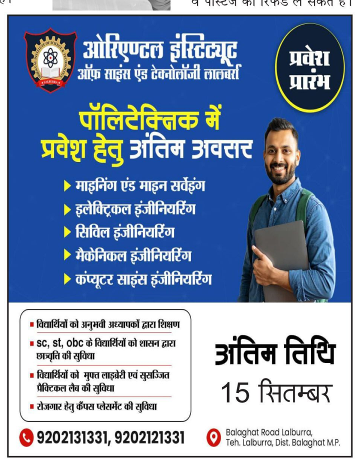

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने 01 सितम्बर को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 100 ग्रामों के विकास कार्य में प्राथमिकता दिखाने के निर्देश

बैठक में सर्वप्रथम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 100 ग्रामों में विकास कार्यों के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने चिन्हित 100 ग्रामों में सड़क, सिंचाई, बिजली, पेयजल, कृषि, उद्यानिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार से संबंधित कार्यों के प्रस्ताव शीघ्रता से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा गया कि इस कार्य को प्राथमिकता से करें और ग्रामीणो की आवश्यकता के अनुरूप विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करें।

शीघ्र ही 1600 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक लेकर मालगाड़ी पहुंचेगी बालाघाट

बैठक में उपसंचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय द्वारा बताया गया कि जिले में वर्तमान में 2300 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है और 100 मीट्रिक टन यूरिया मण्डला जिले के चिरईडोंगरी रेक पाइंट से 02 सितम्बर को बालाघाट जिले के लिए मिलने वाला है। जिले में शीघ्र ही 1600 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक लेकर मालगाड़ी आने वाली है, इसमें से 1000 मीट्रिक टन डीएपी बालाघाट जिले को मिलेगा। इस प्रकार वर्तमान में जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है और इसकी कहीं कोई कमी नही है। इस दौरान जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारी द्वारा बताया गया कि 26 समितियों में उर्वरक की कमी हो रही है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया कि कमी वाली संस्थाओ में उर्वरक की शीघ्र आपूर्ति कराए। जिले के डबल लॉक केंद्रो में निजी विक्रेताओं के सेंटर बंद नही रहने चाहिए बल्कि वे प्रतिदिन खुले रहने चाहिए।

नलजल के सभी हितग्राहियों के घर नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह तक नल कनेक्शन करने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीना ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया कि नलजल योजनाओं में सभी हितग्राहियों के घर पर नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह तक नल कनेक्शन अनिवार्य रूप से हो जाना चाहिए। नल कनेक्शन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों के आधार नम्बर की एंट्री अनिवार्य रूप से इस अवधि में पूर्ण हो जाना चाहिए। कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र की नहरों की साफ-सफाई कार्य की तहसीलदार से रिपोर्ट प्राप्त करें। जिला रोजगार अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आने वाले समय में बड़े स्तर पर रोजगार मेला आयोजित करने की तैयारी करें। उपसंचालक पशु चिकित्सा को निर्देशित किया गया कि वृंदावन ग्राम योजना में चयनित ग्रामों में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं अन्य योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए तत्परता से कार्य करे। दुग्ध उत्पादन के लिए पशु नस्ल सुधार करने मादा पशुओ में कृत्रिम गर्भाधान के लक्ष्य समय सीमा में पूर्ण करने कहा गया। इस दौरान बताया गया कि जिले को 56 हजार मादा पशुओ में कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 11 हजार मादा पशुओ में कृत्रिम गर्भाधान किया जा चुका है।

किश्त मिलने के बाद भी आवास कार्य पूर्ण नही करने पर सख्ती से करे वसूली

कलेक्टर श्री मीना ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा करते हुए नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस योजना में चयनित हितग्राहियों के आवास का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराए। जिन हितग्राहियों द्वारा किश्त मिलने के बाद भी आवास का कार्य पूर्ण नही किया गया है उनसे सख्ती से राशि वसूलने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि नगरीय क्षेत्र बालाघाट में 01 करोड़ 80 लाख रुपये की राशि वसूल की जाना है। नगर पालिका मलाजखंड द्वारा 05 लाख 68 हजार की वसूली की जा चुकी है। नगर पालिका वारासिवनी द्वारा 28 लाख रुपये की वसूली के लिए आरआरसी जारी करायी गई है।

लंबित पेंशन प्रकरणो का त्वरित निराकरण करने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीना ने पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के अधीक्षण यंत्री को निर्देशित किया कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक हितग्राहियों के प्रकरण तैयार कराए और बड़े भवनो वाले शासकीय कार्यालयों की छत पर सोलर पेनल लगवाए। देवरबेली क्षेत्र के ग्राम केराडीह एवं खमारडीह में बिजली की समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जिला पेंशन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सेवा निवृत्त शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणो का त्वरित निराकरण करे और समय सीमा में पेंशन प्रकरण प्रस्तुत नहीं करने वाले कार्यालय प्रमुख के विरूद्ध कार्यवाही के प्रस्ताव प्रस्तुत करें। सभी आहरण संवितरण अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया कि अपने कार्यालय के सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण समय सीमा में जिला पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत करे।

सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रो में शीघ्रता से एलईडी टीवी लगाने के निर्देश

बैठक में वारासिवनी तहसील के अंतर्गत मेंहदीवाड़ा के पास चंदन नदी के पुल पर बने गड्ढों को शीघ्र दुरूस्त करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार कटंगी तहसील के अंतर्गत खजरी से सीताखोह सड़क का सुधार कार्य कराने कहा गया। उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया गया कि पीओएस मशीन में गलत एंट्री कर उर्वरक विक्रय करने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही करे। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को जिले में चिन्हित सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रो में एलईडी टीवी शीघ्रता से लगाने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि जिले के 369 आंगनवाड़ी केंद्रो को सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

सम्बल योजना के प्रकरणो का तत्परता से निराकरण करें

बैठक में छात्रवृत्ति, लाडली बहना, किसान सम्मान निधी, सम्बल योजना एवं अन्य योजनाओ की राशि वितरण में असफल भुगतान का परीक्षण कर पुनः भुगतान की कार्यवाही शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। सम्बल योजना के 180 दिन से अधिक के प्रकरण लंबित रखने पर संबंधित जनपद सीईओ की वेतन वृद्धि रोकने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि जनपद पंचायत कटंगी में 56 प्रकरण एवं किरनापुर में 35 प्रकरण 180 दिन से अधिक के लंबित है। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि पात्र व्यक्तियों के प्रकरणो का तत्परता के साथ निराकरण किया जाए अन्यथा जिम्मेदार व्यक्ति के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग देने में गड़बड़ी करने वालो पर कार्यवाही करें

बैठक में सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया गया कि पूर्व में सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग देने में जिन व्यक्तियों द्वारा अनियमितता की गई है उनकी वेतन वृद्धि रोकने की कार्यवाही करे। इस दौरान बताया गया कि सेल्फ डिफेंस के लिए पूर्व में बीआरसी द्वारा कराते का प्रशिक्षण दिलाया गया है, लेकिन यह प्रशिक्षण उन लोगो द्वारा दिया गया है जो ब्लैक बेल्ट नही थे और इन लोगो को मानदेय भुगतान कर दिया गया है। कलेक्टर श्री मीना ने इस प्रकरण में दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाही विलम्ब किये जाने पर नाराजगी जाहिर की और डीपीसी को सख्त निर्देश दिये कि जिम्मेदार व्यक्तियों के विरूद्ध शीघ्र कार्यवाही प्रस्तावित करें। बैठक में बैहर विकासखंड के ग्राम भण्डेरी एवं वारासिवनी विकासखंड के ग्राम अंसेरा में विद्युत उपकेंद्र निर्माण के लिए एमपीईबी को जमीन आवंटित करने तथा पुलिस विभाग को लांजी तहसील के अंतर्गत ग्राम चिलकोना में पुलिस कैम्प के लिए जमीन आवंटन करने के निर्देश दिये गए।

गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने पर अपराध दर्ज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम खंडवा निवासी मुरली बारेकर के द्वारा बिट्टू पारधी खापा निवासी पर गाली गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रार्थी मुरली बारेकर ने बताया कि मैं खंडवा रहता हूँ मजदुरी का काम करता हूँ। खापा निवासी बिट्टू पारधी सीमेंट के पक्के ईंट बनाने का काम करता है मुझसे ईंट बनाने के लिये रेत डलवायी थी जिसके १२६०० रुपये मुझे लेना था। २८ जुलाई की सुबह करीबन ११ बजे मैं बिट्टू पारधी के पास अपने पैसे माँगने के लिये गया था। तो बिट्टू पारधी पैसे देने में आना कानी करने लगा एवं बोलने लगा की जा मैं पैसे नही देता तेरे से जो बनता है कर लेंना गालियाँ देने लगा। जब मैने गालियाँ देने से मना किया तो जातिगत रूप से अपमानित किया और दोबारा पैसे माँगने आया तो जान से खत्म कर दूँगा की धमकी दी जिसकी शिकायत मैने वारासिवनी थाने में की थी। पुलिस ने प्रार्थी मुरली बारेकर की शिकायत पर बिट्टू पारधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा २९६, ३५१(३) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धारा ३ (१) (द), ३ (१) (ध) के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत, मोहाड़ी
जनपद पंचायत, खैरलांजी जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/क्यू दिनांक 01.09.2025

नीलामी सूचनां

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि ग्राम पंचायत मोहाडी की नर्सरी (1)राकेश बघेले के खेत के पास एवं (2)भरतलाल बघेले के खेत के पास केंप के पिछे वाली नर्सरी के पक्क जाने के कारण ग्राम पं. द्वारा दिनांक 04/09/2025 समय 11.30 बजे भवन मोहाडी में नीलामी आयोजित की गई है नीलामी में भाग लेने वाले को निक्षेप राशि पहले जमा करना होगा।

टिप - सभी नियम शर्ते कार्यालिय में देखे जा सकते है।

पिरतलाल हरिनखेडे — सचिव
श्रीमति अनुश्याबाई वाटकर — संरपंच

कार्यालय ग्राम पंचायत, मोहाड़ी

आम सूचना का खण्डन

इस आम सूचना के माध्यम से दिनांक 27.08 2025 को स्थानीय समाचार पत्र बालाघाट एक्सप्रेस एवं दिव्य एक्सप्रेस बालाघाट मे रमणीक पॉवर एवं एलाइस प्रा.लिमि. बालाघाट के द्वारा अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकाशित आम सूचना का खण्डन कर सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार रामकृष्ण वाहने वल्द पेंढारीलाल वाहने निवासी वार्ड नं. 02 कोसमी बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट ने मौजा रमरमा प.ह.न. 20 रानिम बुदबुदा तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट मे स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 75/3, 76/2, 78/2 रकबा 0.0970 हेक्टेयर, खसरा नंबर 22/2/2, 70/2, 71/2,161/2, 162/2, 164/3ख रकबा 0.7080 हेक्टेयर, खसरा नंबर 161/12, 162/13, 164/14 रकबा 0.1410 हेक्टेयर, खसरा नंबर 161/13, 162/14, 164/15 रकबा 0.2720 हेक्टेयर, खसरा नंबर 161/15, 162/16, 164/17 रकबा 0.2720 हेक्टेयर, खसरा नंबर 161/14, 162/15, 164/16 रकबा 0.1410 हेक्टेयर, खसरा नंबर 74/3, 79/3, 154/4, 158/4,159/1, 160/1, 161/5, 162/5 रकबा 0.8090 हेक्टेयर, खसरा नंबर 161/17, 162/18, 164/19 रकबा 0.2720 हेक्टेयर, खसरा नंबर 158/6, 164/12 रकबा 0.5770 हेक्टेयर, खसरा नंबर 161/11, 162/12, 164/13 रकबा 0.2720 हेक्टेयर, खसरा नंबर 161/16, 162/17, 164/18 रकबा 0.4330 हेक्टेयर, खसरा नंबर 161/9, 162/10, 164/11 रकबा 0.4050 हेक्टेयर, खसरा नंबर 161/8, 162/9, 164/10 रकबा 0. 2020 हेक्टेयर, खसरा नंबर 22/3/1, 70/3, 71/3,161/3, 162/3, 164/1/1 रकबा 1.3020 हेक्टेयर, खसरा नंबर 158/3, 164/3 रकबा 0.5710 हेक्टेयर, खसरा नंबर 158/5, 164/20 रकबा 0.5770 हेक्टेयर, खसरा नंबर 74/2, 79/2, 154/9, 159/3,159/3, 160/4, 161/3, 162/4 रकबा 0.8900 हेक्टेयर, खसरा नंबर 74/1, 79/1, 154/8, 159/4,160/2, 161/4, 162/4 रकबा 0. 8090 हेक्टेयर, कुल रकबा 8.73 हेक्टेयर अर्थात लगभग 21 एकड भूमि, भूमि स्वामी लक्ष्गनन एलागप्पन पिता उलागप्पन निवासी 2डी/2, 2ठ्ठस्र फलोर फोर्ट स्टेशन रोड एलसा टावर तिरुचिरापल्ली, टेप्पाकुलम तमिलनाडु से विधिवत बिकी अनुबंध पत्र निष्पादित कर शौदा की गई कुल राशि की 20 प्रतिशत राशि अदा किया गया है तथा कुछ दिनो पूर्व ही भूमि स्वामि के द्वारा पंजीयन हेतू अपने दस्तावेज प्रदाय किया गया है तथा भूमि स्वामि के द्वारा जल्द ही पंजीयत विक्रय पत्र निष्पादित किये जाने हेतू तारीख निश्चित कर पंजीयत विक्रय पत्र किया जाना है।

यह कि हमारे पक्षकार के द्वारा आम सूचना प्रकाशन देखने के उपरांत भूमि स्वमि के अधिकृत ऐजेंट संजय राहंगडाले से चर्चा करने पर ज्ञात हुआ कि उपरोक्त भूमि के संबंध मे केवल हमारे पक्षकार से अनुबंध किया गया है और आर.टी.जी.एस. के माध्यम से शौदा की गई कुल राशि की 20 प्रतिशत राशि प्राप्त किया गया है तथा इसके अतिरिक्त अन्य किसी व्यक्ति से कोई सौदा मेरे माध्यम से नही हुआ है तथा यह भी जानकारी दिया की भूमि स्वामी के द्वारा जल्द ही तारीख निश्चित कर हमारे पक्षकार के पक्ष मे पंजीयत विक्रय पत्र निष्पादित किया जाना है तथा उपरोक्त संपत्ति के संबंध मे दुर्भावनापूर्ण रूप से सौदा बताकर अपना हक व अधिकार बताते हुयें झूठे आधारो पर अपने अधिवक्ता के माध्यम से समाचार पत्रों में आम सूचना प्रकाशित की गई है जो भ्रमित करने के आश्य से है तथा उपरोक्त आम सूचना में दर्शित तथ्य पूर्णत: झूठे एवं बनावटी है तथा हमारा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का विधिवत बिकी अनुबंध पत्र निष्पादित कर शौदा की गई कुल राशि की 20 प्रतिशत राशि अदा किया गया है और भूमि स्वामि उपरोक्त भूमि का हमारे पक्षकार के नाम पंजीयत विक्रय पत्र निष्पादित करने के लिए पूर्णत: सहमत है इस कारण हमारे पक्षकार की ओर से उक्त आमसूचना का खंडन विधिवत किया जा रहा है।

अत: आम सूचना का खंडन समाचार पत्र के माध्यम से जारी है।

बालाघाट
दिनांक-01.09.2025

सूचनादाता
विनोद जैतवार
अधिवक्ता वास्ते पक्षकार
निवासी वार्ड नं. 04 देवनगर बालाघाट
तहसील एवं जिला बालाघाट

एड्स के प्रति जागरूकता के लिए चलाया जा रहा

सघन जागरूकता अभियान विविध स्थानों में लगे शिविर

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के 10 प्राथमिक चयनित जिलों के अंतर्गत बालाघाट जिले में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान की शुरुआत 12 अगस्त राष्ट्रीय युवा दिवस से हुई है. जिसके अंतर्गत संपूर्ण जिले में एड्स के प्रति जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है. इसी कड़ी में सोमवार 01 सितंबर को कटंगी के अलग-अलग शैक्षणिक संस्थाओं और बालक/बालिका छात्रावास में शिविर आयोजित किए गए.

आईसीटीसी परामर्शदाता चन्द्र दीप साहू ने जानकारी देते हुए बताया शक्ति विद्या मंदिर, हरिओम स्कूल, शासकीय राजा भोज महाविद्यालय, बालिका और बालक छात्रावास में शिविर और संगोष्ठी आयोजित की गई. शक्ति विद्या मंदिर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती केसर बिसेन की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन हुआ. जहां पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एचआईवी एड्स के कारण लक्षण, यौन रोगों के कारण लक्षण बचाव और 1097 निशुल्क नंबर, आईसीटीसी, एफटीसी एआरटी, कानूनी एक्ट की जानकारी दी गई. विद्यार्थियों को आईईसी सामग्री पंपलेट पुस्तक पोस्टर आदि वितरित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला एड्स नोडल अधिकारी के आदेश अनुसार प्रत्येक गांव और तहसील में जागरूकता अभियान के लिए कार्यक्रम आयोजित होने है. विकासखंड कटंगी में बीएमओ डॉक्टर पंकज दुबे के मार्गदर्शन में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. इन शिविरों आईसीटीसी परामर्शदाता चंद्रदीप साहू द्वारा बच्चों को बताया जा रहा है कि एचआईवी की रोकथाम बहुत आवश्यक है क्योंकि एचआईवी के वायरस को खत्म करने की दवा अभी तक निर्मित नहीं है. जानकारी ही बचाव है एड्स पर यदि विजय पाना है तो सही जानकारी तक हमें भी पहुंचना है औरों को भी देना है अधिकारों की राह अपनाए मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार इग्नोर नहीं करना, एड्स हारेगा देश जीतेगा इग्नोर नहीं करना याद करना की थीम कार्य किया जा रहा है जिसमें क्षेत्र में रह रहे प्रत्येक व्यक्ति को एचआईवी एड्स की जानकारी मिलती रहे और भ्रांतियां से दूर रहे या सघन जागरूकता अभियान 12 अक्टूबर तक चलाया जाना है. इसमें सभी का समन्वय होना आवश्यक है और स्वास्थ्य विभाग से आरबीएसके के टीम, टीवी, उमंग, आशा कार्यकर्ता, एमपीडब्ल्यू, आशा सहयोगिनी, एएनएम, महिला बाल विकास, ग्राम पंचायत ,नगर पालिका मजदूर संघ, शिक्षा विभाग, कॉलेज में कार्य कर रहे रेड रिबन क्लब और अन्य सभी संस्थाएं के सहयोग और साथ में कार्य किया जाना है।

दुधारा में फांसी के फंदे पर लटका मिला शव

मृतक की गरिमा पर प्रहार, चिकित्सक और स्वीपर का परिजन करते रहे इंतजार

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम दुधारा में एक 50 वर्षीय शख्स का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ बरामद किया गया है. पुलिस को सोमवार की दोपहर 01 बजे सूचना मिली. जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर पंचनामा कार्रवाई करने के करीब एक घंटे बाद शव को पीएम के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी पहुंचाया. चिकित्सक और स्वीपर की कमी के कारण यहां करीब 02 घंटे बाद यानी शाम करीब 04 बजे शव का पीएम शुरू हो पाया और पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है. मृतक की पहचान दानी प्रसाद पिता नत्थुलाल ठाकरे के रुप में हुई है. कथित तौर पर पारिवारिक विवाद से तंग आकर दानी प्रसाद के आत्महत्या करने का अनुमान लगाया गया है. पुलिस इस घटना को हत्या और आत्महत्या दोनों ही पहलुओं से जांच कर रही है. बताया जाता है कि दानी प्रसाद, नत्थुलाल ठाकरे ने दत्तक पुत्र थे. नत्थुलाल ठाकरे ने दानी प्रसाद के नाम एक जमीन क्रय की थी बीते कुछ समय से नत्थुलाल को ऐसा प्रतीत हो रहा था कि दत्तक पुत्र दानी का ठाकरे दंपत्ति के प्रति ठीक व्यवहार नहीं है. इसी बात को लेकर घर में विवाद चल रहा था. जिसके चलते दानी प्रसाद दुधारा छोड़कर अपने पैतृक गांव अमई चले गए थे. हालांकि इसके बावजूद वह आए दिन दुधारा आते रहते थे. ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार को भी दानी प्रसाद दुधारा आए और फिर खेत की तरफ चले गए जहां उनका शव महुए के पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका हुआ बरामद किया गया। मृत्यु के बाद भी व्यक्ति का सम्मान बना रहना चाहिए यह अधिकार भारत का कानून प्रदान करता है. मगर, सरकारी अस्पताल कटंगी में चिकित्सक और स्वीपर की कमी कई मौके पर मृतक की गरिमा को ठेस पहुंचाते हुए नजर आती है. जैसा कि

सोमवार को दुधारा के मामले में देखने में आया. करीब 02 घंटे तक शव को मरचुरी में केवल इसीलिए रखा गया क्योंकि चिकित्सक इमरजेसी ड्यूटी में थे और स्वीपर तिरोड़ी अस्पताल से आना था. गौरतलब हो कि सरकारी अस्पताल कटंगी में लंबे समय से स्वीपर का पद रिक्त पड़ा है. अभी मौजूदा वक्त में तिरोड़ी अस्पताल से स्वीपर के आने के बाद किसी भी लाश का पीएम हो पाता है या फिर शहर से ही प्राइवेट स्वीपर को बुलाया जाता है. जिसे अस्पताल से कोई मानदेय नहीं मिलता बल्कि स्वीपर को मजबूरी में मृतक के परिजनों के सामने मुंह खोलकर अपना मेहनताना मांगना पड़ता है कई बार इसी मेहनताना के मांगने पर विवाद हो जाता है. मृतक के परिजन अकसर स्वीपर से यह पूछने लग जाते है कि पीएम का काम तो सरकारी है फिर पैसा किस बात का दें. ऐसे विवादों के बीच अकसर पुलिस को सुलह करवाते हुए यह बताना पड़ता है कि अस्पताल में स्वीपर नहीं है इसीलिए प्राइवेट से जो स्वीपर आया है उसे पैसा देना पड़ेगा। सूत्रों की माने शव विच्छेदन गृह में एक शव का पोस्टमार्टम करने के लिए जो सामान्य उपकरण लगते है उनकी हालत भी बहुत खराब है. इन उपकरणों की डिमांड करीब 06 माह पूर्व ही भेजी जा चुकी है लेकिन यह उपकरण आज तक मुहैया नहीं हो पाई है. अस्पताल का शव विच्छेदन गृह इतना गंदा रहता है कि यहां चिकित्सक भी असहज महसूस करते है ऐसे में जब परिजन पीएम के दौरान बॉडी को भीतर छोड़ने और लाने के लिए जाते है तो वह गंदी बदबू सहन नहीं कर पाते है. पीएम के बाद शव विच्छेदन गृह में केवल एक बाल्टी पानी डाला जाता है जिससे उसकी सफाई नहीं हो पाती. स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है।

संजीवनी 108 के डॉक्टर व पायलेट ने दिया मानवता का परिचय
सड़क दुर्घटना में घायल को पहुंचाया अस्पताल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। संजीवनी 108 एम्बुलेंस 01 सितम्बर को आरंभा से खैरलांजी होकर निलामा जा रही थी। यह एम्बुलेंस एक गर्भवती महिला को प्रसव के लिए अस्पताल लाने जा रही थी। यह एम्बुलेंस दोपहर 02 बजे के लगभग खुरसीपार के पास पहुंची थी इसी समय खुरसीपार व आरंभा के बीच एक सड़क हादसा हो गया था। जिसमें वेद डायरे पिता गणेश डायरे जो कि खैरलांजी से हेटी अपनी स्कुटी एमएच-31-एफजेड-1712 से जा रहा था और रंजिता पति चितरंजन सुलकिया अपने खेत से खुरसीपार घास लेकर घर जा रही थी। तभी गाड़ी से टकराने के कारण महिला के दाए पैर की हड्डी टूट गई और वह सड़क पर घायल पड़ी थी। इसी समय सड़क से गुजर रही संजीवनी 108 के ईएमटी डॉक्टर गौरी शंकर पटले व पायलेट प्रवीण कावरे ने मानवता का परिचय देते हुए, पहले से ही मिली केस आईडी में घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी में भर्ती कर उसका प्राथमिक उपचार कराया। इसके बाद संजीवनी 108 एम्बुलेंस गर्भवती महिला को प्रसव के लिए अस्पताल लाने निलामा के लिए रवाना हुई। इस प्रकार एम्बुलेंस के स्टॉफ ने मानवीय पहल करते हुए घायल महिला की जीवन रक्षा करने में मदद की है। डॉ. गौरी शंकर पटले ने आम जनता से अपील की कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की हर सम्भव मदद करें और घायल की जीवन रक्षा के लिए उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाए। इससे उन्हें बड़ा पुण्य भी मिलेगा और आत्मिक शांति भी मिलेगी।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

आँखे बंद कर नाली में बहाया जा रहा पीने का पानी

वार्ड नं 11 में रोजाना हो रही लाखों लीटर पानी की बर्बादी, करीब 8 दिनों से फूटी पाइप लाइन पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। नगर के वार्ड नंबर 11 में इन दिनों जहा तहाँ समस्याओं का अम्बार लगा है।यहा आज भी लोग पानी,नाली साफ सफाई सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे है। जहां वार्ड वासियों को पानी देने के लिए नगर पालिका द्वारा बिछाई गई पाइपलाइन फूट जाने से यहां रोजाना लाखो लीटर पानी बर्बाद हो रहा है।इस बात को 1 सप्ताह से अधिक दिन बीत चुके है। जहां लंबा समय बीत जाने के बाद भी नपा द्वारा अब तक पाइपलाइन की मरम्मत नहीं की गई है जिसके चलते लोगों के घरों में पानी, फोर्स से नही आ रहा है। तो वही लोगो को पर्याप्त मात्रा में पानी भी नही मिल पा रहा है।वही साफ सफाई भी ठीक से ना होने के चलते जहा तहाँ गंदगी पड़ी नजर आ रही है।वही फूटी पाइपलाइन से नालियों में पानी भरा होने और पानी निकासी के इंतजाम ना होने के कारण गंदगी और मच्छर का प्रकोप पूरे वार्ड में है।इस विकट समस्या पर नगरपालिका का कोई ध्यान नहीं है। जिस पर अपना ऐतराज जताते हुए वार्ड वासियों ने फूटी पाइप लाइन को सुधारने, नाली से पानी निकासी की व्यवस्था किए जाने, सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं दिए जाने की मांग की है।

1 सप्ताह से अधिक दिन हो गए, फूटी पाइपलाइन से बह रहा पानी

नगर पालिका की अनदेखी के चलते लाखों लीटर पीने का पानी रोजाना बर्बाद हो रहा है। मेंन पाइप लाइन फूटने का ताजा मामला नगर के वार्ड नंबर 11 का है।जहां मेन रोड़ के किनारे बने मंदिर के पीछे करीब 8 दिनों से पाइप लाइन फूटी पड़ी है। जिसे अब तक दुरुस्त नहीं किया गया है।जिसके चलते करीब 8 दिनों से रोजाना लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। जो नाली में जमा हो रहा हैं। बताया जा रहा है कि नाली के अधूरे निर्माण के चलते यहां से पानी की निकासी भी ठीक ढंग से नही हो पा रही है।वही फूटी पाइपलाइन को दुरुस्त कराने की जहमत भी अब तक नगर पालिका के संबंधित विभाग द्वारा नहीं उठाई गई है।जिसके चलते स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जहां के स्थानीय लोगों ने फूटी पाइप लाइन की यथाशीघ्र मरम्मत कराने और पानी की बर्बादी को तुरंत रोके जाने की मांग की है।

सिर्फ कागजों में चल रही जल संरक्षण की बातें

एक ओर नगर पालिका के जिम्मेदार

पदाधिकारी नगरी क्षेत्र के वार्ड वासियों से पानी व्यर्थ ना बहाने, पेय जल का संरक्षण करने और पेयजल की बर्बादी को रोकने की अपील करते नजर आते हैं, तो वहीं दूसरी ओर स्वयं उनका फूटी पाईप लाइन से व्यर्थ बह रहे पानी पर ध्यान नहीं है।जहां सप्ताह भर से रोजाना लाखों लीटर पानी बहने की शिकायत मिलने के बावजूद भी, नगरपालिका ने फूटी पाइप लाइन, और नल कनेक्शन जॉइंट से बह रहे लीकेज को दुरुस्त करने की जहमत नहीं उठाई है। नगर के वार्ड न 11 मे बिछाई गई पाइप लाइन से पेयजल बहकर बर्बाद हो रहा है जहां करीब 8 दिनों से देखी जा रही इस समस्या पर अब तक नगर पालिका ने कोई ध्यान नहीं दिया है।जिसके चलते वहा लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। जो नाली में जमा हो रहा है।जिसमे मच्छर पनप रहे है।जिसको लेकर स्थानीय लोगो ने अपनी नाराजगी जताते हुए, फूटी पाइपलाइन को दुरुस्त करने और अधूरी नाली का निर्माण कर पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने की मांग की है।

नपा ध्यान नहीं दे रही है – वीरेंद्र तिलासे

वार्डवासी वीरेंद्र तिलासे ने बताया कि यहां करीब 8 दिनों से पाइपलाइन फूटी है।जिससे पानी बर्बाद हो रहा है। पार्षद को बताएं तो एक दिन नगर पालिका के कर्मचारी आए थे, जो देखकर गए हैं लेकिन उन्होंने सुधार कार्य नहीं किए हैं।हमने इस पानी की बर्बादी को रोकने के लिए पाइपलाइन के ऊपर बड़ा पत्थर लगाकर पानी रोकने का प्रयास किया था, लेकिन पत्थर हट गया। इसको दुरुस्त करने में नगर पालिका ध्यान नहीं दे रही है।

जल्द किया जाए सुधार कार्य, नाली का हो निर्माण- हरिचंद

वार्डवासी हरिचंद मोहबे ने बताया कि वर्ष 2021 से यहां नाली का निर्माण कार्य चल रहा है जो अब भी अधूरा है। नाली से ही पानी की पाइपलाइन गई है जो फूट चुकी है। पिछले 8-10 दिनों से फूटी पाइपलाइन से पानी बह रहा है। वही पानी, नाली में जमा हो रहा है जिसमें कीड़े व मच्छर पनप रहे हैं लोग बीमार हो रहे हैं वही गंदगी भी काफी ज्यादा बढ़ गई है।इस समस्या पर नगर पालिका का कोई ध्यान नहीं है।उन्होंने बताया कि एक ओर बूंद बूंद पानी बचाने की बात कह रहे हैं, दूसरी ओर रोजाना लाखों लीटर पानी बर्बाद किया जा रहा है। जिससे गंदगी व बीमारी बढ़ रही है हमारी मांग है कि जल्द से जल्द पक्की नाली का निर्माण कार्य कराकर, पानी निकासी की व्यवस्था बनाई जाए।वही फूटी पाइपलाइन को जल्द से जल्द दुरस्त किया जाए।

कलेक्टर से की जाएगी शिकायत- सरिता उइके

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान वार्ड पार्षद श्रीमती सरिता उइके ने बताया कि पाइप लाइन फूटने की शिकायत नल विभाग को मौखिक और दूरभाष पर दी जा चुकी है।रोजाना शिकायत के बावजूद भी सुधार कार्य नहीं किया गया।अब इसकी शिकायत कलेक्टर से की जाएगी।

मनरेगा अभियंता की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी, रक्तदान कर किया अनूठा प्रदर्शन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मनरेगा अभियंता संघ द्वारा अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रही है । यह हड़ताल बीते 16 अगस्त से अलग-अलग क्रम अनुसार शुरू हुई है । जिसमें आज

17 दिन बीत जाने के बाद भी सरकार द्वारा मनरेगा अभियंता की मांगों को लेकर कोई कदम नहीं उठाए गए हैं, वही अब मनरेगा अभियंता अलग-अलग दिन विरोध स्वरूप अलग-अलग गतिविधियां कर रहे हैं । इसी क्रम में मनरेगा अभियंता के पदाधिकारी ने रक्तदान करते हुए, अपना विरोध सरकार के सामने जताया हैं। आपको बता दे की बीते कुछ दिनों से मनरेगा अभियंता संघ द्वारा प्रदेश स्तर के आवाहन पर अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर अलग-अलग क्रम में हड़ताल की जा रही है । मनरेगा अभियंता संघ द्वारा सबसे पहले 16 अगस्त से 25 अगस्त तक सामूहिक अवकाश लेकर प्रदर्शन किया गया । उसके बाद जब सरकार द्वारा मनरेगा अभियंता की मांगों पर सुनवाई नहीं की गई तो मनरेगा अभियंता द्वारा प्रदेश स्तरीय संगठन के आवाहन पर 26 अगस्त से प्रदेश भर के मनरेगा अभियंता अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं , वहीं अब सरकार द्वारा मनरेगा अभियंता की मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है , वहीं मनरेगा अभियंता के जिला अध्यक्ष भीवराम भोयर द्वारा पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया गया कि वह लगातार अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अलग-अलग दिन प्रदर्शन करते जा रहे हैं , पर सरकार उनकी मांगों पर संज्ञान नहीं ले रही है , उन्होंने 1 सितंबर को अपनी हड़ताल में अनोखा प्रदर्शन करते हुए, सभी हड़ताल कर रहे पदाधिकारी द्वारा सामूहिक रूप से रक्तदान किया गया है और आगे भी अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल में इसी प्रकार के अलग-अलग प्रदर्शन करते रहेंगे जब तक सरकार उनकी 8 सूत्रीय मांगों पर संज्ञान नहीं ले लेती।

सेलवा के ग्रामीणों ने गांव में बिक रही कच्ची शराब पर प्रतिबंध लगाने खोला मोर्चा

नशा मुक्ति समिति का गठन कर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गांव में अवैध रूप से बिक रही कच्ची महुआ शराब पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बगदेही के ग्राम सेलवा ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। गांव में बैठक आहूत कर नशा मुक्ति संगठन का गठन किया है। सोमवार को नशा मुक्ति संगठन सेलवा के द्वारा कलेक्ट्रेट पहुंचकर गांव में अवैध रूप से बेची जा रही कच्ची शराब पर पूरी तरह रोक लगाये जाने कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया है व नशा मुक्ति संगठन का गठन करने की जानकारी दी गई है। इस दौरान पूर्व सरपंच ठानेन्द्र ठाकरे ने बताया कि ग्राम पंचायत बगदेही के ग्राम सेलवा के शंकरटोला, गोंडीटोला सहित अन्य टोलाओं में अवैध कच्ची शराब निकालने व बेचने का कार्य जोरों से चल रहा है। इस अवैध कच्ची शराब पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने व गांव को नशा मुक्त बनाने 25 अगस्त को बैठक कर नशा मुक्ति समिति का गठन कर संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि गांव में कच्ची शराब बिक्री से गांव व टोलों में अशांति का माहौल है। शराब के नशे में लोग घरों में अपने पत्नी व बच्चों से विवाद करते है , जिससे घर का माहौल भी खराब हो रहा है। गांव में

शराब बिकने से आस-पास के गांव से भी लोग शराब पीने आते है। इससे शराब के नशे में विवाद की स्थिति भी निर्मित हो जाती है। जिससे गांव में नशे के चलते बिगड़ रहे माहौल को देखते हुये गांव के प्रबुद्धजनों की बैठक आयोजित कर नशा मुक्ति समिति का गठन किया गया है। गांव में आयोजित बैठक में नशा मुक्ति समिति सेलवा के अध्यक्ष बीरसिंह लिल्हारे व उपाध्यक्ष नरेन्द्र परते को सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया। इसके अलावा सचिव भुवनलाल बनोटे, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर सोनवाने को बनाया गया व समिति में 40 अन्य सदस्य मनोनीत किये गये है। वह चाहते हैं कि पुलिस प्रशासन भी गांव को नशा मुक्त करने में सहयोग दे और यदि पुलिस प्रशासन द्वारा गांव में नशा मुक्ति अभियान के लिए सहयोग नहीं दिया गया तो वह उग्र आंदोलन करेंगे । 1 सितंबर को गांव से जिला मुख्यालय ज्ञापन सौंपने पहुंचे पूर्व सरपंच मुरलीधर ठाकरे , वर्तमान सरपंच शैलेंद्र परते , पूर्व सरपंच ठानेन्द्र ठाकरे , महेंद्र ठाकरे , सौरभ ठाकरे, सुरेंद्र सोनवाने , गंगा दमाहे , बीरसिंह लिल्हारे , अशोक दमाहे ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

मोटरसाइकिल साइकिल को ठोस मारकर हुई अनियंत्रित

साइकिल सवार कृषक और मोटरसाइकिल सवार युवक घायल, मोहगांव लालबर्रा रोड पर हुई दुर्घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। लालबर्रा थाना अंतर्गत ग्राम खोंगाटोला से लालबर्रा रोड पर स्थित ग्राम खारी खीरी के बीच मोटरसाइकिल, साइकिल को ठोस मारकर अनियंत्रित हो गई। इस सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार कृषक और मोटरसाइकिल सवार युवक घायल हो गए दोनों घायल जिनमे कृषक चूरन लाल पिता मक्खन लाल नगप 60 वर्ष ग्राम खोंगाटोला और मोटरसाइकिल सवार हेमराज पिता कन्हैयालाल सोनवाने 27 वर्ष ग्राम सालई थाना लालबर्रा निवासी है दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषक चूरन लाल नगपुरे ग्राम खोंगाटोला निवासी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं।जिनके परिवार में तीन बेटे और एक बेटी है सभी की शादी हो चुकी है। कृषक चूरनलाल नगपुरे संयुक्त परिवार में रहते हैं। 1 सितंबर को कृषक चूरनलाल नगपुरे अपने घर में थे और उसके तीनों बहुएं कृषि कार्य करने के लिए अपने खेत चली गई थी। 1:30 बजे करीब कृषक चूरन लाल साइकिल में घर से अपने खेत जाने निकले थे तभी लालबर्रा रोड पर स्थित ग्राम खारी और खीरी के बीच लालबर्रा की ओर

से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल कृषक चरण लाल। नगपुरे की साइकिल से टकराकर अनियंत्रित हो गई। मोटरसाइकिल की ठोकर से साइकिल सवार कृषक चूरन लाल नगपुरे और मोटरसाइकिल सवार हेमराज सोनवाने घायल हो गये। हेमराज सोनवाने अपने किसी रिश्तेदार को लालबर्रा छोड़कर अपने घर सालई लौट रहा था। तभी उसकी तेज रफ्तार मोटरसाइकिल कृषक चूरन लाल। नगपुरे की साइकिल से टकरा गई। इस दुर्घटना सड़क दुर्घटना की खबर मिलती चूरनलाल नगपुरे की तीनों बहु पुष्पा नगपुरे, ममता नगपुरे और कीर्ति नगपुरे कृषि कार्य छोड़कर घटनास्थल पहुंची और घायल अपने ससुर चूरन लाल नगपुरे को 108 एंबुलेंस से लालबर्रा अस्पताल लेकर पहुंचे। घायल हेमराज सोनवाने को भी लालबर्रा के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है हालांकि दुर्घटना में घायल कृषक चरण लाल नगपुरे की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। खास यह देखने मिला कि इस दुर्घटना में घायल कृषक चूरनलाल नगपुरे के तीनों बेटे जितने चिंतित दिखाई नही दिये। उनसे कहीं ज्यादा चिंतित उनकी तीनों बहुएं पुष्पा नगपुरे ममता नगपुरे और कीर्ति नगपुरे दिखाई दी। कृषक चूरनलाल नगपुरे की तीनो बहूये उनके साथ अस्पताल में ही रही। दुर्घटना की जांच लालबर्रा पुलिस द्वारा की जा रही है।

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में चयन के लिये छात्र-छात्राओं ने लगाया दम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़) । लोक शिक्षण संचनालय के निर्देशानुसार शालेय जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 01 सितम्बर को स्थानीय मुलना स्टेडियम ग्राउण्ड में किया गया। जिसमें जिले के 07 विकासखंडों के करीब एक सैकड़ा से अधिक स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का हुनर दिखाया। इस प्रतियोगिता में 100 मीटर, 200 मी. 400 मीटर से 1500 मीटर तक दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, तवा फेंक प्रतियोगिता अलग-अलग आयु वर्ग के लिये कराई गई।औपचारिक चर्चा के दौरान प्रभारी जिला क्रीडा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी ने बताया कि एथलेटिक्स प्रतियोगिता अलग-अलग तीन आयु वर्ग में हुई। जिसमें 14 वर्ष, 17 व 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका प्रतिभागी शामिल रहे। इस प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी 5 सितम्बर से जबलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने के लिये खिलाड़ी 4 सितम्बर को बस से रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट. सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, जबलपुर, कटनी सहित अन्य जिले की टीम शामिल होगी। प्रतियोगिता को संपन्न कराने में स्कूलों के खेल शिक्षकों का भी सहयोग रहा।

महाबोधी महाविहार बुद्धगया मुक्त करने निकाला गया शांती मार्च

समता सैनिक दल का विशेष सैनिक प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़) । भारतीय बोद्धो के सर्वोच्च धार्मिक सामाजिक संघठन दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया का संरक्षण विभाग अर्थात समता सैनिक दल का विशेष प्रशिक्षण शिविर एवं विश्व के बौद्धो का प्रमुख स्थल जहा पर विश्व शांति के अग्रदूत तथागत सम्यक सम्बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ। वह बोधगया स्थित महाबोधी महाविहार के मुक्ति के लिए समता सैनिक दल मध्यप्रदेश रेजीमेंट द्वारा शांती मार्च निकाला गया ।उक्त आयोजन के मुख्य अतिथि बी.एच.गायकवाड राष्ट्रीय सचिव व म.प्र. के पालक मंत्री मुंबई, प्रमुख अतिथि डॉ.एडवोकेट एस.एस. वानखेडे राष्ट्रीय सचिव एवं एसएसडी के असिस्टेंट स्टाफ ऑफिसर मुंबई थे ।आयोजन के अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष एवं जीओसी, एसएसडी मप्र. दक्षिण, आर.सी. दिवाकर अध्यक्ष एवं जीओसी, एसएसडी म.प्र. उत्तर थे। प्रमुख अतिथि के रूप में गौतम पाटिल राष्ट्रीय संघठक भोपाल, डॉ. शांताराम वाघ उपाध्यक्ष समता सैनिक दल के लेफ्टिनेंट कर्नल, डॉ.उत्तम प्रधान महामंत्री एवं लेफ्टिनेंट कर्नल.तथा रमेश बिह्लारे सीनियर डीओ एसएसडी, ने बहुत ही अच्छी तरह से जवानों को प्रशिक्षण दिया। सारे आयोजनो की व्यवस्था मध्यप्रदेश के बी.सी.सहारे, अनिल अवधरे प्रदेश संघठक, मनोज निकोसे एवं भोपाल जिलाध्यक्ष दिलीप बनकर, सुखदेव (,गुड्डु) सीरीसाठ नगर अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम द्वारा उत्तम व्यवस्था की गई। समता सैनिक दल के विशेष प्रशिक्षण शिविर में ड्रील कदवार लाईन में खडे रहना, सावधान विश्राम, आराम से मुडना, कदम लेना, कदवार से तीन लाईन, खुली और निकट लाईन, तेज चाल, कदम ताल, ड्रील, सेल्यूट, रिपोटिंग, जनरल सलामी, लाईनमोड, विसर्जन आदि महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत रूप से 5 समूह बनाकर प्रशिक्षण दिया गया।

वही मौखिक विषय बाबा साहेब ने समता सैनिक दल का निर्माण क्यो किया, पूर्वज एवं दल का शौर्य, संविधानिक अधिकार, आ.पी.सी. कानून आदि पर भी प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में 150 सैनिकों ने प्रशिक्षण लिया। इस प्रशिक्षण के दौरान इंदौर एवं भोपाल जिला बटालियन से महिला एवं पुरुष सैनिकों की उपस्थिति सराहनीय रही,अंतिम सत्र में चैत्य बुद्ध विहार पंचशील नगर से अतिथियों के मार्गदर्शन में महाबोधी महाविहार मुक्ति आंदोलन हेतु समता सैनिक दल मध्यप्रदेश रेजीमेंट द्वारा क्षेत्र में एक शांती मार्च रैली का आयोजन किया गया ।जिसमें सभी सैनिको व संघठन के पदाधिकारियों ने हाथो में महाबोधी मुक्ति हेतु विभिन्न प्रकार के स्लोगन लिखे हुई पट्टीयां, पंचशील के ध्वज थे। मुख्य अतिथि श्री गायकवाड ने बताया कि बोधीत्सव डॉ.बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा स्थापीत किये गये समता सैनिक दल को 20 मार्च 2027 में पूरे 100 वर्ष होने जा रहे है। इस उपलक्ष्य में संस्था के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष बाबा साहेब के पौत्र डॉ. भीमराव आंबेडकर साहेब द्वारा पूरे भारत देश में 1 लाख दल के सैनिक बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प की पूर्ति हेतु यह आयोजन किया गया। इस समारोह में मध्यप्रदेश राज्य उत्तर दक्षिण के साथ भोपाल मुख्याल से भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिसमें बालाघाट से जिलाध्यक्ष एस.एल.रंगारे, हेमलता डोंगरे, राजकपुर कामडे, प्रमीला चौहान, साधना ढेंगरे एसएसडी की डिवीजन आफिसर,केंद्रीय शिक्षिका खुशीयाल मेश्राम जिला उपाध्यक्ष , आनंद वैध सहित अन्य उपस्थित रहे ।उक्त जानकारी दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया वरिष्ठ पदाधिकारी राजकपुर कामडे द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई।

रामजीटोला में निकाली गई कलशों की शोभायात्रा

जीवंत झांकिया रही आकर्षण का केन्द्र, दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता आज से

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाली ग्राम रामजीटोला में श्री शिवशक्ति सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के द्वारा विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व आस्थापूर्वक एवं धूमधाम से मनाया जा रहा है। गणेशोत्सव पर्व के अवसर पर रविवार की शाम 7.30 बजे डीजे की धून पर प्रतिमा स्थल से कलशों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण, राधा, श्रीकृष्ण, भगवान शंकर, माता पार्वती, रूखमणी, भारत माता, माँ काली, शेर, वानर सेना की जीवंत झांकिया आकर्षण का केन्द्र रही। यह कलश यात्रा ग्राम रामजीटोला, पांढरवानी ग्राम का भ्रमण करते हुए श्रीगणेश प्रतिमा स्थल पहुंची। जिसके बाद भगवान श्रीगणेश की महाआरती की गई तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। वहीं गणेशोत्सव समिति के द्वारा 2 सितंबर से दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसका आगाज आज किया जायेगा। साथ ही इस दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 10001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 7001 रूपये, तृतीय पुरस्कार 5001 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 351 रूपये निर्धारित किया गया है। चर्चा में श्री शिव शक्ति सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारी, जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है और रोजाना श्रध्दालुजनों के द्वारा लंबोदर महाराज की आराधना की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि 31 अगस्त की शाम 7.30 बजे प्रतिमा स्थल से कलशों की शोभायात्रा डीजे के धुन पर निकाली गई जो रामजीटोला एवं पांढरवानी का भ्रमण करते हुए वापस रामजीटोला पहुंची। इस कलश यात्रा में भगवानों की जीवंत झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही। साथ ही पर्व के दौरान विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। श्री कावरे ने बताया कि 10 दिवसीय पर्व का समापन होने के बाद भी वर्षभर विघ्नहर्ता भगवान गजानन महाराज रामजीटोला के हर युवाओं के दिल में बसे रहते है एवं 2 सितंबर से दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर जिलेभर की कबड्डी टीम पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगें। इस दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिलेभर की कबड्डी टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील आयोजन समिति संरक्षक डॉ. रामप्रसाद पंचेश्वर, गोविंदराम पंचेश्वर, कुंवरलाल माने, उमाशंकर नागेश्वर, रंजन राजुरकर, जवाहरलाल पंचेश्वर, मिश्रीलाल पंचेश्वर, लेखराम माने, बसंत हट्टेवार, महेश माने, मनोज यादव, धनीराम पंजरे, यशवंतराव बाहेश्वर, देवनलाल पंचेश्वर, युवराज पंचेश्वर, मुकेश यादव, शिवभजन कावरे सहित समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

भगवान श्रीगणेश की आराधना जारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग स्थित श्रीकृष्ण महिला भजन मंडल अध्यक्ष श्रीमती शशी उपाध्याय के निवास में श्रीकृष्ण महिला भजन मंडल के द्वारा गत दिवस प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाकर आराधना की जा रही है। इस अवसर पर सुबह-रात में आरती की जाती है एवं भजन का भी गायन किया जा रहा है जिससे आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया है। साथ ही आगामी 6 सितंबर को हवन-पूजन के बाद भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। इस अवसर पर श्रीकृष्ण महिला भजन मंडल अध्यक्ष श्रीमती शशी उपाध्याय, उपाध्यक्ष दुर्गा टेंभरे, पिंकी तोमर, कल्पना चौहान, लता वैद्य, रजनी नामदेव, सविता चौरसिया, बेला सोनी, प्रमिला बोरकर, मीना नामदेव सहित अन्य महिलाएं रोजाना भजन-कीर्तन का गायन कर रहे है।

सांदीपनी स्कूल में त्रैमासिक परीक्षा जारी, दो पालियों में संपन्न हो रही परीक्षा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूलों में कक्षा 9 से 12 वीं तक की त्रैमासिक परीक्षा गत 8 अगस्त से प्रारंभ हो चुकी है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल उत्कृष्ट उ'चतर माध्यमिक विद्यालय में गत 8 अगस्त से कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक की बोर्ड पैटर्न में त्रैमासिक परीक्षा प्रारंभ हो चुकी है और यह परीक्षा दो पालियों में ली जा रही है जिसमें प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक कक्षा 9 वीं, 10 वीं एवं दोपहर 1.30 से 4.30 बजे तक कक्षा 11 वीं व 12 वीं की परीक्षा संपन्न हो रही हैं। परीक्षा के चौथे दिन कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों ने गणित, कक्षा 10 वीं के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी, कक्षा 11 वीं के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी, कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों ने गणित/समाजशास्त्र विषय का प्रश्नपत्र हल किये। वहीं यह परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर ली जा रही है। लेकिन कुछ विषय में त्रैमासिक परीक्षा तक का कोर्स नही होने से छात्र-छात्राओं को प्रश्नपत्र हल करने में परेशानी हो रही है। जबकि स्कूल प्रशासन को इस विषय पर विशेष ध्यान देना चाहिए था कि किस विषय में कितना पाठयक्रम पढ़ाया गया है। ऐसी स्थिति में जिस विषय में कोर्स अधुरा है, अगर कठिन प्रश्न आने पर छात्र-छात्राओं को प्रश्नोत्तर लिखने में परेशानी होगी जिससे उनके परीक्षा परिणाम पर असर पड़ेगा। चर्चा में प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार गत 28 अगस्त से त्रैमासिक परीक्षा शुरू हो चुकी है और यह परीक्षा दो पालियों में ली जा रही है। जिसमें प्रात: 10 से दोपहर 1 बजे तक कक्षा 9 वीं व 10 वीं की एवं दोपहर 1.30 से 4.30 बजे तक कक्षा 11 वीं व 12 वीं की परीक्षा ली जा रही है। जिसमें 1 सितंबर को कक्षा 9 वीं के 312 विद्यार्थियों ने गणित विषय का पर्चा हल किया, 2 अनुपस्थित रहे। इसी तरह कक्षा 10 वीं में 232 विद्यार्थी अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र हल किये, 4 अनुपस्थित, कक्षा 11 वीं में 297 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र हल किये, 10 अनुपस्थित, कक्षा 12 वीं में 46 विद्यार्थी गणित विषय का प्रश्नपत्र हल किये, 2 अनुपस्थित रहे और विद्यार्थियों ने शांतिपूर्वक पर्चा हल कर रहे है। साथ ही यह भी बताया कि त्रैमासिक परीक्षा के सिलेबस तक कोर्स पूर्ण हो चुका है और यह परीक्षा 9 सितंबर को संपन्न होगी।

नोटिस जारी होने के बाद दुकानदारों ने स्वयं हटा ली दुकानें

50 वर्ष पुरानी पानी टंकी को किया जायेगा डिस्मेंटल आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के हाई स्कूल रोड़, बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति लालबर्रा के समीप पानी टंकी के सामने अवैध रूप से अतिक्रमण कर दुकान का संचालन करने वाले दुकानदारों को पांढरवानी पंचायत के द्वारा गत दिवस नोटिस जारी कर 3 दिवस के अंदर अपनी दुकाने हटाने निर्देशित किया गया था। वहीं पंचायत के द्वारा नोटिस मिलने के बाद पुरानी पानी टंकी के सामने अतिक्रमण कर जिन दुकानदारों के द्वारा बास, बल्ली, पॉलीथिन एवं ठेला लगाकर दुकानों का संचालन किया जा रहा था उनकेद्वारा नोटिस के नियत तिथि के पूर्व ही स्वयं अपनी-अपनी दुकानों का हटा लिया गया है। लेकिन उनके लिए अन्य स्थानों पर दुकान लगाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नही होने से वे परेशान नजर आ रहे है। हाई स्कूल रोड़ स्थित पुरानी पानी टंकी के सामने स्थित दुकाने हट चुकी है और 2 सितंबर को पांढरवानी पंचायत के द्वारा 50 वर्ष पुरानी पानी टंकी को डिस्मेंटल किया जायेगा। यानि की पुरानी पानी टंकी को डिस्मेंटल कर जमींदोज किया जायेगा जिसकी कार्यवाही आज की जायेगी। आपकों बता दे कि हाई स्कूल रोड़, बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति के समीप पीएचई विभाग के द्वारा लगभग 50 वर्ष पूर्व पानी टंकी का निर्माण किया गया था, जिसके माध्यम से नगरवासियों को पानी प्रदाय किया जाता था। लेकिन समय-समय पर देखरेख नही होने के कारण पानी टंकी जीर्णशीर्ण-क्षतिग्रस्त हो चुकी है एवं किसी भी समय ढह सकती है, जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। वहीं लंबे समय से जीर्णशीर्ण पानी टंकी को डिस्मेंटल करने की मांग शासन-प्रशासन से की जा रही थी। जिस पर पांढरवानी पंचायत के सरपंच अनीस खान ने इस मामले को प्रमुखता से लेते हुए गत दिवस पुरानी पानी टंकी के सामने अतिक्रमण कर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी कर तीन दिवस के अंदर दुकाने हटाने एवं नही हटाने पर पंचायत के द्वारा उनके खिलाफ वैधानिक करने के निर्देश दिये गये थे। जिसके बाद दुकानदारों ने स्वयं अपना अतिक्रमण हटा लिये है। पंचायत के द्वारा 2 सितंबर को 50 वर्ष पुरानी जीर्णशीर्ण पानी टंकी को डिस्मेंटल किया जायेगा।

वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट का थाना प्रभारी एवं नायब तहसीलदार ने किया निरीक्षण

भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विसर्जन स्थल की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा गत दिवस प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। साथ ही रोजाना विविध धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है एवं आगामी 6 सितंबर को प्रतिमाओं का विसर्जन किया जायेगा। वहीं इस वर्ष बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन पोटियापाट घाट पहुंचकर श्रीगणेश भगवान की प्रतिमा को विसर्जन करने वाले है क्योंकि पंचायत के द्वारा वैनगंगा नदी के तट पर पनघट का निर्माण किया गया है जहां से प्रतिमा विसर्जन करने में श्रध्दालुओं को सुविधा होगी। वहीं आगामी गणेश उत्सव को लेकर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में विसर्जन स्थल की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत बम्हनी के आगे स्थित वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट पहुंचकर 1 सितंबर को थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट में विसर्जन के दौरान किस तरह से सुव्यवस्थित तरीके से विसर्जन कार्य संपन्न करवाये जायेगें उस संबंध में चर्चा कर आवश्यक तैयारी की है। ताकि किसी प्रकार का दुर्घटना घटित न हो। वहीं विसर्जन के दिन सावधानियां बरतने एवं व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही यह भी कहा कि विसर्जन घाट में मछुआरे, गोताखोर एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहेगें ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तुरंत राहत कार्य किये जा सके। वहीं प्रशासन के द्वारा सुरक्षित और व्यवस्थित विसर्जन के संकल्प के साथ ही सभी गणेश उत्सव समितियों को निर्देश दिये हैं कि वे विसर्जन कार्यक्रम को अनुशासनबध्द तरीके से आयोजित करें। घाट पर भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा पर ध्यान देने की अपील की है। इस अवसर पर थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

श्रध्दालु दिन में करें प्रतिमा विसर्जन - ढबाले

चर्चा में बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट में नदी किनारे पनघट का निर्माण किया गया है, सोमवार को नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी के द्वारा निरीक्षण किया गया है। जिन्होने बताया कि इस वर्ष कुछ गणेशोत्सव समितियां वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट में प्रतिमा विसर्जन करेगें इसलिए इस स्थान पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने निर्देशित किया है। श्री ढबाले ने बताया कि पंचायत के द्वारा प्रतिमा विसर्जन हेतु पोटियापाट घाट पनघट स्थल की साफ-सफाई करवा दी जायेगी एवं सुरक्षा की दृष्टि से कुछ मछुआरे उपस्थित रहेगें। साथ ही पुलिस प्रशासन के कर्मचारी भी रहेगें ताकि सुव्यवस्थित तरीके से प्रतिमा का विसर्जन कार्यक्रम संपन्न हो सके और श्रध्दालुओं से अपील है कि वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट में प्रतिमा विसर्जन दिन में करे एवं गहरे पानी में न जाये।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर विभिन्न खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, क्रीडा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में गत दिवस राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राध्यापकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय खेल दिवस के दूसरे दिन कबड्डी, पिट्टू एवं बेडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बेडमिंटन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राखी, चन्द्रप्रकाश ने प्राप्त किये, द्वितीय स्थान नेहा रजक व सिध्दार्थ ने प्राप्त किया है। आयोजित प्रतियोगिता का सफल संचालन क्रीडा अधिकारी डॉ. ऋषिकेष पटेल के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या परते, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, कु. सोनम हरिनखेड़े सहित विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

थानेगांव सड़क की हालत जर्जर राहगीर में आक्रोश

जगह-जगह फूटी सड़क दुर्घटना को दे रही आमंत्रण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा से थानेगांव मार्ग की स्थिति काफी जर्जर हो गई है। जहां आवागमन कर रहे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है जिसको लेकर कई बार ग्रामीणों के द्वारा संबंधित कार्य एजेंसी से व्यवस्था बनाने की मांग की जा चुकी है। किंतु वर्तमान तक विभाग के अधिकारियों के द्वारा उक्त विषय पर कोई गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है जिसके कारण स्थिति यथावत बनी हुई है। यह सड़क विभिन्न स्थानों से जर्जर हालत में गई है तो वहीं सड़क फटने से डामर भी उखड़ कर बाहर आ गया है। जहां छोटे बड़े गड्ढे भी हो गए हैं उनमे पानी भर गया हैं आवागमन करने में लोगों कोई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं सड़क किनारे कुछ स्थानों पर साइड़ शोल्डर भी उखड़ गया है इस प्रकार की स्थिति जगह जगह बनी हुई है। यह मार्ग सीधा रामपायली के लिए निकलता है जिससे विभिन्न ग्राम के लोग नगर मुख्यालय के लिए प्रतिदिन आवागमन करते हैं। जहां दिन के समय दुर्घटना की संभावना तो बनी हुई है परंतु रात्रि के समय कई बार दुर्घटनाएं घटित भी हो जाती है। ऐसे में राहगीरो के द्वारा मार्ग की मरम्मत करने की मांग की जा रही है। ताकि आवागमन में परेशानी का सामना ना करना पड़े। यह स्थिति मुख्य रूप से ग्राम सिकंद्रा से थानेगांव के मध्य में बनी हुई है जहां वहां अनियंत्रित हो जाते हैं जिस कारण से दुर्घटनाएं बढ़ रही है।

ख्खराब मार्ग के कारण कभी भी दुर्घटनाएं हो सकती है-गोकुल प्रसाद लिल्हारे

रहागीर गोकुल प्रसाद लिल्हारे ने बताया कि प्रतिदिन यह रास्ते से वारासिवनी आना.जाना होता है। यह जो मार्ग है थानेगांव से सिकंद्रा के बीच में बहुत बुरी स्थिति मार्ग की हो गई है। जगह.जगह सड़क फट गई है कुछ स्थानों पर डामर उखड़ गया है कभी भी दुर्घटनाएं हो सकती है। रात के समय यहां अंधेरा रहता है दिक्कत किसी को भी हो सकती है इस पर जो मरम्मत पूर्व में की गई थी वह ठीक नहीं थी। जिस कारण से मार्ग की यह स्थिति हो गई है यदि अच्छे से मरम्मत की जाती तो ठीक रहता। हम चाहते हैं कि मार्ग की मरम्मत की जाए और दुर्घटना की संभावना खत्म हो।

इस मार्ग की जर्जर हालत हो चुकी है नवीनीकरण होना चाहिए-उत्तम राहगंडाले

राहगीर उत्तम राहगंडाले ने बताया की वारासिवनी कंपनी में काम करने के लिए जाता हूं। ऐसे में कभी दिन के उजाले में तो कई बार बहुत रात भी हो जाती है ऐसे में अंधेरा इस मार्ग पर रहता है। उस समय दुर्घटना होने का डर बना रहता है इस मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खस्ताहाल हो गई है। यहां से दर्जनों ग्राम के ग्रामीण सहित विद्यार्थी प्रतिदिन आना जाना करते हैं कई बार सड़क दुर्घटना में चोटिल भी लोग हो जाते हैं। परंतु किसी के द्वारा इस विषय पर ध्यान नहीं दिया गया है इसका परिणाम है कि सड़क फट गई है उखड़ रही है। इस मार्ग का नवीनीकरण होना चाहिए अच्छी व्यवस्था सभी को मिलनी चाहिए।

दशहरा आयोजन समिति की बैठक हुई संपन्न

दशहरा चल समारोह में भगवान शिव की झांकी रहेगी आकर्षण का केंद्र

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। दशहरा पर्व की तैयारी को लेकर दशहरा आयोजन समिति के अध्यक्ष व विधायक विवेक पटेल की अध्यक्षता में रविवार को नगर के बड़ा राम मंदिर में सर्व समाज के अध्यक्षों व पदाधिकारियों की बैठक आहूत की गई। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष और किस प्रकार से दशहरा पर्व को भव्य रूप मनाया जा सकता है नगर वासियों ने अपन अपने विचार दिए। बैठक में नगर के विभिन्न चौक चौराहे में भगवान श्रीराम की झांकियां लगवाने, प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, शहर की सजावट,दशहरा मैदान मे आतिशबाजी, दशहरा मैदान में रोशनी कराने,राम.लक्ष्मण सीता सहित अन्य विषयो पर विचार विमर्श किया गया। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि दशहरा पर्व हमारी आस्था और परंपरा और संस्कृति से जुड़ा आयोजन है । यह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं बल्कि समाज को जोड़ने वाले उत्सव है, इस बार दशहरा पर्व के लगभग एक महीने पूर्व बैठक लिया गया है। समिति की ओर से ऐसे प्रबंध किए जाएंगे जिससे पिछले वर्ष की अपेक्षा और अधिक से अधिक लोग दशहरा पर्व पर पहुँचे और ऐतिहासिक दशहरा पर्व मना सके। हिन्दू आस्था के अनुसार दशहरा पर्व असत्य पर सत्य की जीत के रूप में मनाया जाता है। वारासिवनी का दशहरा देखने बालाघाट सहित अन्य विधानसभा क्षेत्र के लोग पहुंचते है। पिछले वर्ष रावण,मेघनाथ और कुंभकरण का पुतला दहन किया गया था इस बार सबके विचार आया है सिर्फ रावण का ही पुतला दहन किया जाए। इस दौरान रविंद्र रूसिया,विक्रम देशमुख, संदीप मिश्रा,शाहिद खान,अजय बिसेन,सुदेश गुड्डु सोनी,सुरेश कुर्वे, झामसिंह भगत,आंनद बिसेन, राहुल अरोरा, कैलाश दुल्हानी, जावेद अली,भुवन लोहार,राजा अली,चंदू बुरड़े,अमन पटेल,भय्यु अग्रवाल,चिंटू जैन, राकेश वर्मा,विजय बिसेन,जगदीश नेमा,कालू जेठवानी,जग्गी निराला,विवेक जुझार, संदेश बिसेन, हरि क्षिरसागर,वीरेंद्र रूसिया,पप्पू लालवानी,गोविल चौरे,प्रणय धार्मिक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

टेकाड़ीघाट वन समिति अध्यक्ष बने प्रणय गौरे

दक्षिण सामान्य वन विभाग ने संपन्न कराया चुनाव

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत टेकाड़ीघाट के पंचायत भवन में १ सितंबर को ग्राम वन समिति का निर्वाचन शांतिपूर्वक संपन्न कराया गया। यह निर्वाचन में बहुमत के आधार पर प्रणय गौरे ने बाल्टी छाप से विजय हासिल की है। यह मतदान प्रक्रिया नियम अनुसार दक्षिण सामान्य वन मंडल परिक्षेत्र कार्यालय खैरलांजी के मतदान अधिकारियों के द्वारा आयोजित किया गया। यह निर्वाचन प्रक्रिया पूर्णता शांतिपूर्वक संपन्न की गई पूरे दिन तनावपूर्ण स्थिति बनी रही जहां मतगणना के साथ निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त की गई। इसके बाद ग्रामीणों के द्वारा जीत का जश्न मनाया गया।

सुबह से शाम तक चला मतदान

ग्राम वन समिति टेकाड़ीघाट के अध्यक्ष पद के लिए दक्षिण सामान्य वन मंडल वन परिक्षेत्र कार्यालय खैरलांजी के द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम ग्राम के पंचायत भवन में १ सितंबर को आयोजित किया गया। जहां पर गुप्त मतदान प्रक्रिया का विधिवत पालन किया गया। इस दौरान अध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवार जिसमें इनेंद्र क्षीरसागर, नीलाजी एडे ,प्रणय गोरे ,रीसन कटरे के द्वारा नामांकन दाखिल किया गया था। जिसके मतपत्र जारी किए गए। इसमें इनेंद्र क्षीरसागर को फावड़ा निशान, निलजी एड़े को चश्मा निशान ,प्रणय गोरे को बाल्टी निशान,रीसन कटरे को गिलास निशान प्राप्त हुआ। जिसके विधिवत मतपत्र छापे गए जिसके माध्यम से मतदान प्रक्रिया पूर्ण की गई। यह मतदान प्रक्रिया सुबह ९ से प्रारंभ की गई जिसमें दोपहर ४ बजे तक मतदान होना था परंतु परिसर में अधिक लोग उपस्थित होने से ४ बजे के बाद गेट बंद कर मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई गई जो ५.१५ बजे तक चली। इस मतदान केंद्र के बाहर प्रत्याशियों के द्वारा अपने पंडाल लगाए गए थे तो वहीं बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित रहे और पूरे समय मतदान के लिए लोगों का आना जाना लगा रहा। ऐसे में सुरक्षा के लिए पुलिस व्यवस्था भी चकचोबंद रही जिसके चलते शांतिपूर्वक मतदान प्रक्रिया संपन्न की गई।

१२०० में ७८१ लोगों ने किया मतदान

ग्राम वन समिति के निर्वाचन में १२०० मतदाता दर्ज थे जिन्हें चुनाव के लिए मतदान करना था। परंतु निर्धारित समय में अधिकतम ७८१ मतदाताओं के द्वारा मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया गया। जिसमें शाम ५.१५ बजे मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद उपस्थित मतदान अधिकारियों के द्वारा मतगणना कार्य प्रारंभ किया गया। जिसमें इनेंद्र क्षीरसागर के फ फावड़ा निशान को १६२ मत प्राप्त हुए। इसी प्रकार नीलाजी एड़े के चश्मा निशान को १९४ मत प्राप्त हुए, प्रणय गौरे के बाल्टी निशान को २३९ मत प्राप्त हुए एवं रीसन कटरे के गिलास निशान को १७१ मत प्राप्त हुए वहीं १५ मत रिजेक्ट किए गए। इस प्रकार प्रणय गौरे ने अपने करीबी प्रतिद्वंदी नीलाजी एड़े को ४५ मतों से हराकर अध्यक्ष पद पर विजय हासिल की। यह निर्वाचन काफी रोमांचक रहा क्योंकि मतदाता अधिक थे और लंबे समय तक मतदान चला।

शांति पूर्ण संपन्न किया गया निर्वाचन -दिलीप उके

डिप्टी रेंजर दिलीप उके ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि ग्राम वन समिति टेकाड़ीघाट का निर्वाचन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें दर्ज १२०० मतदाता में से ७८१ मतदाताओं ने मतदान किया। यह प्रक्रिया सुबह ९ बजे से प्रारंभ की गई थी मतदान ५.१५ तक चला। इस प्रक्रिया में चार प्रत्याशी ने भाग लिया था जिनके नाम पर मतदाताओं ने मतदान किया। मतगणना में ४५ मतों के साथ प्रणय गोरे बाल्टी छाप से विजयी हुए। इसके बाद पंचायत को यह जानकारी दे दी गई है यह चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

इनका रहा सराहनीय योगदान

टेकाडीघाट वन समिति अध्यक्ष के चुनाव को शांति पूर्वक संपन्न करवाने में खैरलाँजी रेंजर दीपचंद वासनिक के मार्गदर्शन में डिप्टी रेंजर दिलीप उके ,वनपाल विजय सिंह कुशवाहा, राकेश कुमार साहू,वनरक्षक धनराज लिल्हारे ,सुनील गौतम, मनीष पटले ,मनोज सेलोकर, सुमित मेश्राम, स्थाई कर्मचारी घनश्याम पटले का सराहनीय योगदान रहा।

विधायक पटेल ने एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के साथ रेल्वे ओवर ब्रिज का किया निरीक्षण

अतिक्रमण की जद में आ रहें मकान मालिकों को जल्द तोड़ने का दिया अंतिम आदेश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विधायक विवेक पटेल ने सोमवार को एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के साथ वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर स्थित ग्राम वारा में बन रहें रेल्वे ओवर ब्रिज का निरिक्षण किया । और कच्छ गति सें चल रहें निर्माण कार्य को देख संबधित ठेकेदार को समय के पूर्व रेल्वे ओवर ब्रिज जल्द पूरा करने विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित किया की आवागमन में राहगीरों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा हो जायें।इस दौरान एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, तहसीलदार वंदना कुशरामख्‌नगर पालिका सीएमओ सूर्यप्रकाश उके, एसडीओ अर्जुन सनोडिया, सब इंजीनियर राकेश कुंभरे,पटवारी शिवा पटले,एसआई सुरेन्द्र उके,गुड्डु सोनी,राजा अली मौजूद रहे। वारासिवनी.बालाघाट मार्ग स्थित वारा के समीप बन रहें रेल्वे ओवर ब्रिज का निर्माण वैनगंगा कंट्रक्शन कंपनी बालाघाट के द्वारा किया जा रहा है।इस पुल की लंबाई ४५८ मीटर है जिसका निर्माण कार्य २३ मार्च २०२४ को शुरू किया गया था और अक्टूबर २०२५ तक पूर्ण करना है।मगर रेल्वे के कारण इस कार्य में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जिसके चलते यह पुल अब २०२६ बारिश के पूर्व बनकर तैयार हो जायेगा। वहीं रेल्वे के दोनों ओर लगभग ४०से ५०मकान अतिक्रमण की चपेट में आ रहें है। जिन्हे रेल्वे के द्वारा भुगतान भी हो चुका है कुछ अतिक्रमणकारी स्वयं अपना मकान नहीं तोड़ रहें थे। जिसके बाद एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने मौके पर पहुँचे जल्द स्वयं तोड़ने का आदेश दिया। विधायक विवेक पटेल ने कहा की अब बच्चों के स्कूल प्रारंभ हो चुके है वहीं अब बारिश भी रुक रुककर समय समय हो रही है। कोई हादसा ना हो इसके पूर्व पुल के एक ओर ऐप्रोज रोड़ नहीं बनाई गई है जिससे भविष्य में कोई जनहानि ना हो। वहीं एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने कहा की रेल्वे पुल के दोनो ओर सर्विस रोड़ में जितने मकान अतिक्रमण की जद में आ रहे है।हमने उन्हें उनके घर पहुँचकर अंतिम चेतावनी दे दी है कि वह स्वयं अपना अतिक्रमण हटा ले। अगर वे लोग स्वयं नहीं हटाते तो फिर हमें बलपूर्वक अतिक्रमण हटाना पड़ेगा।लगभग ४० से ५० की संख्या में मकान अतिक्रमण की चपेट में आ रहे है। जिन्हे मुआवजा भी मिल चुका हैं रेल्वे ब्रिज की एक और एप्रोच रोड़ बनकर तैयार हो गई है। वहीं दूसरी ओर का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है ,जो बहुत जल्द बनाकर तैयार हो जाएगा। रेल्वे के बीच के हिस्से का निर्माण के लिए हमारे द्वारा कलेक्टर को पत्र लिख दिया गया है दिसंबर माह तक लगभग यह कार्य पूर्ण हो जाएगा।

सिविल लाईन गणेश उत्सव समिति के तत्वाधान में आर्केष्ट्रा वीनस का रंगारंग कार्यक्रम आज

देश की प्रसिध्द गायिका सौम्या शर्मा देंगी प्रस्तूती

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नं. १५ सिविल लाईन गणेश उत्सव समिति के तत्वाधान में आज आर्केष्ट्रा वीनस का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।सिविल लाईन गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष शलभसिंह बैस ने बताया कि सिविल लाईन गणेशोत्सव समिति बप्पा का १० दिवसीय महापर्व प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मनाया जा रहा है। समिति के द्वारा लगातार ४७ वर्षो से गणेश उत्सव धूमधाम से मनाते आ रहे ।इस वर्ष पंडाल को केरल के आदियोगी थीम के माध्यम में सजाया गया है। जहां पर विराजित प्रतिमा को देखने नगर सहित ग्रामीण अंचल के भी भक्तगण बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे है। इस दौरान प्रतिमा के आसपास ढोल नगाड़े त्रिशूल और पीछे आदि योगी यानि भगवान शिव की विशाल प्रतिमा है। तो वहीं गेट पर भी आदि योगी की झांकी बनी हुई है वहीं बीच में नंदी भगवान आकर्षण का केंद्र है। जहां प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गणेश उत्सव को भव्य बनाने का प्रयास किया गया है। श्री बैस ने बताया कि २ सितंबर क शाम ८ बजे से आर्केस्ट्रा वीनस का संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया गया है । कार्यक्रम में नये पुराने फि ल्मी गीतों के साथ मशहूर डांसर एवं गायक शामिल होंगे । कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, क्षेत्रिय विधायक विवेक पटेल, राजपूत क्षत्रिय महासभा जिलाध्यक्ष संजय सिंह कछवाह, भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष संदीप मिश्रा एवं प्रदेश कार्यकारणी सदस्य भाजपा यूवा मोर्चा सौरभ पटेल उपस्थित होंगे । देश की प्रसिध्द गायिका जो स्टार प्लस सिंगिंग रियलिटी शो दिल है हिंदुस्तानी २ की रनर अप का खिताब अपने नाम जीता ।जी टी वी सारेगामापा लिटिल चैम्प में भी सौम्या शर्मा ने टॉप ९ में अपनी जगह बनाई है वहीं दिल्ली दूरदर्शन डीडी १ के शो मेरी आवाज़ सुनो में सौम्या शर्मा ने विजेता का खिताब जीता। छोटी सी उम्र में सौम्या ने मध्यप्रदेश टेलेंट शो टेलेंट का महाकुंभ में अपनी आवाज़ का जादू बिखेरते हुए वॉइस ऑफ मध्यप्रदेश का खिताब अपने नाम किया। राष्ट्रीय स्तर, प्रदेश स्तर और जिला स्तरीय कई प्रतियोगिताओं में सौम्या शर्मा ने भाग लेते हुए कई खिताब और ट्राफियां जीती हैं। कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील समिति अध्यक्ष शलभ बैस, अरमान खान सहित समिति के सभी सदस्यों ने की है।

जल प्रलय के सन्देश?

भारत के पंजाब राज्य को सबसे उपजाऊ धरती के राज्यों में सर्वोपरि गिना जाता है। इसका मुख्य कारण यही है कि यह राज्य खेती के लिये सबसे जरूरी समझे जाने वाले कारक यानी पानी के लिये सबसे धनी राज्य है। सिंधु नदी की पांच सहायक नदियाँ सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम इसी पंजाब राज्य से होकर बहती हैं। इन पांचों नदियों में केवल व्यास ही एक ऐसी नदी है जो केवल भारत में बहती है शेष सतलुज, रावी, चिनाब और झेलम नदियाँ भारत से होते हुये पाकिस्तान में भीप्रवाहित होती हैं। यही नदियां जो पंजाब को उपजाऊ भूमि बनाने और यहाँ की संस्कृति का आधार समझी जाती हैं इन दिनों यही नदियां भारत से लेकर पाकिस्तान तक जल प्रलय का कारण बनी हुई हैं। इन नदियों के उफान पर होने का कारण जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार होने वाली तेज बारिश यहाँ तक कि अनेक स्थानों पर बादल फटने जैसी घटनाओं को माना जा रहा है। दरअसल पिछले कुछ दिनों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के जलागम क्षेत्रों में असामान्य रूप से भारी बारिश हुई। कई किले तो ऐसे भी थे जहाँ केवल एक ही दिन में पूरे एक महीने की बारिश दर्ज की गई। जैसे केवल अमृतसर और गुरदासपुर में 150-200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हुई। इससे शहरी जलनिकासी प्रणाली पूरी तरह फेल हो गयी। दुर्भाग्यवश हमारे देश के अधिकांश राज्यों में बरसाती जल निकासी प्रणाली प्राय: फेल ही रहती है। भ्रष्टाचारयुक्त निर्माण से लेकर सरकारी अम्लों की अकर्मण्यता व गैर जिम्मेदार जनता द्वारा नाले नालियों में अवांछित वस्तुओं की डम्पिंग यहाँ तक कि मरे जानवर से लेकर रजाई गद्दे बोतलें प्लास्टक पॉलीथिन आदि सब कुछ नालों व नालियों में फेक देने जैसी गैर जिम्मेदाराना प्रवृति, जल निकासी प्रणाली के फेल होने में सबसे अहम भूमिका निभाती है। एक ओर तो भारी बारिश व जलभराव उसके बाद भारत के सबसे विशाल भाखड़ा नंगल डैम, पोंग डैम रणजीत सागर डैम व शाहपुर कंडी जैसे डैम्स से अतिरिक्त पानी का छोड़ा जाना भी पंजाब की बड़े हिस्से की तबाही का कारण बन गया। इन डैम्स से पानी छोड़ना भी इसलिये जरूरी हो गया था क्योंकि इनमें इनकी क्षमता से अधिक जलभराव हो गया था। उदाहरण के तौर पर भाखड़ा डैम का जल स्तर 1,671 फीट तक पहुँच गया था तो पोंग डैम का जलस्तर भी अधिकतम से ऊपर चला गया था। इसी के परिणाम स्वरूप राज्य की सतलुज, ब्यास और रावी नदियाँ उफान पर आ गईं थीं। भारत से पानी छोड़ने के कारण ही पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में भी बाढ़ आई, जहाँ रावी, सतलुज और चेनाब नदियाँ प्रभावित हुईं। इस स्थिति के मद्देनजर भारत ने पहले ही मानवीय आधार पर पाकिस्तान को तीन चेतावनियाँ जारी कर दी थीं। भारतीय पंजाब के जो जिले इस भीषण जल प्रलय में प्रभावित हुये उनमें गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, अमृतसर, तरन तारन, फिरोजपुर व फजिल्का के नाम खासतौर पर उल्लेखनीय हैं जबकि लुधियाना और जालंधर में भी बाढ़ का प्रभाव देखने को मिला। दर्जनों पुल टूट गये,सैकड़ों पशु बह गये अनेक वाहन तेज बहाव में समा गये। लाखों एकड़ फसल तबाह हो गयी ,तमाम मकान बह गये या क्षतिग्रस्त हो गये। दर्जनों जगह से हाईवे व मुख्य मार्ग बंद हो गये। और इस प्रलयकारी हालात से जूझने में कई जगह पंजाब का वह किसान स्वयं को असहाय महसूस करता दिखाई दिया जो हमेशा पूरी हिम्मत व हौसले के साथ दूसरों की सेवा सत्कार के लिये तत्पर दिखाई देता है। एक अनुमान के अनुसार राज्य के 500 से अधिक गांव डूबे गये इन गांवों में लगभग 6,600 से अधिक लोग फंसे थे। अमृतसर के रामदास क्षेत्र में रावी नदी का धुसी बांध टूट गया, जिससे 40 गांव डूब गए। इसी तरह गुरदासपुर में लगभग 150, कपूरथला में करीब 115, और अमृतसर में लगभग 100 गांव इस प्रलयकारी बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुये। गोया इस बार की बाढ़ ने कृषि-प्रधान पंजाब की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। इस बाढ़ के चलते सैकड़ों घर, 300 से अधिक स्कूल अनेक सड़कें, पुल और बिजली लाइनें आदि क्षतिग्रस्त हो गयीं । अमृतसर में गुरुद्वारा बाबा बुढ़ा साहिब डूब गया। कई जगह रेल यातायात बाधित हुआ अनेक ट्रेन्स कैंसिल कर दी गयीं। हाईवे टूटने व क्षतिग्रस्त होने के चलते 1,000 से अधिक सड़कें बंद कर गयीं । अकेले वैष्णो देवी में बारिश के चलते हुये भूस्खलन से 30 से अधिक मौतें होने की खबर है।

भारत की शक्ति और वैश्विक परिदृश्य-लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स की ताक़त है

वैश्विक स्तरपर भारत आज केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है,बल्कि यह विश्व के लिए आशा,स्थिरता और अवसरों का केंद्र बन चुका है। भारत आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसे केवल एक राष्ट्र की उपलब्धि कहना कम होगा।यह 21वीं सदी के उस नए युग की शुरुआत है यह स्वतंत्रता के 75 से अधिक वर्षों की यात्रा में भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि, लोकतंत्र केवल एक शासन पद्धति नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आत्मा है। इसके साथ ही,भारत की जनसांख्यिकी और विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स ने उसे ऐसे मुकाम पर ला खड़ा किया है, जहां से वह न केवल अपने नागरिकों के भविष्य को संवार सकता है,बल्कि पूरे विश्व के विकास की दिशा भी तय कर सकता है।यह लेख तीन मुख्यस्तंभों, लोकतंत्र की शक्ति, जनसांख्यिकीय लाभ और स्किल्ड वर्कफोर्स की क्षमता पर आधारित है, जिनकी वजह से भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच हर रिश्ते को विन-विन सिचुएशन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम भारत की पहली सबसे बड़ी ताकत की करें तो,भारत दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।1950 में संविधान लागू होने के बाद से आज तक भारत ने चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन, नीति निर्माण और नागरिक अधिकारों को जिस मजबूती से कायम रखा है, वह विश्व के लिए उदाहरण है। लोकतंत्र का अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक भागीदारी, न्याय व्यवस्था की स्वतंत्रता और पारदर्शी शासन की नींव पर खड़ा है। विविधता में एकता इसका सबसे बड़ा परिचायक है, जहां 22 आधिकारिक भाषाएँ, हजारों बोलियाँ, सैकड़ों धर्म-संप्रदाय और अलग-अलग संस्कृतियाँ होने के बावजूद लोग लोकतांत्रिक रूप से एकजुट रहते हैं। भारत का लोकतंत्र वैश्विक कंपनियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है क्योंकि वे जानती हैं कि यहां नीतियाँ पारदर्शी हैं, कानून का शासन है और निवेशकों के हितों की रक्षा की जाती है।दुनिया के कई हिस्सों में अधिनायकवाद और राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिलती है। अफ्रीकी और एशियाई देशों में सत्ता परिवर्तन अक्सर हिंसा और अराजकता का कारण बनते हैं।इसके विपरीत भारत ने अपने लोकतांत्रिक ढांचे से स्थिरता का माहौल तैयार किया है। यही कारण है कि विश्व की बड़ी कंपनियाँ भारत को सेफ़ हैवन के रूप में देखती हैं। चीन या रूस जैसे देशों में निवेश करने पर राजनीतिक जोखिम अधिक होता है, जबकि भारत में लोकतंत्र यह सुनिश्चित करता है कि नीतियाँ स्थिर रहें और निवेश सुरक्षित रहे। यह लोकतंत्र की वही शक्ति है जो भारत को अलग पहचान दिलाती है।

साथियों बात अगर हम भारत की दूसरी सबसे बड़ी ताक़त की करें तो वह है उसकी जनसांख्यिकी।वर्तमान समय में भारत की आबादी लगभग 1.43 अरब है और इसमें से 65 पेर्सेंट से अधिक लोग 35 वर्ष से कम आयु वर्ग में आते हैं। यह स्थिति भारत को दुनियाँ की सबसे युवा आबादी वाला देश बनाती है। युवा आबादी किसी भी राष्ट्र के लिए ऊर्जा, नवाचार और विकास का प्रतीक होती है। जब यूरोप और जापान जैसे विकसित देश बूढ़ी होती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं, तब भारत के पास एक ऐसा डेमोग्राफिक एडवांटेज है जो उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का इंजन बना सकता है।भारत की युवा पीढ़ी तकनीक अपनाने में सबसे आगे है। वे न केवल नई तकनीकों को अपनाते हैं बल्कि स्टार्टअप्स और उद्यमिता की ओर भी बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है।मेक इन इंडिया,स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाएँ इसी युवा ऊर्जा का परिणाम हैं। यह डेमोग्राफिक डिविडेंड भारत को न केवल घरेलू विकास की दिशा में मजबूत बना रहा है बल्कि विश्व के लिए भी अवसर पैदा कर रहा है।भारत की यह जनसांख्यिकी वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। भारत हर साल लाखों इंजीनियर, डॉक्टर और मैनेजमेंट प्रोफेशनल तैयार करता है। यह वर्कफोर्स पूरी दुनिया की ज़रूरतें पूरी करता है। भारतीय पेशेवर आज अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और अफ्रीका तक अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। यह युवा आबादी उपभोक्ता बाजार के रूप में भी बेहद आकर्षक है। युवा वर्ग नई तकनीकों, डिजिटल सेवाओं और उपभोक्ता उत्पादों का सबसे बड़ा खरीदार है। यही कारण है कि वैश्विक कंपनियाँ भारत को भविष्य का सबसे बड़ा बाजार मानती हैं।

साथियों बात अगर हम भारत की तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण शक्ति की करें तो वह है उसका विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स। भारत के पास आज दुनिया का सबसे बड़ा स्किल्ड ह्यूमन रिसोर्स पूल है।आईटी, हेल्थकेयर, इंजीनियरिंग, रिसर्च, शिक्षा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में भारतीयों ने अपनी प्रतिभा से पूरी दुनिया में पहचान बनाई है। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर वैश्विक आईटी हब के रूप में उभर चुके हैं। भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स अमेरिकी सिलिकॉन वैली की कंपनियों के लिए रीढ़ की हड्डी बन चुके हैं। हेल्थकेयर के क्षेत्र में भारतीय डॉक्टर और नर्स पूरी दुनिया में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान यह साफ दिखाई दिया कि भारतीय मेडिकल प्रोफेशनल्स की क्षमता कितनी विशाल है।मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया अभियान ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है और भारत में उत्पादन का माहौल तैयार किया है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी दुनिया में तीसरे स्थान पर है, जिसने लाखों रोजगार पैदा किए हैं। यह स्किल्ड वर्कफोर्स केवल भारत की अर्थव्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार और विकास के लिए भी अहम है।

साथियों बातें कर हम इन तीनों कारकों,लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स,का संगम भारत को विश्व की बड़ी कंपनियों और सरकारों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने की करें तो, जब कंपनियाँ भारत में निवेश करती हैं तो उन्हें स्थिर राजनीतिक माहौल, विशाल उपभोक्ता आधार और प्रतिभाशाली मानव संसाधन तीनों एक साथ मिलते हैं। यही कारण है कि एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न और टेस्ला जैसी कंपनियाँ भारत को भविष्य का हब मान रही हैं।भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। यह संबंध वास्तव में परस्पर लाभकारी है। भारत को रोजगार, तकनीक और निवेश मिलता है,जबकि कंपनियों को लागत में कमी, स्थिर वातावरण और विशाल बाजार तक पहुंच मिलती है। इस प्रकार यह रिश्ता विन-विन सिचुएशन का प्रतीक बन जाता है।हालांकि भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। शिक्षा और कौशल मेंअसमानता, आधारभूत ढाँचे की कमी, गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याएँ अभी भी मौजूद हैं। लेकिन भारत सरकार स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, गति शक्ति योजना और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों से इन चुनौतियों को अवसरों में बदलने का प्रयास कर रही है। यदि ये प्रयास सफल होते हैं तो भारत अपनी जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स का पूरा लाभ उठा सकेगा।

अंतत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह स्पष्ट है कि भारत की शक्ति तीन स्तंभों पर आधारित है,लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स। ये तीनों मिलकर भारत को न केवल विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना रहे हैं, बल्कि इसे एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार भी बना रहे हैं। भारत का विकास मॉडल शून्य-योग नहीं है, बल्कि यह पूरे विश्व के लिए अवसर पैदा करता है। आने वाले दशकों में जब दुनिया नए संकटों और अवसरों से गुज़रेगी, तब भारत अपनी लोकतांत्रिक ताक़त, युवा ऊर्जा और स्किल्ड वर्कफोर्स के दम पर पूरे विश्व के लिए आशा और सहयोग का केंद्र बना रहेगा। यही भारत की असली पहचान है-एक ऐसा राष्ट्र जो अपने विकास के साथ-साथ पूरे विश्व की प्रगति में योगदान देता है और हर वैश्विक साझेदारी को वास्तविक विन-विन बनाता है।

-एडवोकेट किशन भावनानी

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

युद्ध में पेड़ पौधे की भूमिका

प्रथम विश्व युद्ध के समय से ही प्रसिद्ध छलावरण तकनीकें द्वितीय विश्व युद्ध में और भी महत्वपूर्ण हो गईं। और सभी शक्तिशाली देशों ने इन विधियों का उपयोग करना शुरू कर दिया। इसका मुख्य कारण अपने महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को अत्यधिक हवाई हमलों से बचाना और हवाई अड्डों का निर्माण करना था। सैन्य उपकरणों, मोटर वाहनों, स्वचालित टैंकों और बड़ी तोपों को तारों से बने पर्दों से ढक दिया जाता था ताकि वे वायुमंडल में छिप सकें और जहाँ तोपों, मशीनों और वाहनों को ढकना संभव न हो, वहाँ उन्हें काले, भूरे, हरे रंग से धब्बेदार और तिरछी आकृतियाँ बना दी जाती थीं ताकि हवाई सर्वेक्षण के दौरान आकृति खंडित ज्यामिति के रूप में दिखाई दे और भ्रम पैदा करके वास्तविक वस्तु को पहचानने से बचाया जा सके। इस प्रकार छलावरण का प्रयोग युद्धों में एक प्रभावी तकनीक बन गया और विजय समारोह में इसने अपनी भूमिका स्थापित कर ली। दक्षिण अफ्रीका में 1899-1902 तक हुए युद्ध के दौरान ब्रिटिश सैनिक खाकी रंग की वर्दी पहनकर शत्रु से छिपते थे, क्योंकि यह पृष्ठभूमि से मेल खाती थी। परिणामस्वरूप, विश्व के सभी सैनिक खाकी रंग की वर्दी पहनते थे। आज भी सैनिक अपनी वर्दी का रंग प्राकृतिक वातावरण से मेल खाने लगे हैं, ताकि वे शत्रुओं की पैनी खोजी निगाहों से बच सकें। पिछले दशक में ईरान और इराक के बीच हुए युद्ध में कई आधुनिक छलावरण तकनीकों का इस्तेमाल किया गया था, जिनसे हम भली-भांति परिचित हैं। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से हुए सभी युद्धों में छलावरण तकनीक और तकनीकों का सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया है। लेकिन वर्तमान में छलावरण तकनीक में अभूतपूर्व विकास हुआ है। पहले के युद्धों में पारंपरिक तकनीकों का प्रयोग इसलिए शामिल था क्योंकि सुदूर संवेदन, नैनो तकनीक और नैनो पदार्थों तथा स्टील्थ अनुप्रयोगों के साथ-साथ आधुनिक डिटेक्टर मौजूद नहीं थे और परिणामस्वरूप छलावरण विशेषताओं की पहचान करना आसान नहीं था। आजकल युद्ध में छलावरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।जो पे? पौधे में लुक कर प्रकृति में छलावरण के सहारे गोरिल्ला युद्ध की जा रही है। चाहे वह प्राणी जगत हो या कीड़ों का संसार या महासागरों के विशाल जलीय जीव, सभी प्राणियों को अपने अस्तित्व के लिए शिकार से बचने हेतु छलावरण का सहारा लेना पड़ता है। यदि हम अपने परिवेश पर नज़र डालें, तो ऐसे अनेक प्राणी हैं जिनका रंग, रूप, आकृति, रूप और प्रकार विशेष आकर्षण का केंद्र होते हैं, जैसे जंगली जानवर ज़ेबरा, तेंदुआ, विभिन्न प्रकार के पक्षी, गिरगिट, मेंढक और साँप आदि। प्राचीन काल से ही गुरिल्ला और छापामार सैनिक युद्ध में शत्रु को धोखा देने के लिए छलावरण का प्रयोग करते रहे हैं। प्राचीन ट्रोजन युद्ध में प्रयुक्त लकड़ी का ट्रॉय घोड़ा, लकड़ी के घोड़े की छाया को एक स्थान पर रखकर दस वर्षों तक अपनी रक्षा कर सकता था। चंगेज खान के मंगोल सैनिक अपनी टोपियों पर पेड़ों की पत्तियाँ और शाखाएँ रखकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास करते थे और इस प्रकार प्राकृतिक सुरक्षा में छिपकर अपने शत्रुओं से युद्ध करते थे। छलावरण (कैमोफ्लेज) फ्रांसीसी शब्द कैमोफ्लेज से लिया गया है जिसका शाब्दिक अर्थ है सामने वाले व्यक्ति (शत्रु) पर धुआँ फेंकना, आँखों में धूल झोंकना या धोखा देना। छलावरण एक गुप्त कला है जिसके द्वारा हमारी सेनाओं, हथियारों और अन्य सामग्रियों को इस प्रकार छिपाकर रखा जाता है कि शत्रु की गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखते हुए भी शत्रु भ्रमित हो जाए। इस प्रकार, भ्रमित शत्रु हमारे सैन्य बल और हथियारों पर आक्रमण करने के बजाय, कृत्रिम हवाई अड्डों, बैरकों, आयुध कारखानों, सैन्य उपकरणों और अन्य छद्म लक्ष्यों पर आक्रमण करता है और उनके हथियारों और उपकरणों को व्यर्थ ही नष्ट कर देता है। इस प्रकार, छलावरण विज्ञान शत्रु का मनोबल तोड़कर उसे हतोत्साहित करने में सफल सिद्ध हुआ है। इस शताब्दी में भी सैनिक व्यक्तिगत और वाहन छलावरण में इस पद्धति का प्रयोग करते हैं। जनरल वाशिंगटन दुश्मन को धोखा देने में इतने निपुण थे कि वे रात में तंबुओं में आग लगाकर अपनी सेना के साथ छिप जाते थे। वे इसलिए चले जाते थे ताकि दुश्मन को उस खास जगह पर उनकी मौजूदगी का भ्रम हो। 20वीं सदी तक, जब मानव दृष्टि ही एकमात्र संवेदक थी, छलावरण सैन्य बलों और उनके हथियारों तक ही सीमित था। संवेदक तकनीक के तेज़ी से विकास ने छलावरण की एक नई परिभाषा गढ़ दी है। आधुनिक परिभाषा में, छलावरण वह तकनीक है जो बहु-स्पेक्ट्रम तरंगदैर्घ्य में काम करने वाले डिटेक्टरों द्वारा सैन्य लक्ष्यों का पता लगाने में देरी या पूर्ण अज्ञानता प्रदान करती है। इसमें ध्वनिक, चुंबकीय, बहु-स्पेक्ट्रम छलावरण, कम दृश्यता, निवारक, हस्ताक्षर प्रबंधन, गुप्त तकनीक, नैनोमटेरियल आदि जैसी कुछ तकनीकें शामिल हैं। इसी के अनुरूप, छलावरण विज्ञान के अंतर्गत नए सेंसर और संसूचन तकनीकें भी साथ-साथ विकसित की गई हैं। आज के बदलते परिवेश ने छलावरण विज्ञान के समक्ष कई चुनौतियाँ प्रस्तुत की हैं। इस संदर्भ में सुदूर संवेदन और भू-स्थापित उपकरणों की भूमिका और भी अधिक बढ़ गई है। सुदूर संवेदन में उपयोगिता की दृष्टि से,विशाल बहु-स्पेक्ट्रल डेटा का संपूर्ण विश्लेषण आवश्यक है।

-संजय गोस्वामी

न्याय होता हुआ दिखेः तारीख़ पर तारीख़ की संस्कृति बदले

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 75 वर्ष का गरिमामय सफर पूरा किया है। यह केवल एक ऐतिहासिक पढ़ाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को परखने का अवसर भी है। न्यायपालिका ने इन आठ दशकों में अनेक युगांतरकारी फैसले दिये, जिन्होंने संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। किंतु आज सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब 'तारीख़ पर तारीख़' की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है। जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करो? देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मजबूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, गरीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ कमजोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और कानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीजों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है।

इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों बढ़ोतरी से पूरा समाज हिला हुआ है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है। यही कारण है कि अब न केवल कठोर कानून बल्कि त्वरित और निष्पक्ष न्याय की मांग बलवती हो रही है। आज न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती है-न्याय में विलंब। जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक करोड़ों मामले लंबित हैं। केवल जिला अदालतों में ही साढ़े चार करोड़ से अधिक मामले अटके पड़े हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती है, क्योंकि न्याय में विलंब, न्याय के इनकार के समान है।

दरअसल, लंबित मामलों के पीछे कई कारण हैं-न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या, अदालती प्रक्रियाओं की जटिलता, अनावश्यक स्थगन, वकीलों द्वारा मुकदमों को खींचना और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही। यही वजह है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है और आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ जिला एवं स्थानीय अदालतें हैं। यदि इन स्तरों पर शीघ्र और सस्ता न्याय नहीं मिलेगा, तो सुप्रीम कोर्ट की उपलब्धियां अधूरी मानी जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर स्वत: संज्ञान लेकर राहत देता रहा है-जैसे हाल ही में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनवाने की पहल। किंतु जिला स्तर पर ऐसी सजगता और सक्रियता नहीं दिखाई देती। इसलिए सुधार की असली शुरुआत निचले स्तर से ही करनी होगी।

भारतीय न्याय प्रणाली की विसंगतियां और सुधार की राह जटिल है, लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प एवं कार्ययोजना के साथ आगे बढ़े तो आजादी के अमृतकाल में हम न्याय प्रणाली को युगांतरकारी मोड़ दे सकते हैं। देश में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। तत्काल नियुक्तियों और प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। ई-कोर्ट, ऑनलाइन सुनवाई, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे कदम न्याय प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। अनावश्यक स्थगन पर अंकुश जरूरी है। क्योंकि स्थगन देने की परंपरा अपराधियों और वकीलों के लिये हथियार बन चुकी है। इस पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है। पुलिस व जांच एजेंसियों को दायित्वशील एवं जिम्मेदार बनाना होगा। क्योंकि पुख्ता सबूतों और चार्जशीट समय पर दाखिल करने से ही मामलों में शीघ्र निर्णय संभव है। अदालतों के साथ-साथ वकीलों और पुलिस पर भी जवाबदेही तय करनी होगी। महिलाओं, बच्चों और संवेदनशील मामलों के लिये विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों को और मजबूती देनी होगी।

न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा। अमेरिका जैसे देशों में किसी भी मामले के लिए अधिकतम अवधि तीन वर्ष तय है, जबकि भारत में 20-30 वर्षों तक मुकदमे चलते रहना आम बात है। इस विसंगति को दूर करने के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की सीमा तय की जानी चाहिए। हाल ही में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी की उम्मीद है। यदि इन कानूनों का सही क्रियान्वयन हो, तो 'तारीख पर तारीख' की संस्कृति पर अंकुश लग सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय का 75 वर्ष का यह सफर लोकतंत्र के इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। इस अवधि में आपातकाल जैसे संकटों से लेकर सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिलाओं के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक अनेक क्षेत्रों में इसने ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। किंतु आने वाले 25 वर्षों में न्यायपालिका की असली परीक्षा इस बात पर होगी कि वह न्याय को त्वरित, सुलभ और सर्वसुलभ बना पाती है या नहीं? न्यायपालिका आज भी आम नागरिक के लिये अंतिम आशा की किरण है। परंतु इस भरोसे को जीवित रखने के लिए उसे अपनी कमजोरियों को दूर कर एक नए युग की शुरुआत करनी होगी-जहाँ न्याय केवल होता हुआ न रहे, बल्कि दिखता हुआ भी हो। यही सर्वोच्च न्यायालय की 75 साल की यात्रा का वास्तविक उत्सव और सार्थक स्मरण होगा।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली के अभाव में सोमवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। उड़द-मूंग में बाजार सुस्ती पर रहे। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन 4550 रू. प्रति क्विंटल पर टिका रहा। किराना जिंसों में भाव बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में ऊपरी स्तरों पर मुनाफा वसूली से बाजार मंदी के रहे। चना टूटकर 6100 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। उड़द-मूंग में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 4550 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। उधर, किराना जिंसों में कामकाज विशेष का अभाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4260, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3700, (160) 4000-4100, (200) 4500-4700, (250) 4800-4900

तेल- सींगदाना 1360-1370, मुम्बई 1385-1390, राजकोट तेलिया 2165-2170, सोया साल्वेंट 1160-1170, सोया रिफाइंड 1220-1230, कपास्या 1270-1275, धूलिया 1280, कड़ी 1280,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1320, मुम्बई पाम 1280, मुम्बई सोया 1290,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4550, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100, एवरेज 5500-5600, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6075, एवरेज 5950-6000, मूंग देशी 7600-7700, पाला 7700-7800, चमकी 7800-7900, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 125500, चॉंदी (99) 125000, टंच 124500, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 106800,

रुपया गिरावट पर बंद हुआ

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.20 पर बंद हुआ। आज विदेशी पूंजी की लगातार निकासी की वजह से निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर पड़ा है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 17 पैसे टूटकर 88.26 के स्तर पर आ गया। अब तक का सबसे निचला स्तर पिछले सप्ताह शक्रवार को रहा जब रुपया 88 का स्तर पार करते हुए 88.09 पर बंद हुआ था। वहीं, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 97.70 पर रहा।

आज का राशिफल

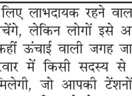

मेष- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोगों इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपको कहीं ऊंचाई वाली जगह जाने से बचना होगा। आपको अपने परिवार में किसी सदस्य से कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिलेगी, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगी। आपको किसी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

वृषभ- आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको कुछ नया करने में पूरी मदद मिलेगी। आप दूसरों की बातों में आकर कोई इन्वेस्टमेंट करने से बचें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। किसी दूर रह रहे परिजन की मदद करने का मौका मिले, तो जरूर करें। आपको राजनीति में भी थोड़ा सोच समझकर ही कदम बढ़ना होगा। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन होने से खुशियां भरपूर रहेंगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए आध्यात्म के कार्यों में जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। परिवार का आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। आप किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं। सामाजिक कामों को आप समय से ही निपटा लें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत होगी। कानूनी मामलों में आपको किसी अच्छे वकील को हायर करना पड़ सकता है, तभी वह निपटेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कठिनाइयों से भरा रहने वाला है। आपको अपने कामों में मेहनत पर भरोसा रखना होगा। आप किसी दूसरे पर काम को लेकर डिपेंड ना रहें। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय के लिए आपको पछतावा होगा। आप छोटे बच्चों के लिए कुछ खाने-पीने की चीजे लेकर आ सकते हैं। आपको जीवनसाथी को प्रमोशन मिलने से खुशियां भरपूर रहेगी। आपकी अपने किसी पुराने साथी से मुलाकात हो सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मान सम्मान में वृद्धि लेकर आएगा। गृहस्थ जीवन में चल रही समस्याओं को आप दूर करने की कोशिश करेंगे। आप को अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है, लेकिन आप अपने आसपास रह रहे लोगों से काम को लेकर कोई मदद ले सकते हैं। आपका कोई नुकसान होने से आपका मन परेशान रहेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से काम लेने के लिए रहेगा। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। कोई कानूनी मामला आपके लिए टेंशन बनेगा, जिसे आप मिल-बैठकर दूर करने की कोशिश करें और जल्दबाजी में वाहन न चलाएं, नहीं तो कोई दुर्घटना होने की संभावना है। भाई और बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। बिजनेस में भी आप अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर अनुभवी व्यक्ति से बातचीत कर सकते हैं। आपको जल्दबाजी में कामों को करने से बचना होगा, नहीं तो कोई गड़बड़ी अवश्य होगी और आप लोगों को पहचान कर ही कोई काम करें, नहीं तो लोग आपको धोखा देने की कोशिश कर सकते हैं। आप अपने लिए कुछ नए कपड़े, मोबाइल आदि की खरीदारी कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने के लिए रहेगा, क्योंकि आप किसी काम को लेकर दूसरों पर डिपेंड न रहें, जो बाद में आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी और आप उननी मदद के लिए आगे आएंगे, जो विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई को लेकर परेशान थे, तो उनकी समस्याएं उनके किसी सीनियर की मदद से दूर होती दिख रही है।

धनु- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की जान पहचान बढ़ेंगी। आप अपने काम को लेकर थोड़ा जल्दबाजी दिखाएंगे। जीवनसाथी की सेहत पर आपको थोड़ा ध्यान देना होगा, क्योंकि उनकी कोई पुरानी बीमारी उभर सकती है। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति यदि आपसे धन उधार मांगे, तो आप बहुत ही सोच विचारकर करें, जिसे पूरा करने में आपको समस्या आएगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए आर्थिक मामलों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। दोस्तों के साथ आपकी खूब पटेगी। आपको एक साथ काफी काम हाथ लगने से व्याकाग्रता बढ़ेगी। यदि आपका धन कहीं डूबा हुआ था, तो उसके लिए आपको मिलने की पूरी संभावना है। आप अपनी किसी नए काम की शुरुआत करने की योजना बना सकते हैं। विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। रचनात्मक कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। यदि आपकी कोई प्रिय और मूल्यवान वस्तु खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आप किसी अजनबी की बातों में ना आए।

मीन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की आपको याद सता सकती हैं। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। सामाजिक कामों में आपको अच्छी सफलता मिलेगी और आपके साख और सम्मान में वृद्धि होगी। जीवनसाथी आपके लिए कोई सरप्राइज गिफ्ट प्लान कर सकते हैं।

शब्दजाल - 8008

शब्द जाल में 10 अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ग्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्री	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	र	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	न्नी
अ	मि	ता	भ	ल	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

शाहरुख खान, सलमान, ऋतिक, विवेक ओबेरॉय, सन्नी देओल, जॉन अब्राहम, अजय देवगन, अमिताभ, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ

शब्दजाल - 8007 का हल

[illegible]										
दो	मु	सा	फि	र	छ	सौ	ख़ू	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	न	दा	र	द
अं	खि	यों	के	झ	रो	खे	से	न	रु	थो
त	ड़	पा	ब	द	ल	ते	रि	श्ते	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.49 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	09.00 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.14 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.30 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.36 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.22 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.55 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.25 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.05 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मिथुन	00.04 बजे से
		कर्क	02.17 बजे से
		सिंह	04.33 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 245 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 03.53 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 21.51 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 16.39 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 15.23 बजे तदनन्तर गर 03.53 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 9.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872455
जूलियन दिन 2460920.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 09
विशेष गौरी विसर्जन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सच्ची मानवता

एक बार लालबहादुर शास्त्री ने बिहार के कुछ लोगों को प्रधानमंत्री निवास पर मिलने का समय दिया। संयोग से उसी दिन एक विदेशी अतिथि के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन हो गया और शास्त्रीजी जी को वहां जाना पड़ा। वहां से लौटने में उन्हें विलंब हो गया। बिहार से आए हुए लोग उनकी प्रतीक्षा में बैठे रहे। काफी समय बीत गया। आखिरकार निराश होकर वे लोग वहां से चल दिए। उनके जाने के कुछ देर बाद ही शास्त्रीजी लौट आए। आते ही उन्होंने अपने सचिव से पूछा, 'बिहार से कुछ लोग मुझसे मिलने आने वाले थे , क्या वे आ चुके हैं ?' सचिव बोला, 'वे आए तो थे लेकिन आपकी प्रतीक्षा करने के बाद अभी - अभी यहां से निकल गए। 'यह सुनकर शास्त्रीजी जी परेशान हो गए। उन्होंने सचिव से पूछा, 'कुछ मालूम है कि वे लोग कहां गए हैं ?' सचिव ने कहा, 'वे कह रहे थे कि सामने के स्टॉप से बस पकड़नी है। 'शास्त्रीजी तुरंत बस - स्टॉप की ओर लपके। यह देखकर सचिव बोला, 'श्रीमान् आप यह क्या कर रहे हैं ? कोई देखेगा तो क्या कहेगा?' इस पर शास्त्री जी बोले, 'कोई यह जानेगा कि प्रधानमंत्री ने अपने निवास पर बुलाकर अपने अतिथियों को वापस लौटा दिया है तो क्या कहेगा?' इस पर सचिव बोला, 'तो ठीक है, मैं उन्हें बस - स्टॉप से बुला लाता हूं । 'शास्त्रीजी बोले, 'नहीं, अब तो मुझे ही जाना पड़ेगा । मुझे विलंब के लिए उनसे क्षमा भी मांगनी है और क्षमा मांगने का इससे अच्छा तरीका और क्या होगा कि मैं खुद बस - स्टॉप पर जाकर उन्हें बुला लाऊं। 'इसके बाद शास्त्रीजी तेजी से बस - स्टॉप पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि वहां पर बिहार से आए उनके अतिथि मुंह लटकाए खड़े थे। शास्त्रीजी ने उनसे क्षमा मांगी और उन्हें वापस ले लाए। अतिथियों में से एक ने कहा, 'दिल्ली में वैसे तो बहुत कुछ देखा, लेकिन हम यह कभी नहीं भूलेंगे कि हमारे प्रधानमंत्री के भीतर सच्ची मानवता है।'

फिल्म वर्ग पहेली- 6952

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेंद्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नहीं' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 6951

बे	व	फा	■	ब	■	प्रे	म	रो	ग
खु	■	य	ल	गा	र	■	हा	■	ब
दी	वा	र	■	व	■	आ	न	बा	न
■	दा	■	श	त	रं	ज	■	जी	■
स	■	श	क्ति	■	ग	■	जं	ग	ली
हे	मा	■	मा	या	■	सा	ग	र	■
ली	■	शा	न	■	का	ज	ल	■	स
■	स	र	■	जु	नू	न	■	फू	ल
शा	न	दा	र	■	न	■	शू	■	मा
■	म	■	वि	द्या	■	ब	ल	वा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7261

★★★✯☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7260 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 8476

बाएँ से दाएँ

1. दैत्य, असुर-3
3. रुकावट, बाधा-4
6. सम्मान-2
7. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
8. मूल, कंद-2
9. सलाह, मशवरा-2
10. मोटा आटा-2
12. सलाह देने वाला-5
14. जलाना-3
17. माला का मोती-3
19. उग्रवाद, हिंसा वाद-5
22. शराब, मदिरा-2
24. दुख, कष्ट-2
25. चेतना, ध्यान-2
27. सालन, रसा-3
28. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
29. राजकुमार (उर्दू-4)
30. अस्तित्व, प्राण तत्व-3

ऊपर से नीचे

1. खैरात, दक्षिणा-2
2. गोलाकार-5
3. नश्वर, जो कभी न मरे-3
4. प्रतिदिन-2
5. हृदय स्पंदन-4
6. विचार-3
9. मार्ग, रास्ता-2
11. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
13. बब्बर शेर (अंग्रेजी-3)
15. सीरा, एक मिष्ठान्न-3
16. पतंग के पेच लड़ाना-5
17. बेसुध, अलमस्त-4
18. कार्य-2
20. जरा, थोड़ा-2
21. दरवाजा खटखटाना-3
23. इन्होंने कृष्ण को पाला था, कृष्ण की दूसरी मां-3
26. उकसावा, बढ़ावा-2
28. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2

शब्द पहेली -8475 का हल

न	ट	व	र	ना	ग	र	■	■
■	क्र	■	म	■	ज	■	का	■
ज	र	■	जा	हि	रा	■	जी	त
ब	■	ज	न	■	ज	मा	■	ल
र	च	ना	■	■	■	ज	वा	ब
द	■	ना	स	■	दा	रा	■	गा
स्त	र	■	मा	न	ना	■	ख	र
■	थ	■	धा	■	पा	■	ल	■
■	■	स	न	स	नी	फं	ल	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ ही बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों में तेजी से बाजार उछला। अमेरिका की एक अपीलीय अदालत के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को गलत बताये जाने से भी निवेशकों में उत्साह है। अमेरिकी टैरिफ लगने के बावजूद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 फीसदी रहने से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 554.84 अंक बढ़कर 80,364.49 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.20 अंक बढ़कर 24,625.05 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,098.10 अंक बढ़कर 56,825.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 271.10 अंक उछलकर 17,498.10 पर था। वहीं सेक्टोरल आधार पर देखा जाये तो निफ्टी ऑटो , निफ्टी आईटी , निफ्टी मेटल , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी पीएसई में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं निफ्टी फार्मा और निफ्टी मीडिया में ही गिरावट रही। सेंसेक्स पैक की बात करें तो

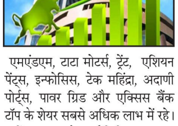

एमएंडएम, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और एक्सिस बैंक टॉप के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं सन फार्मा, आईटीसी, एचयूएल, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी के शेयर गिरे। बाजार जानकारों के अनुसार जीडीपी के आंकड़ों से अधिक बेहतर होने से भी बाजार को बल मिला। अमेरिकी टैरिफ के बढ़ने के बाद भी जीडीपी पर प्रभाव नहीं पड़ने से भी बाजार धारणा मजबूत हुई। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। आज सुबह सेंसेक्स 79,828 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें बढ़त आई। सुबह यह 338.48 अंक करी 0.42 फीसदी बढ़कर 80,148.13 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी बढ़कर 24,432.70 पर खुला। इसके बाद ये खरीदारी के कारण 25,500 के ऊपर पहुंच गया। सुबह यह 77.85 अंक या 0.32 फीसदी उछलकर 24,519 पर कारोबार करता दिखा। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में गिरावट रही। जापान का निक्केई 225 0.92 फीसदी, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.85 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.17 फीसदी गिरा। दूसरी ओर चीन का शंघाई कंपोजिट 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ ऊपर आया। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में गिरावट रही। एसएंडपी 500 में 0.64 फीसदी की गिरावट रही जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 1.15 फीसदी की कमी आई। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज भी 0.20 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली। देश में सोमवार को कुछ जगहों पर तेल की कीमतें बढ़ीं हैं जबकि कुछ जगहों पर कम हुई हैं। दुनिया भर के बाजारों में कच्चे तेल के दाम बढ़कर 68 डॉलर पहुंच गये। इससे देश भर में तेल की कीमतें भी प्रभावित हुई हैं। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और

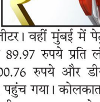

डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। वहीं मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर रहा। वहीं उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 27 पैसे कम हुईं। इससे ये 94.87 रुपये लीटर पर है। वहीं डीजल की कीमतें भी 25 पैसे कम हुई हैं और 87.82 रुपये लीटर पहुंच गयी हैं। गाजियाबाद में पेट्रोल 21 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.76 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 23 पैसे चढ़कर 87.52 रुपये लीटर बिक रहा है। इसके अलावा गुरुग्राम में पेट्रोल 17 पैसे बढ़त के साथ 94.57 रुपये लीटर जबकि डीजल 19 पैसे चढ़कर 87.76 रुपये लीटर पर पहुंच गया। दूसरी ओर कच?चे तेल में हल्की बढ़त रही। ब्रेंट क्रूड 67.40 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

चीन के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों को नए सिरे से गढ़ने की जरूरत

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी इन दिनों चीन दौरे पर हैं, जहां उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने वैश्विक व्यापार पर बातचीत की और इसके स्थायित्व पर जोर दिया। अमेरिका की ओर से जारी टैरिफ वॉर के बीच पीएम मोदी की यह यात्रा काफी अहम मानी जा रही है। चीन और अमेरिका दोनों ही भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं। अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद भारत ने चीन के साथ व्यापार बढ़ाने की रणनीति पर काम शुरू किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 7 अगस्त को भारत पर पहले 25 फीसदी टैरिफ लगाया और फिर रूस से तेल खरीदी को लेकर 27 अगस्त से 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ और लगा दिया। इस तरह भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगने के बाद अनुमान लगाया जा रहा कि भारत को करीब 50 से 60 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ सकता है। इस चुनौती के बीच चीन के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों को नए सिरे से गढ़ना और भी जरूरी है। इसी रणनीति पर आगे बढ़ने की कड़ी के तहत पीएम मोदी पांच साल में पहली बार चीन की यात्रा पर हैं। बता दें भारत का सबसे ज्यादा कारोबार चीन के साथ होता है। हम चीन से खरीदते ज्यादा हैं और बेचते कम है। यही वजह है कि चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। वित्तवर्ष 2024-25 में चीन के साथ कुल द्विपक्षीय व्यापार 127.7 अरब डॉलर का था, जो 2022-23 के 136 अरब डॉलर से कम रहा। हालांकि, पिछले वित्तवर्ष के कुल कारोबार में 99.2 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ, क्योंकि भारत ने चीन को महज 14.3 अरब डॉलर का सामान बेचा, जबकि उससे 113.5 अरब डॉलर का सामान खरीदा। चालू वित्तवर्ष 2024-25 में अप्रैल से जुलाई तक चीन से 34.9 अरब डॉलर का व्यापार हो चुका है। इस दौरान हमने 5.75 अरब डॉलर का सामान बेचा है, जबकि 40.65 अरब डॉलर का सामान खरीदा है।

लांजी के नन्हें सितारों ने बैडमिंटन कोर्ट पर रचा इतिहास

दक्ष और सारंग ने जीता स्वर्ण और रजत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। फ्लाई विंग्स बैडमिंटन क्लब, लांजी के होनहार खिलाड़ी दक्ष सिकंदरपुरी और सारंग सिकंदरपुरी ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए एक बार फिर साबित कर दिया कि छोटे कस्बों की मिट्टी में भी बड़े सपनों के बीज छिपे होते हैं। रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा, बालाघाट द्वारा 30 और 31 अगस्त 2025 को आयोजित रोटरी क्लब दिवस के उपलक्ष्य में हुए बैडमिंटन टूर्नामेंट में इन दोनों नन्हें सितारों ने शानदार प्रदर्शन कर न केवल लांजी बल्कि पूरे बालाघाट जिले का नाम रोशन किया।

टूर्नामेंट का रोमांच और खिलाड़ियों का दबदबा

बालाघाट में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अंडर-13 सिंगल्स कैटेगरी में दक्ष और सारंग ने अपने दमदार खेल से सभी का ध्यान खींचा। सेमीफाइनल मुकाबलों में दोनों खिलाड़ियों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को आसानी से पछाड़ते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की की। दक्ष ने बालाघाट के विशाल को 15-8 और 15-11 के स्कोर से हराया, जबकि सारंग ने आरव जैन को 15-8 और 15-9 से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला दक्ष और सारंग के बीच हुआ, जो टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक क्षण था। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी रणनीति, तेजी और तकनीक का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे दर्शकों की सांसें थम गईं। कांटे की टक्कर में दक्ष ने सारंग को 15-11 और 15-13 से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। सारंग ने फर्स्ट रनर-अप के रूप में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस भाई-भाई के बीच हुए मुकाबले ने न केवल खेल की भावना को जिंदा रखा, बल्कि दर्शकों को भी उत्साह से भर दिया।

सम्मान समारोह और प्रेरक शब्द

टूर्नामेंट के समापन समारोह में रोटरी क्लब की प्रेसिडेंट श्रीमती ऋतु माहेश्वरी और सेक्रेटरी गुलशन माहेश्वरी ने दक्ष और सारंग को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। दोनों खिलाड़ियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित दर्शकों और खेल प्रेमियों ने भी दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की।

सफलता का श्रेय और आभार

दक्ष और सारंग ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता संदीप सिकंदरपुरी, अंजलि सिकंदरपुरी, संजय सिकंदरपुरी और रश्मि सिकंदरपुरी को दिया। इसके साथ ही उन्होंने अपने मेंटर्स सागर सोमराज, शिवम ठाकरे, शरद आसटकर, संदीप रामटेक्कर, नितिन बरगैया, आदित्य रामटेक्कर, मानस सोनवाने, नवीन रामटेक्कर और क्लब के संरक्षकों डॉ. किशोर सोनवाने, डॉ. राजेश रणदिवे और पम्मु आसटकर का हृदय से आभार व्यक्त किया। इन सभी ने खिलाड़ियों को कठिन परिश्रम, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का पाठ पढ़ाया।

लांजी में बैडमिंटन सुविधाओं की मांग

खिलाड़ियों के फिटनेस कोच सागर सोमराज ने दक्ष और सारंग की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए क्षेत्र में खेल सुविधाओं की कमी पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने नगरीय प्रशासन और स्थानीय विधायक से अपील की कि लांजी में एक मल्टी-स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण किया जाए, जिसमें कम से कम चार बैडमिंटन कोर्ट और आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध हों। उन्होंने कहा, लांजी के खिलाड़ी हमेशा से बैडमिंटन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन उचित सुविधाओं और कोर्ट की कमी के कारण कई प्रतिभाएँ उभरकर सामने नहीं आ पातीं। यदि सही संसाधन उपलब्ध हों, तो यहाँ के बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ सकते हैं।

लांजी के लिए गर्व का पल

दक्ष और सारंग की इस उपलब्धि ने लांजी के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इन नन्हें खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिया कि यदि सही मार्गदर्शन, कठिन परिश्रम और अवसर मिले, तो छोटे कस्बों से भी बड़े सितारे निकल सकते हैं। उनकी यह जीत न केवल फ्लाई विंग्स बैडमिंटन क्लब के लिए, बल्कि पूरे लांजी क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

नक्सल प्रभावित लांजी विकासखंड में धरती आबा योजना के तहत बैगा किसानों को वितरित किए गए उन्नत कृषि यंत्र

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नक्सल प्रभावित लांजी विकासखंड के ग्राम गुलपुर नेवरवाही में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा वन पट्टा धारक बैगा किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर उन्नत कृषि यंत्र प्रदान किए गए। यह वितरण कार्यक्रम जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण और सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में चार लाभार्थी किसानों केहरुलाल ऊईके, समल सिंह मसराम, धर्मसिंह मर्सकोले और साऊ मसराम को नेप्सक पावर स्प्रेयर नामक आधुनिक यंत्र सौंपे गए, जबकि बीरबल मर्सकोले को भी इसी योजना के तहत लाभ मिला। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 अक्टूबर 2024 को झारखंड के हजारीबाग से लॉन्च किया गया था, आदिवासी बहुल क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका के अंतराल को दूर करने पर केंद्रित है। यह योजना वन अधिकार अधिनियम के तहत पट्टा धारकों को सतत कृषि पद्धतियों का प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने का प्रावधान करती है। बालाघाट जिला, जो छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा से सटा होने के कारण नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शामिल है, में यह अभियान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। लांजी विकासखंड के गुलपुर नेवरवाही जैसे दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में बैगा जनजाति के किसान पारंपरिक खेती पर निर्भर हैं, और नक्सलवाद की चुनौतियों के बीच सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है। योजना के तहत 90 प्रतिशत अनुदान से यह यंत्र बहुत कम कीमत पर उपलब्ध कराया गया, जिससे लाभार्थी किसान बेहद उत्साहित नजर आए। केहरुलाल ऊईके ने कहा, यह यंत्र हमारी खेती को आसान बनाएगा और फसल की सुरक्षा में मदद करेगा। सरकार का यह सहयोग हमें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करता है। इसी तरह, अन्य किसानों ने भी खुशी जाहिर की और योजना की सराहना की। वितरण कार्यक्रम कृषि विस्तार अधिकारी विनय प्रकाश बागड़े की उपस्थिति में आयोजित किया गया। उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि यह पहल धरती आबा अभियान के तहत जनजातीय किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का हिस्सा है। उन्होंने कहा, बैगा समुदाय के वन पट्टा धारकों को सशक्त बनाने के लिए कृषि यंत्रों का वितरण जारी रहेगा, ताकि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी कृषि विकास हो सके। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कृष्ण कुमार खरे और अमित नारनौरे भी उपस्थित रहे।

दिव्यांग जन कल्याण संघ ने नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर मनाया सेवा संकल्प दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। दिव्यांग जन कल्याण संघ द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सेवा संकल्प दिवस समारोह का भव्य आयोजन ग्राम स्वराज भवन, भानेगांव में किया गया। यह आयोजन संघ के अध्यक्ष तन्मय जगदीश मिश्रा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है, जिसे संघ द्वारा सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समाज के प्रति उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, साथ ही एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें विदर्भ के ख्याति प्राप्त चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रगान के साथ समारोह की औपचारिक शुरुआत की गई। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य नागरिकों और अतिथियों ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

सेवा संकल्प दिवस के अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में विदर्भ के प्रसिद्ध चिकित्सकों ने अपनी नि:शुल्क सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में शामिल चिकित्सकों में डॉ. प्रमेश अनिरुद्ध गायधने (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ. लोकेश चिरवतकर (मनोरोग विशेषज्ञ), डॉ. राकेश चिखलौंडे (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. देवेंद्र कोटांगले (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ. अनिल हनवट (जनरल फिजिशियन), और डॉ. श्वेतल माहुले (स्त्री रोग विशेषज्ञ) शामिल थे। इस शिविर में ग्रामीण क्षेत्रों से आए 207 लोगों का पंजीयन कर स्वास्थ्य जांच की एवं नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया।

दिव्य रत्न पुरस्कार से सम्मान

संघ की परंपरा के अनुसार, समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को हर वर्ष दिव्य रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष 2025 का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार वरिष्ठ पत्रकार आशीष मिश्रा (बालाघाट), वरिष्ठ समाजसेवी लीलाधर रावते, पूर्व सरपंच सुनीता मंडावी, और रेवाजी करहाटकर (सभापति, महिला एवं बाल विकास, जनपद पंचायत लांजी) को प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में संघ के अध्यक्ष तन्मय मिश्रा ने सम्मानित व्यक्तियों को यह पुरस्कार प्रदान किया।

मुख्य अतिथि और उपस्थित गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजकुमार कर्राहे, विधायक लांजी-किरनापुर, उपस्थित रहे। उनके साथ संरक्षक लक्ष्मण दुर्गादास छुट्टानी, सरपंच राम ठाकरे, प्रेरक जगदीश मिश्रा, श्रीमती केशर उरकुडे, श्रीमती मालती ठाकरे, उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे, सचिव रूपेश कुमार कुथे, संयुक्त सचिव श्रीमती अनीता उईके, राजकुमार बेदरे, श्रीमती प्रमिला पारधी, श्रीमती सलिता ठाकरे, केदारनाथ ऐडे, अनिल कुर्वे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सेवा और समर्पण का संदेश

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और वक्ताओं ने अपने संबोधन में समाज सेवा और समर्पण की भावना को बढ़ावा देने पर जोर दिया। तन्मय मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा, सेवा संकल्प दिवस का उद्देश्य समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना और जरूरतमंद लोगों की मदद करना है। हमारा प्रयास है कि इस तरह के आयोजनों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जाए।

कार्यक्रम के अंत में संघ के सचिव रूपेश कुमार कुथे ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, सम्मानित व्यक्तियों, और उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में एकता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं।

यह समारोह न केवल दिव्यांग जन कल्याण संघ की सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि समाज के प्रति सेवा और समर्पण का एक प्रेरणादायी उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

थानेगांव की घटना पर कार्यपालन यंत्री, एसडीओ एवं उपयंत्री पर भी हो अपराध दर्ज - अजय अवसरे जनपद उपाध्यक्ष

पौसेरा, लोढ़ामा, देवरबेली, अंधियाटोला में नल जल योजना ठप्प

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत थानेगांव में 2022 में बनी पानी टंकी महज 3 वर्ष में ही धराशायी, जमींदोज हो गई। जिस में साफ तौर पर नजर आया कि यह कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ गया है। इसमें संलिप्त ठेकेदार के विरूद्ध जहां अपराध दर्ज हुआ है वहीं उपयंत्री को विभाग के द्वारा निलंबित किया गया है। लेकिन क्या सिर्फ निलंबन की कार्यवाही पर्याप्त है उपयंत्री के विरूद्ध क्योंकि इस पूरे प्रकरण ठेकेदार से अधिक दोषी कार्यपालन यंत्री, एसडीओ एवं उपयंत्री है जिन्हे समय समय पर उक्त कार्य को देखना चाहिये था। कैसा कार्य किया जा रहा है, किस रेशो में सीमेंन्ट, लोहा,गिट्टी, रेत, पानी का उपयोग हो रहा है। कार्यपूर्णता और गुणवत्ता प्रमाण पत्र किसने जारी किया। यह सभी तकनीकी कार्य विभाग को देखना चाहिये लेकिन उच्च अधिकारियो ने ठेकेदार पर अपराध दर्ज कर अपना पल्ला झाडते नजर आये। इस पूरे मामले की दुसरे विभाग के अधिकारियों एवं तकनीकी एक्सपर्ट से जांच कराई जानी चाहिये और इस मामले में दोषी विभागिय अधिकारियो के विरूद्ध भी अपराध दर्ज होना चहिये ऐसी मांग ग्रामीण जनों के द्वारा की गई है साथ ही जनपद के उपाध्यक्ष अजय अवसरे के द्वारा भी इन अधिकारियो के विरूद्ध कार्यवाही को लेकर कहा तथा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचयतो में पंहुचकर पानी टंकी सहित नल जल मिशन के कार्यो का निरीक्षण कर जमीनी स्तर पर कार्य की जानकारी प्राप्त की।

पौसेरा, लोढ़ामा, देवरबेली, अंधियाटोला में नल जल योजना ठप्प, पानी टंकी से पानी टपकने रिसने की हुई शिकायत

जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सभापति रेवाजी करहाटकरे के द्वारा ग्राम थानेगांव की घटना के पश्चात जमीनी हकीकत जानने के लिये क्षेत्र के जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पौसेरा, लोढ़ामा, देवरबेली और अंधियाटोला पंहुचे तो ज्ञात हुआ कि सभी स्थानों पर नल जल जीवन मिशन के कार्यो में भारी अनियमितता एवं भ्रष्टाचार व्याप्त है। ग्राम पौसेरा में सरपंच कृष्णा पांचे ने बताया कि विगत दो वर्ष से अधिक का समय हो गया है पानी की टंकी बनी हुई जो कि रायसिंग एण्ड कंपनी के द्वारा कार्य किया गया है। ठीक तरह से पाईप लाईन नही बिछी हुई। पानी की टंकी में पानी भरो तो टंकी से पानी रिसता है टपकता है। जो कार्य किया गया है वह भी गुणवत्ताहिन है। लोहे सीमेन्ट भी निम्र स्तरीय उपयोग किया गया है। सरपंच कृष्णा पांचे ने यह भी कहा कि निश्चित रूप से जब यह पानी की टंकी पूरी भरी जायेगी तो इसका भी हाल ग्राम पंचायत थानेगांव जैसा होगा। इसलिये मेरे द्वारा अब तक कार्य को पंचायत के अधीन नही लिया गया है। इस तरह ग्राम पंचायत बेलगांव के ग्राम लोढ़ामा स्थित पानी टंकी का है यहां भी अब तक ग्रामीणो को नल जल योजना का लाभ नही मिल पा रहा है। लगभग 1 वर्ष हो गया है पानीटंकी का निर्माण किये हुये अब तक पानी की टंकी भरकर जांच नही कि गई। ग्राम में जो पाईप लांजी बिछाई गई है उसका कार्य भी अधुरा है। वहीं पाईप लाईन बिछाने के लिये खुदाई की गई, नाली सड़क तोडी गई है उसको भी ठेकेदार और विभाग ने दुरस्त नही किया। 2 साल से काम बंद करके ठेकेदार और विभाग दोनो नदारद है ऐसा आरोप ग्रामीणो ने लगाया है। ग्राम लोढ़ामा में कौनसी कंपनी कार्य कर नरही है कितने लागत से कार्य किया जा रहा है इसका सूचना बोर्ड भी कंपनी या ठेकेदार के द्वारा नही लगाया गया है। करोड़ो रूपये की महत्वकांक्षी योजना को ऐसे ठेकेदार पलीता लगा रहे है और विभाग का इनको पूरा संरक्षण प्राप्त है। इसी क्रम में जब देवरबेली पंचायत अन्तर्गत पानीटंकी देखी गई तो यहां भी वही हाल था, यहां तो प्रधानमंत्री आवास के पास ही पानी की टंकरी निर्मित हो गई है। जो की ग्राम से दुर नजर आ रही है तथा यह कार्य भी पूर्ण होता नही दिखाई दिया है। इसके अलावा यहां भी निविदाकार या ठेकेदार के द्वारा या विभाग के द्वारा किसी भी प्रकार का सूचना बोर्ड कार्य संबधी नही लगाया गया है। जिससे कोई जानकारी प्राप्त की जा सके। इसी प्रकार पंचायत के तहत ग्राम नल्लेझरी में भी पानी की सप्लाई किया जाना है लेकिन यहां भी अब तक कार्य प्रारंभ नही किया गया है जिसके चलते ग्रामीणो को ना तो देवरबेली में योजना का लाभ मिल रहा है और ना ही नल्लेझरी में।

अंधियाटोला में भी बंद पड़ी योजना

जिस प्रकार वनांचल क्षेत्रो के नल जल जीवन मिशन योजना का है वही हाल भाडरा अंचल का भी है यहां के ग्राम अंधियाटोला पंहुचकर जब जमीन स्तर पर जानकारी ली गई तो ज्ञात हुआ कि यहां भी पानी टंकी तो बनकर तैयार है लेकिन ग्राम में पानी सप्लाई नही हुआ है। अनेको जगह पाईप लाईन को जोड़ा नही गया है जहां खुदाई की गई है उसको ठीक नही किया गया। पानी की टंकी के निर्माण को लेकर भी ग्रमीणो ने गुणवत्ताहिन कार्य के आरोप लगाते हुये जांच की मांग की है। विभाग इन सभी क्षेत्रो में कार्य को लेकर जैसे आंख मूंद कर बैठा है।

विभाग की लापरवाही है उच्चस्तरीय जांच कर कार्यवाही की जाये- अजय अवसरे

उक्त ग्रामो में नल जल जीवन मिशन योजना के कार्यो को निरीक्षण जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे एवं उनके साथ सभापति रेवाजी करहाटकरे के द्वारा किया गया। ग्राम थानेगांव में घटित घटना को लेकर भी जनपद पंचायत में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थी। बैठको में भी लगातार मामले उठे है। 2020 से नल जल योजना के जितने भी कार्य स्वीकृत हुये है उन पानी टंकियों को हमने निरीक्षण किया है। जिसमे हमने पौसेरा, लोढ़ामा, देवरबेली और अंधियाटोला स्थित पानी की टंकी एवं अन्य कार्य का निरीक्षण किया। हमने चारो जगह जब देखा तो गुणवत्ता कही भी नजर नही आई। चारो जगह योजना बंद पड़ी हई है। पौरोरा में पानी टंकी का निर्माण हुये 3 वर्ष हो गया है जिसमे एक बार पानी भरकर देखा गया तो ज्ञात हुआ कि पानी की टंकी से पानी का रिसाव होता है टंकी में क्रैक आई हुई है। इसकी शिकायत पूर्व में एसडीएम महोदय को भी सरपंच एवं ग्रामीणो के द्वारा की गई है। लोढामा मे भी नल जल योजना बंद पडी है। देवरबेली में प्रधानमंत्री आवास के पास पानी की टंकी का निर्माण हुआ है वह भी अब तक प्रारंभ नही किया गया है। चारो स्थानो पर निरीक्षण के बाद देखा गया तो जल जीवन मिशन का धरातल पर कोई अस्तित्व नजर नही आया है। इसमें काफी भ्रष्टाचार की बू नजर आ रही है। जिस प्रकार से थानेगांव की जो घटना हुई वैसी ही घटना पौसेरा में भी देखने को मिल सकती है यदि उस टंकी को पूरा भरकर देखा जाये तो कल वह धराशायी हो जायेगी। अंधियोटाला में हमारी जनपद सदस्य भोयर मैडम के द्वारा भी अंधियाटोला जल जीवन मिशन की योजना को लेकर सभा की बैठक में शिकायत की गई है और पून हम यहां पहुचकर देखे है शिकायत बिज्कुल सही है आज तक ग्रामीणो को इस योजना का लाभ नही मिल पा रहा है। इस पूरे मामले में विभाग की गलती है उच्च अधिकारियों की गलती है। कार्य करने का काम ठेकेदार का है लेकिन करवाने का कार्य विभाग का है। निश्चित ही बिना अधिकारी कर्मचारी के मिली भगत के ठेकेदार कोई कार्य नही कर सकता। मेरा मानना है कि ठेकेदार पे कार्यवाही होने से पहली अधिकारियों पर कार्यवाही होना चाहिये जो जनता का परेशानी हो रही है उसका खामियाजा इनको भूगतना होगा।

जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने नल्लेझरी में बच्चों संग मनाया जन्मदिन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति के अध्यक्ष अजय अवसरे ने अपने जन्मदिन के अवसर पर अतिनक्सल प्रभावित ग्राम नल्लेझरी की शासकीय माध्यमिक शाला में बच्चों के साथ समय बिताया। उन्होंने बच्चों के साथ मध्याह्न भोजन का आनंद लिया और शिक्षा से संबंधित उपयोगी जानकारी साझा की। शाला के प्रधान पाठक श्री धुर्वे से चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि स्कूल में 54 छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं। प्राथमिक विभाग में केवल एक नियमित शिक्षक हैं, जबकि चार अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। माध्यमिक विभाग में कोई नियमित शिक्षक नहीं है, केवल तीन अतिथि शिक्षक हैं। स्कूल में पानी की समस्या भी उजागर हुई, क्योंकि टंकी में पानी नहीं चढ़ता और हैंडपंप पर निर्भरता है। श्री अवसरे ने इस मुद्दे को शिक्षा समिति की बैठक में उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने शिक्षकों और बच्चों से उनकी समस्याओं पर चर्चा की और कहा, नल्लेझरी, लांजी क्षेत्र का अंतिम छोर और अतिनक्सल प्रभावित ग्राम है। यहाँ 54 बच्चे मन लगाकर पढ़ाई कर रहे हैं, जो एक सकारात्मक संदेश है। वनांचल क्षेत्र में बच्चों का पढ़ाई के प्रति उत्साह और शिक्षकों का समर्पण सराहनीय है। सरकार को इन अतिथि शिक्षकों को नियमित करना चाहिए, जो वर्षों से यहाँ शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इस अवसर पर जनपद पंचायत सभापति रेवाजी करहाटकरे भी मौजूद रहे। उन्होंने भी बच्चों के साथ मध्याह्न भोजन किया और शिक्षा से संबंधित जानकारी साझा की।

भोपाल-इंदौर में तेज बारिश, रतलाम में गांव डूबा

दमोह में मकान गिरा, पति की मौत, पत्नी घायल; बालाघाट में बिजली गिरने से 3 कॉन्स्टेबल झुलसे

भोपाल। मप्र में कहीं तेज, कहीं धीमी बारिश का दौर जारी है। सोमवार को तेज बारिश के चलते दमोह में एक मकान गिर गया। मलबे में दबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसकी पत्नी घायल है, जिसे अस्पताल ले जाया गया। भोपाल में सुबह 5 बजे से बारिश का दौर जारी है। दोपहर में तेज बारिश होने लगी। रतलाम के धोलावाड़ डैम के तीन गेट खोलने पड़े हैं। पलसोड़ा गांव पानी में पूरी तरह डूब गया है। लोग छतों पर चढ़े हैं। उसरगार और अमलेटा गांव के बीच नाले की पुलिया धंसने से ट्रैफिक रुक गया है। उपलई गांव में एक कार पलट गई। ग्रामीणों ने कार सवार लोगों को बाहर निकाला। मौसम विभाग के अनुसार, मप्र में अब तक 37.1 इंच बारिश हो चुकी है। शनिवार-रविवार की रात में हुई बारिश से आंकड़ा बढ़ गया। पिछले मानसूनी सीजन में औसत 44 इंच बारिश हुई थी। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। इस बार बारिश के मामले में गुना सबसे बेहतर है। यहां 55.4 इंच बारिश हो चुकी है। गुना में 24 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। मंडला में 54 इंच बारिश हो चुकी है। श्योपुर में साढ़े 51 इंच, अशोकनगर में 51.1 इंच और रायसेन में 50.5 इंच पानी गिरा है।

मंदसौर में शिवना नदी उफान पर है। बालाघाट में रविवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से तीन कॉन्स्टेबल घायल हो गए। हॉक फोर्स में शामिल देवेंद्र, छत्रपाल और उज्जवल नक्सली सर्चिंग पर निकले थे। उन्हें स्पेशल वाहन से बेहतर उपचार के लिए महाराष्ट्र के गोंदिया भेजा गया है। भोपाल में सुबह तेज बारिश के बाद धूप खिली है। रतलाम के गांव अमलेटा में में रेलवे अंडर ब्रिज के नीचे पानी भर गया, जिससे रतलाम से संपर्क कट गया। ब्रिज के ऊपर से रेलवे पटरियों के सहारे स्कूली बच्चों ओर ग्रामीणों को गुजरना पड़ा।

पानी में डूबा पुल, पार कर रहे लोग

छतरपुर में पुर तहसील के गणेशपुरा गांव में पुल पर पानी बह रहा है। इसके बावजूद लोग उसे पार कर रहे हैं। इनमें स्कूली बच्चे भी शामिल हैं।

धोलावाड़ डेम के तीन गेट खोले

रतलाम में लगातार हो रही बारिश से धोलावाड़ डैम ओवरफ्लो हो गया है। सोमवार को इसके तीन गेट खोलने पड़े हैं। बांध का जलस्तर 395 मीटर पहुंच गया है। सुबह 11 बजे इसका एक गेट खोला गया। लगातार बारिश के चलते 11.45 बजे दो और गेट डेढ़-डेढ़ मीटर खोल दिए गए। रतलाम जिले और आसपास के इलाके में बारिश का दौर जारी है। नदी-नाले उफान पर हैं। जावरा से आ रही एक कार उपलई गांव में बहने लगी। फिर पलट गई। ग्रामीणों ने कार सवार लोगों को बाहर निकाला। कार को सीधा किया। रतलाम जिले के ग्रामीण इलाकों में सुबह से बारिश हो रही है। उसरगार और अमलेटा गांव के बीच नाले की पुलिया तेज बहाव के कारण धंस गई है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिया से ट्रैफिक बंद कर दिया गया है। पलसोड़ा गांव पानी में डूब गया है। लोगों ने छतों पर चढ़कर जान बचाई।

जेपी अस्पताल से हटाए गए 21 कर्मचारी

- कांग्रेस ने सिविल सर्जन को सौंपा ज्ञापन, कर्मचारियों को बहाल करने की मांग

भोपाल। भोपाल में कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने जेपी अस्पताल से हटाए गए रोगी कल्याण समिति (आरकेएस) के 21 कर्मचारियों की बहाली की मांग की है। इसके लिए उन्होंने अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपकर जिला कलेक्टर को कार्रवाई के लिए अवगत कराने का आग्रह किया। हटाए गए कर्मचारियों का कहना है कि साल 1995 में हर जिला अस्पताल में रोगी कल्याण समिति का गठन किया था। समिति का उद्देश्य मामूली शुल्क लेकर अस्पताल की छोटी-छोटी जरूरतों, उपकरणों और आवश्यक सेवाओं की पूर्ति करना था। समिति में जिले के जनप्रतिनिधि सदस्य रहते थे और जिला कलेक्टर इसके अध्यक्ष होते थे। हर माह बैठक आयोजित होती थी, लेकिन बीते कई सालों में यब बैठकें कम हो गईं। जिसमें अस्पताल की समस्याओं और रोगियों की जरूरतों का समाधान होने में समस्याएं आईं। इसके बाद अस्पताल का ज्यादा तर काम निजी एजेंसी को सौंपना शुरू कर दिया गया। जेपी अस्पताल में इस समिति के 21 कर्मचारी कार्यरत थे। जिनमें कम्प्यूटर ऑपरेटर, टिकट राइटर, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और डेंटल असिस्टेंट शामिल थे।

यह कदम असंवैधानिक

कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने कहा कि समिति को अचानक भंग कर दिया गया और 21 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने इसे असंवैधानिक कदम बताते हुए तत्काल समिति को पुनर्जीवित करने और हटाए गए कर्मचारियों को उनके कार्य पर वापस लेने की मांग की है। पीसी शर्मा का कहना है कि कर्मचारियों की सेवाएं अस्पताल की जरूरत के लिए अनिवार्य हैं और उनके हटने से अस्पताल की कई सेवाएं बाधित हो सकती हैं।

दादा-बेटा और पोता चला रहे थे अवैध हथियार फैक्ट्री

भोपाल क्राइम ब्रांच पुलिस ने टीकमगढ़ में छापा मारा

भोपाल। भोपाल क्राइम ब्रांच ने टीकमगढ़ के जतारा में दादा, बेटा और नाबालिग पोते द्वारा संचालित दो अवैध हथियार फैक्ट्री का खुलासा किया। फैक्ट्री दूरस्थ वेयरहाउस में लगाई गई थी, आरोपी सुरेंद्र और परिवार ने हथियारों का निर्माण स्थानीय स्तर पर करते हुए प्रदेश के बाहर, विशेषकर उत्तर प्रदेश में सप्लाई की। टीम ने फैक्ट्री से लेथ, वेल्डिंग, ड्रिल मशीनें, देसी पिस्टल और तीन अधूरी पिस्टल सहित कई कलपुर्जे जब्त किए।

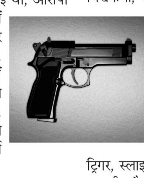

क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि कुछ शातिर अपराधी वाहन चोरी एवं अवैध हथियारों से जुड़े हुए हैं और निशातपुरा क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने दबिश दी और तीन संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया। इनके कब्जे से तीन वाहन बरामद किए गए, जिन्हें हनुमानगंज थाने के सुपुर्द किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मुख्तार खान हथियारों की अवैध सप्लाई में शामिल है। उसे हिरासत में लेकर तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से पिस्टल बरामद हुई। इस मामले में आरोपी मुख्तार खान, सुरेंद्र विश्वकर्मा, सैफ अली उर्फ रिंकू, मुमताज अली और आनंदी विश्वकर्मा शामिल हैं, जबकि फरार आरोपी नरेन्द्र प्रताप सिंह परमार है। लेथ मशीनें, वेल्डिंग मशीन, ड्रिल मशीन, मिलिंग मशीन, ब्लेंडर मोटर, देसी पिस्टल, तीन अधूरी पिस्टल, बैरल, लोहे के फ्रेम, ट्रिगर, स्लाइडर, कारतूस, मैगजीन, बट की लकड़ी और अन्य कलपुर्जे जब्त किए गए हैं।

कृषि उपकरण निर्माण के नाम पर हथियार

मुख्तार खान ने खुलासा किया कि पिस्टल उसे सुरेंद्र विश्वकर्मा से मिली थी। सुरेंद्र ने टीकमगढ़ में एक उन्नत स्तर की अवैध हथियार फैक्ट्री स्थापित की। जांच में यह सामने आया कि सुरेंद्र और उनका परिवार वर्षों से अवैध शस्त्र निर्माण में संलिप्त रहा है। सुरेंद्र का पिता आनंदी विश्वकर्मा लगभग 40 वर्षों से लेथ मशीन के माध्यम से ट्रॉली और कृषि उपकरण निर्माण के नाम पर हथियार बनाता रहा। उसकी तकनीक उसने अपने फुलेरा निवासी रिश्तेदार से सीखी थी।

आरोपी का बेटा और नाबालिग भी शामिल

आनंदी विश्वकर्मा ने अपने पूरे परिवार को अवैध गतिविधियों में शामिल किया। सुरेंद्र के जेल जाने के बाद भी परिवार ने हथियार निर्माण जारी रखा। इसके अलावा उसके नाबालिग पोते और बेटा धर्मेंद्र भी इस कार्य में लगे थे। जब सुरेंद्र और उसका बेटा पहले स्थानीय पुलिस द्वारा गिरफ्तार हुए, तब भी यह काम बंद नहीं किया गया।

वेयरहाउस का इस्तेमाल किया

सुरेंद्र ने हथियार बनाने के लिए उन्नत मशीनों और उपकरणों के साथ फैक्ट्री स्थापित की। पहले केवल कलपुर्जे बाहर से लाकर असेंबल किए जाते थे, लेकिन अब सभी कलपुर्जे स्थानीय स्तर पर बनाए जा रहे थे। इसके लिए विशेष मशीनें और उपकरण बड़े निवेश के साथ लगाए गए। फैक्ट्री को छुपाने के लिए दूरस्थ वेयरहाउस का इस्तेमाल किया गया। सुरेंद्र ने अपने परिचित को पार्टनर बनाया और उसे 20,000/- प्रति माह किराया दिया। निर्माण का काम परिवार के सदस्य करते थे, जबकि ग्राहक संपर्क और वितरण कुछ सहयोगियों के माध्यम से किया जाता था।

प्रदेश के बाहर हथियारों को बेचा

सुरेंद्र और परिवार ने हथियारों की बिक्री मध्यप्रदेश के बाहर, विशेषकर उत्तर प्रदेश में की। ग्राहक थोक स्तर पर हथियार खरीदते थे। निर्माण के सभी कलपुर्जे स्थानीय रूप से तैयार किए जाते थे, जिससे लागत कम और संदेह की संभावना न्यून रहती थी। बिक्री और वितरण का कार्य गोपनीय तरीके से किया जाता था। सुरेंद्र विश्वकर्मा पूर्व में लूट के प्रकरण में 7 वर्ष की सजा काट चुका है। जनवरी 2025 में जेल से रिहा होने के बाद उसने पुनः अवैध शस्त्र निर्माण शुरू किया।

भर्ती परीक्षाओं में जीवित रोजगार पंजीयन अनिवार्य

30 लाख से अधिक आकांक्षी युवाओं को होगा लाभ

भोपाल। मप्र में आगामी तीन वर्षों में ढाई लाख से अधिक कार्यरत पदों पर भर्तियां होनी हैं। इसमें किसी को भी जीवित रोजगार पंजीयन से छूट नहीं मिलेगी। इसकी अनिवार्यता बनी रहेगी। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली वरिष्ठ सचिव समिति मौजूदा व्यवस्था में परिवर्तन के पक्ष में नहीं है।

दरअसल, यह व्यवस्था इसलिए बनाकर रखी जा रही है, ताकि प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों में अधिक से अधिक अवसर मिल सकें। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 30 लाख से अधिक आकांक्षी (पंजीकृत बेरोजगार) युवा हैं।

ऐसे हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

पुलिस भर्ती में रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता के कारण अन्य राज्यों के युवा अयोग्य हो गए थे। इन्होंने सरकार के नियम को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर कोर्ट ने युवाओं को राहत देते हुए इस व्यवस्था को समान अवसर देने के अधिकार के विरुद्ध बताते हुए केवल प्रशासनिक औपचारिकता बताया था और कहा था कि इससे योग्यता का निर्धारण नहीं हो सकता है। हाईकोर्ट के इस आदेश को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका लगाकर चुनौती दी थी, पर राहत नहीं मिली और व्यवस्था पर पुनर्विचार करने के निर्देश दिए गए। उधर, रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता के मामले में निर्णय न होने के कारण भर्तियां अटक गई थीं। इसे देखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने वरिष्ठ सचिव समिति के समक्ष पूरा प्रकरण रखा।

प्रदेश के युवाओं को मिलता है लाभ

सूत्रों के अनुसार, इसमें अन्य राज्यों के युवाओं की परीक्षाओं में भागीदारी से संबंधित डेटा प्रस्तुत किया गया, जिसमें यह बात सामने आई कि इस प्रविधान के कारण राज्य के युवाओं को अधिक अवसर प्राप्त होते हैं। अन्य राज्यों के युवा रोजगार पंजीयन कम कराते हैं, जिसका स्वाभाविक लाभ प्रदेश के युवाओं को मिलता है। सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची कि जीवित रोजगार पंजीयन की वर्तमान व्यवस्था को बनाकर रखा जाए। पुलिस भर्ती को लेकर इस संबंध में अलग से निर्णय लिया जाएगा, जो कोर्ट में विचाराधीन है। यही कारण है कि प्राथमिक शिक्षकों के 13 हजार 89 पदों पर भर्ती के लिए कर्मचारी चयन मंडल ने विज्ञापन जारी किया है, उसमें भी रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन अनिवार्य रखा है। प्रत्येक पांच वर्ष में इसका नवीनीकरण कराना होता है, अन्यथा नाम हटा दिया जाता है।

पार्किंग-ट्रैफिक की परेशानी से जूझ रहा पुराना भोपाल

भोपाल। पार्किंग व ट्रैफिक की परेशानी से पुराना भोपाल जहां वर्षों से जूझ रहा है। वहीं दूसरी ओर इसके निदान के लिये हुई बैठकें भी समस्या का समाधान नहीं निकाल पाई है। जबकि बीते 5 वर्षों के दौरान इसके निराकरण लिये जिला व निगम प्रशासन के साथ क्षेत्र के व्यापारियों की लगातार बैठकें करते हैं। जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है।

इस कड़ी में बीते दिनों सांसद आलोक शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक ने मामले को फिर गर्मा दिया है। क्योंकि कलेक्टर कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों और सराफा, किराना, दवा और कपड़ा बाजार के व्यापारी संघों के प्रतिनिधियों के साथ हुई समीक्षा बैठक भी परिणाम के अभाव में बेतनतीजा साबित हो रही है। जबकि इस बैठक में भी व्यावसायिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाले विषय में पूर्व की तरह अव्यवस्थित पार्किंग और बिगड़ता ट्रैफिक जाम ही चर्चा में मुख्य मुद्दा रहा है।

तीन बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

चौक बाजा के पास पार्किंग की जगह पर अवैध गैरेजों द्वारा अतिक्रमण किए हुए हैं, जिससे खरीदारों के लिए बहुत कम जगह बचती है। इस बैठक में सांसद ने निगम अधिकारियों को तुरंत अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसके साथ ही नये शहर में बाजार विस्थापन के लिये स्मार्ट सिटी भूमि आवंटित करने का मुद्दा भी कार्ययोजना में नहीं आ पाया है।

दो साल पहले बन चुकी है समिति

2023 में तत्कालीन कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसके मद्देनजर एक समिति गठित की जा चुकी है। बताया जाता है कि इसको पार्किंग स्थल चिह्नांकन की साप्ताहिक समीक्षा करने का जिम्मा सौंपा गया था। जिला यातायात समिति के साथ समन्वय में काम करने का भी निर्णय लिया गया था, लेकिन यह समिति भी केवल कागजों में दबकर रह गई।

रोज पहुंचते हैं 25 हजार वाहन

एक जानकारी के अनुसार सामान्य दिनों में लगभग 20 से 25 हजार वाहन पुराने भोपाल के बाजार क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। शनिवार-रविवार यह संख्या बढ़कर 35 से 40 हजार हो जाती है। त्योहार सहित अन्य अवसर विशेष में यह आंकड़ा 50 से 60 हजार बताया जाता है। जबकि इस क्षेत्र में कुल वाहनों का 20 प्रतिशत से अधिक यहां पार्क नहीं किए जा सकते हैं। हालांकि मोती मस्जिद के सामने और चटोरी गली, इब्राहिमपुरा के पास दो बड़ी पार्किंग सुविधा है, लेकिन आने वाले वाहनों के मुकाबले यह कम है। जानकारी के मुताबिक वर्ष 2022 में भी इस क्षेत्र में चार नई पार्किंग निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया, लेकिन इसका क्रियांवयन नहीं हो पाया। यह कर्फ्यू वाली माता मंदिर ऑटो स्टैंड के पास महिलाओं के लिए पिंक पार्किंग ज़ोन के साथ शीश महल और महिला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में पार्किंग के साथ एक व्यावसायिक परिसर के रूप में बनाई जानी थी।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा ढांचे को सुदृढ़ बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और चिकित्सा शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री ने मंत्रालय भोपाल में चिकित्सकीय मैनपॉवर भर्ती प्रक्रिया, अधोसंरचना विकास कार्यों और नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हों जिससे जनता को समय पर सुविधाएं और युवाओं को रोजगार एवं शिक्षा के अवसर मिल सकें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती, उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं मानदेय से संबंधित विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती के लिए, नियमों में संशोधन की चल रही प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अंतर्विभागीय समन्वय और आवश्यक औपचारिकताओं को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रक्रिया 15 सितम्बर तक पूरी कर शीघ्र भर्ती की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एएनएम काउंसलिंग, फार्मासिस्ट नियुक्ति परीक्षा और हॉस्पिटल असिस्टेंट भर्ती की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की और समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। चिन्हित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में आउटसोर्सिंग के माध्यम से एफआरयू संचालन की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मरीजों को मानक अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चिकित्सा अधोसंरचना विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पीपीपी मोड पर धार, बैतूल, कटनी और पन्ना में मेडिकल कॉलेज स्थापना की कार्यवाही पर विस्तार से चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संबंधित अधिकारियों को भूमि आवंटन और अन्य आवश्यक सहयोग समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

नर्मदा एक्सप्रेस से गिरा युवक प्लेटफॉर्म पर घंटों पड़ा रहा, समय पर नहीं पहुंची डॉक्टर की टीम

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह हुई घटना ने रेलवे प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाओं की बड़ी लापरवाही को उजागर कर दिया। सुबह 7:52 बजे नर्मदा एक्सप्रेस से एक युवक प्लेटफॉर्म नंबर चार पर गिर गया। गंभीर रूप से घायल युवक प्लेटफॉर्म पर घंटों पड़ा रहा, लेकिन समय पर न तो डॉक्टर पहुंचे और न ही रेलवे स्टाफ ने उचित मदद की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन नर्मदा एक्सप्रेस भोपाल से इंदौर की ओर जा रही थी। इसी दौरान एक युवक किसी तरह ट्रेन से फिसलकर प्लेटफॉर्म नंबर चार पर गिर पड़ा। हादसे में युवक के पैर में गहरी चोट आई, जिसके बाद वह उठने तक की स्थिति में नहीं था। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत रेलवे स्टाफ को सूचना दी, लेकिन मदद मिलने में बेहद देर हो गई। चौंकाने वाली बात यह रही कि प्लेटफॉर्म नंबर एक पर डॉक्टरों की टीम हमेशा मौजूद रहती है, मगर उन्हें प्लेटफॉर्म नंबर चार तक पहुंचने में एक घंटे से अधिक का समय लग गया। इस दौरान घायल युवक असहाय होकर वहीं तड़पता रहा। जानकारी के मुताबिक, घायल युवक झारखंड का रहने वाला है। स्टेशन पर मौजूद सफाई कर्मी का कहना है कि अगर प्राथमिक उपचार समय पर मिल जाता तो युवक को राहत मिल सकती थी। राजधानी जैसे बड़े स्टेशन पर भी अगर हादसे के घायल यात्री को तुरंत मदद न मिले, तो छोटे स्टेशनों की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

अधर में चीता कॉरिडोर प्रोजेक्ट

भोपाल। मप्र और राजस्थान के बीच चीता कॉरिडोर विकसित करने का मामला खटाई में पता दिख रहा है। दोनों राज्यों के बीच इसे लेकर एमओयू होना था लेकिन मध्यप्रदेश ने ऐन मौके पर यू-टर्न ले लिया। एमपी के अफसरों का कहना है कि फिलहाल इसकी जरूरत नहीं है। वहीं, राजस्थान ने एमपी के अफसरों को पत्र लिखकर एकबार फिर एमओयू की याद दिलाई है। दरअसल, पिछले साल जून में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच चीता कॉरिडोर को लेकर चर्चा हुई थी। इसकी पहल एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तरफ से की गई थी। उन्होंने राजस्थान के सीएम से कहा था कि टाइगर हम संभालेंगे, चीता आप संभालो। इसके बाद इस कॉरिडोर पर राजस्थान की तरफ से तेजी से काम शुरू हुआ। राजस्थान ने न केवल बजट सत्र में इसका ऐलान किया बल्कि वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट से अनुरोध कर कॉरिडोर के लिए सर्वे भी कराया। राजस्थान पीसीसीएफ शिखा मेहरा ने कहा कि 23 जून की मीटिंग में एमपी के अफसर नहीं पहुंचे तो हमने उन्हें कॉल किया। पता चला कि मप्र के मुख्यमंत्री की तरफ से कुछ आपत्ति है। उन्होंने कहा कि इस मामले में एमपी के अफसर ही ज्यादा बता सकते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि एमओयू के लिए राजस्थान तैयार है। मप्र के अफसरों को दोबारा इसके लिए संपर्क किया गया है। एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आश्वासन मिलने के बाद राजस्थान के सीएम भजनलाल ने इसी साल बजट सत्र के दौरान इस कॉरिडोर की घोषणा कर दी। 30 अप्रैल 2025 को मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जयपुर के दौरे पर गए थे। तब उन्होंने कहा था कि यह चीता प्रोजेक्ट एशिया में अनूठा है। हमारे लिए यह खुशी की बात है कि चीता हमारे यहां सर्वाइव कर रहा है। यह विश्व के सर्वाधिक सफल होने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक है। राजस्थान के साथ संबंधों पर बात करते हुए मोहन यादव ने कहा था कि दोनों राज्य नदी जोड़ो अभियान के तहत पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना (पीकेसी-ईआरसीपी) पर काम कर रहे हैं।

त्योहार, मेला और वीकेंड पर बरती जाएगी विशेष सतर्कता

भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे ने तैयार किया रोड मैप, मंडल स्तर पर बनाई जा रही अग्रिम कार्ययोजना

भोपाल। महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में भगदड़ की घटना के बाद रेलवे ने भीड़ प्रबंधन की सतत अग्रिम योजना पर काम शुरू कर दिया है। अब मंडल स्तर पर प्रत्येक तीन माह में कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके लिए, रेल मंडल अगले तीन सप्ताह तक त्योहार, मेला और वीकेंड पर नजर रख रहे हैं। उन्हें ध्यान में रखकर स्टेशन एवं ट्रेन में भीड़ का अनुमान लगाया जा रहा है। यात्रियों की अतिरिक्त संख्या की आवाजाही को सुगम और सुरक्षित बनाने के उपाय तय किए जा रहे है।

इस अचानक उमड़ने वाली भीड़ नियंत्रण की रिपोर्ट को प्रत्येक रेल मंडल के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। जिसे रेलवे बोर्ड को भी प्रेषित करना होगा। ताकि यात्री दबाव बढ़ने से स्टेशन पर अराजकता की स्थिति निर्मित होने से रोका जा सकें। अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए विशेष ट्रेन, यात्री विश्राम स्थल के विस्तार सहित अन्य वैकल्पिक सुविधाओं को पहले ही सुनिश्चित कर लिया जाए। आवश्यकता होने पर बोर्ड की ओर से अतिरिक्त ट्रेन कोच, रैक एवं मानव श्रम उपलब्ध कराया जाएगा।

स्थानीय मेला, आयोजन का मांगा ब्योरा

रेलवे बोर्ड की ओर से अभी तक कुंभ जैसे बड़े आयोजन और दीपावली को लेकर अलग से तैयारी की जाती थी। जिसका दायरा बढ़ाते हुए अब स्थानीय स्तर पर होने वाले मेला और आयोजन में यात्री सुविधाओं को बोर्ड ने अपने अंतर्गत ले लिया है। प्रत्येक मंडल से भीड़ नियंत्रण को लेकर तीन सप्ताह की अग्रिम योजना प्रेषित करने का निर्देश दिया है। जिसमें मंडल को अपने क्षेत्र के अंतर्गत पर्यटक स्थल के साथ ही तीज, त्योहार, मेला, प्रस्तावित धार्मिक व अन्य आयोजन एवं वीकेंड पर बढ़ने यात्री दबाव का अनुमान बताना है। भीड़ की संभावना पर स्टेशन की व्यवस्था और ट्रेनों के सुगम परिचालन की कार्ययोजना प्रेषित करना है। कुंभ के दौरान अपनाए गए प्रबंधन को अपेक्षाकृत छोटे स्तर पर लागू करना है।

प्रमुख जंक्शन और स्टेशन चिह्नित

पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत प्रदेश में अधिक यात्री दबाव वाले 12 प्रमुख स्टेशन है। जिस पर त्योहार एवं किसी विशेष अवसर पर भीड़ बढ़ती है। जबलपुर और भोपाल रेल मंडल आने वाले संबंधित स्टेशनों में इटारसी, कटनी, बीना और सतना प्रमुख रेल जंक्शन है। जबलपुर जंक्शन, भोपाल जंक्शन, रानी कमलापति स्टेशन, मैहर और सागर को भी अवसर विशेष पर संबंधित रेल मंडल के भीड़ वाले स्टेशनों की सूची में शामिल किया है। नवरात्र पर शारदा देवी दर्शन के लिए मैहर, हरे माधव परामर्श सत्संग समिति की ओर से माधव शाह बाबा के बर्शी मेले के दौरान कटनी और तब्लीग इज्तिमा के समय भोपाल रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

इन उपायों से आईपीएल और रोमांचक बनेगा - आकाश चोपड़ा

मुम्बई। अभी भारत की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अभी विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी लीग है और इसमें दुनिया भर के खिलाड़ी खेलते हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि अगर कुछ कुछ बदलाव किये जाये तो आईपीएल और अभी अधिक रोमांचक हो जाएगी। आकाश चोपड़ा का मानना है कि अगर आईपीएल में बोनस अंक दिये जाने से लेकर इंजरी रिप्लेसमेंट जैसे नियम लाने की जरुरत है।

इंजरी रिप्लेसमेंट

उन्होंने कहा कि इंजरी रिप्लेसमेंट नियम भी लागे होना चाहिये। अगर किसी खिलाड़ी को चोट लग जाती है और वह खेल से बाहर हो जाता है तो उस टीम को किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करने का विकल्प मिलना चाहिये। घरेलू क्रिकेट में इस ट्रायल के आधार पर शुरू किया गया है। आईपीएल में भी ऐसा किया जा सकता है। मिड-सीजन ट्रांसफर का विकल्प भी होना चाहिये। किसी टीम के पास पैसे की परेशानी नहीं है। इसलिए फ्रेंचाइजी हर खिलाड़ी को टीम में रखती है, चाहे उसे एक बार भी अंतिम ग्यारह या फाइनल 16 में मौका मिले या नहीं। आकाश चोपड़ा चाहते हैं कि जैसे अभी हम 14 लीग मैच खेलते हैं और अगर आपने पहले 8 मैचों में किसी खिलाड़ी को एक बार भी फाइनल 16 (अंतिम ग्यारह और 5 सब्स्टीट्यूट) में नहीं रखा तो उसे मिड-सीजन ट्रांसफर विंडो में उपलब्ध कराया जाए, जिससे कोई अन्य टीम उसे ले सके।

बोनस अंक

आकाश चोपडा का कहना है कि उस विजेता टीम को बोनस अंक दिया जाना चाहिये जो 20 फीसदी के अंतर से जीत दर्ज करे। उन्होंने बताया कि अगर किसी टीम ने 200 रन बनाए और सामने वाली टीम को 160 रन पर रोक दिया तो इस केस में बोनस अंक मिले। दूसरा ये कि किसी टीम ने 16 ओवर में ही 200 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया तो इस मामले में भी बोनस अंक मिलना चाहिए, इस खेल का रोमांच और बढ़ेगा।

पावर सर्ज रूल

ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग की तरह आईपीएल में पावर सर्ज रूल लागू किया जाए तो ये खेल को और रोमांच से भर देगा। बीबीएल में पहले 4 ओवर पावरप्ले के होते हैं और उसके बाद 11वें ओवर के बाद आप 2 ओवर पावर सर्ज के तौर पर खेल सकते हैं, जहां फिर से फील्ड रिस्ट्रिक्शन्स लगी होंगी। वहां रन भी बन सकते हैं और विकेट भी गिर सकते हैं, क्योंकि बल्लेबाजों को आक्रामक खेलना ही होगा।

लेग साइड वाइड रूल

चोपड़ा का कहना है कि तमिलनाडु प्रीमियर लीग यानी (टीएनपीएल) की तरह ही आईपीएल में भी लेग साइड की वाइड को लेकर रूल बनाया जाए। थोड़ा बहुत अंतर गेंदबाज के लिए रखा जाए, क्योंकि अभी के लिए लेग स्टंप्स से जरा सी दूर की गेंद वाइड हो जाती है। उन्होंने ये भी माना कि ये गेम साइड ऑन है, इसलिए नियम बना था, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उस गेंद को खेला नहीं जा सकता हो। इसलिए एक और लाइन बना दी जाए कि यहां से बाहर की गेंद ही वाइड होगी, क्योंकि कई बार स्विंग होकर भी गेंद लेग साइड में चली जाती है।

विश्व एथलेटिक्स में नीरज सहित 19 सदस्यीय भारतीय दल उतरेगा

नई दिल्ली। स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा सहित 19 सदस्यीय भारतीय दल जापान में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेगा। ये चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक तोक्यो में खेली जाएगी। इस चैंपियनशिप में पहली बार चार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमें नीरज के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय में पांच महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं। भारत ने इससे पहले साल 2023 में हंगरी में हुए पिछले टूर्नामेंट में 28 एथलीट भेजे थे जिनमें सात रिले धावक शामिल थे। वहीं इस बार रिले स्पर्धा के लिए एक भी खिलाड़ी क्वालीफाई नहीं कर पाया। भारत को पदक की सबसे अधिक उम्मीदें नीरज से हैं। नीरज ने साल 2023 में बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक

जीता था। तीन हजार मीटर स्टीपलचेज के स्टार खिलाड़ी अविनाश साबले ने इसके लिए क्वालीफाई किया था पर जुलाई में एसीएल सर्जरी के कारण वह इस प्रतियोगिता से बाहर हो गये हैं।।

भारतीय दल इस प्रका है -

पुरुष - नीरज चोपड़ा, सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव (पुरुष भाला फेंक), मुरली श्रीशंकर (पुरुष लंबी कूद), गुलवीर सिंह (पुरुष 5,000 मीटर और 10,000 मीटर), प्रवीण चित्रावेल और अब्दुल्ला अबुबाकर (पुरुष त्रिकूद), सर्वेश अनिल कुशारे (पुरुष ऊंची कूद), अनिमेष कुजूर (पुरुष 200 मीटर), तेजस शिरसे (पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़), सर्विन सबेस्टियन (पुरुष 20 किमी पैदल चाल), राम बाबू और संदीप कुमार (पुरुष 35 किमी पैदल चाल)।

महिलाएं - पारुल चौधरी और अंकिता ध्यानी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), प्रियंका गोस्वामी (महिलाओं की 35 किमी पैदल चाल), पूजा (महिलाओं की 800 मीटर और 1500 मीटर)।

शुभमन, बुमराह सहित एशिया कप के लिए शामिल खिलाड़ियों ने फिटनेस टेस्ट पास किया

मुम्बई। बल्लेबाज शुभमन गिल और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह सहित सभी भारतीय खिलाड़ियों ने एशिया कप से ठीक पहले बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। बुमराह और शुभमन के अलावा जितेश शर्मा भी फिटनेस जांच में पास हो गये हैं। भारतीय टीम 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए शीघ्र दुबई रवाना होगी। शुभमन बीमार होने के कारण दिलीप ट्रॉफी से बाहर हो गये थे। ऐसे में उनके लिए ये फिटनेस जांच में पास होना जरुरी था। शुभमन को उत्तर क्षेत्र का कप्तान बनाया गया था पर वह बुखार के कारण नहीं खेल पाये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार जिन अन्य खिलाड़ियों ने बिना आराम से फिटनेस टेस्ट पास कर दिया है। उनमें मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल, वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर भी शामिल हैं। अब मानक यो-यो टेस्ट के अलावा फिटनेस परीक्षण के दौरान खिलाड़ियों की हड्डियों के घनत्व की जांच के लिए एक सरलीकृत विधि डीएक्सए स्कैन भी किया गया। यशस्वी और सुंदर दोनों महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए स्टैंडबाई सूची में हैं जबकि शारदुल चार सितंबर से मध्य क्षेत्र के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करने के लिए शहर में ही रहेंगे। एशिया कप टीम के अन्य सदस्य जैसे अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और रियान पराग (स्टैंडबाय) अपनी-अपनी क्षेत्रीय टीमों के लिए दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में खेल चुके हैं और अब उनके लिए अलग से फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। वहीं स्टैंडबाई खिलाड़ियों में शामिल विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल कमर में दर्द के कारण दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए थे और ऐसे में अब उन्हें भी फिटनेस टेस्ट देना होगा।

अब आईएलटी20 लीग में खेलेंगे अश्विन

चेन्नई। हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर आर अश्विन अब विदेशी लीग (आईएलटी20) में खेलते हुए दिखेंगे। अश्विन ने आईपीएल छोड़ते समय ही साफ कर दिया था कि अब वह नई संभावनाएं तलाशेंगे। इसी को सही साबित करते हुए

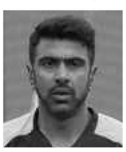

अश्विन ने अब एक अंतरराष्ट्रीय लीग से करार भी किया है। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के समय कहा था, हर अंत की एक नई शुरुआत होती है, एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है पर विभिन्न लीगों में संभावना तलाशने का दौर प्रारंभ हो रहा है।

अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग (आईएलटी20) 2026 की नीलामी के लिए करार किया है। यूएई में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में पहले ड्राफ्ट प्रणाली का पालन होता था पर इस सत्र से नीलामी प्रणाली शुरु की जाएगी। ये 30 सितंबर को दुबई में होगी। अश्विन ने कहा, मैंने आईएलटी20 लीग में नीलामी के लिए अपना नाम भेज दिया है। उम्मीद है कि मुझे कोई खरीदार मिल जाएगा। इस लीग में छह टीमों अबू धाबी नाइट राइडर्स, डेजर्ट वाइपर्स, दुबई कैपिटल्स, गल्फ जायंट्स, एमआई एमिरेट्स और शारजाह वॉरियर्स हैं जिनमें से किसी एक को अश्विन मिलेंगे। वह रोबि उथप्पा, यूसुफ पठान और अंबाती रायुडू के बाद इस लीग में खेलने वाले चौथे भारतीय होंगे। ये लीग इसी साल 2 दिसंबर से शुरु होगी।

बुमराह वर्तमान दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज - अकरम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह वर्तमान समय के एक महान गेंदबाज हैं। अकरम ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम प्रबंधन उनके वर्कलोड का ध्यान रख रहा है वह भी सराहनीय बात है। अकरम ने कहा कि बुमराह विश्व-स्तर के गेंदबाज है और इसमें किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिये। इस पूर्व गेंदबाज ने कहा , बुमराह का ऐक्शन सबसे अलग है। उनके पास गति है और जिस तरह से प्रबंधन उनका ध्यान रख रहा है वह भी काफी अच्छी बात है। इसका पूरा श्रेय प्रबंधन और इस गेंदबाज की मानसिकता को जाता है। अकरम से जब यह पूछा गया कि क्या बुमराह ऑल-टाइम ग्रेट हैं तब उन्होंने कहा , किसी भी अलग-अलग दौर की तुलना नहीं की जा सकती। वह दाहिने हाथ के

तेज गेंदबाज हैं, मैं बाएं हाथ का गेंदबाज था। मैंने सोशल मीडिया पर कई बार बहस देखी हैं पर उससे न तो बुमराह और न ही मुझे फर्क पड़ता है। वह आधुनिक दौर के महान हैं। मैंने अपने समय में अपना योगदान दिया पर वह बहुत ही प्रभावशाली हैं।

क्रिकेट में आए बदलाव को लेकर उन्होंने कहा कि अब गेंदबाजों को विकेट मिलने के अवसर ज्यादा हैं क्योंकि बल्लेबाज हर समय शॉट खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 90 के दशक में टी20 नहीं था। एकदिवसीय में बल्लेबाज खराब गेंदों को छोड़ दिया करते थे पर अब तो टेस्ट में भी अच्छी गेंदों तक पर शॉट लग रहे हैं। इससे गेंदबाजों पर दबाव ज्यादा हो गया है। बुमरहा के पास विकेट लेने के अवसर ज्यादा हैं क्यों बल्लेबाज की नजर हमेशा शॉट पर रहती है। गेंदबाज के तौर पर हम उस आक्रामकता का आनंद लेते हैं।

टेस्ट क्रिकेट को कुछ टीमों के लिए 5 दिन के बजाय 4 दिन तक का करने वाले यानी टू-टियर सिस्टम के प्रस्ताव को भी अकरम ने बेकार बताया है।

वैभव सूर्यवंशी के निडर रवैये के कायल हुए रैना

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने 14 साल के उभरत हुए क्रिकेट सितारे वैभव सूर्यवंशी की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उसका निडर रवैया उसे सबसे अलग बताता है। वैभव ने आईपीएल 2025 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से आक्रामक बल्लेबाजी कर सबको प्रभावित किया था। वैभव को राजस्थान ने 1.1 करोड़ रुपए में लिए था। इस क्रिकेटर ने 35 गेंदों में शतक लगाकर अपने चयन को सही साबित किया था। इस क्रिकेटर ने अंडर- 19 टीम के साथ ही इंग्लैंड दौरे पर भी जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। । वैभव ने इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ एकदिवसीय मैच में 52 गेंदों में शतक लगाकर रिकार्ड बनाया था। रैना ने कहा, वैभव और उसका निडर रवैया अन्य सब युवाओं से अलग है।

दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा- बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई का ये बयान प्रशंसकों की आलोचना को देखते हुए आया है। प्रशंसकों ने दलीप ट्रॉफी मैचों का प्रसारण नहीं किये जाने पर निराशा जतायी थी। बीसीसीआई ने कहा है कि 11 से 15 सितंबर के बीच होने वाले दलीप ट्रॉफी का फाइनल टीवी पर प्रसारित किया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा। हमने अपने प्रसारक के साथ 100 दिनों के घरेलू क्रिकेट का सीधा प्रसारण पक्का करने के लिए करार किया है।

रोहित ने पास किया प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट

बेंगलुरु । भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को यहां बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हुए प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट को पास कर लिया है। इससे अब रोहित के अगले माह होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेलने को लेकर लगी सभी आशंकाएं समाप्त हो गयी हैं। इसी के साथ ही रोहित की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी भी तय हो गयी है। रोहित आईपीएल 2025 सत्र के बाद से ही मैदान से बाहर हैं। जिससे उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठते रहे हैं। वहीं अब रोहित ने फिटनेस टेस्ट पास कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है।

रोहित ने इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तभी से कहा जाने लगा था कि अब वह एकदिवसीय प्रारुप को भी अलविदा कह देंगे पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पुष्टि की थी कि वह एकदिवसीय कप्तान बने रहेंगे। वहीं एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के एकदिवसीय दौरे के बाद 50 ओवर क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। रोहित ने हालांकि अभी तक इन अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रोहित के अनुसार उन्होंने अनिवार्य फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। गौरतलब है कि टेस्ट और टी20आई से संन्यास के बाद रोहित के पास अभी कोई करार नहीं है, लेकिन वो अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया जाएंगे। इसकी तैयारी के लिए वह 30 सितंबर, 3 और 5 अक्टूबर को कानपुर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों में खेलकर लय हासिल करेंगे।

हरभजन ने थप्पड़ कांड का वीडियो दोबारा जारी करने के लिए ललित मोदी की आलोचना की

नई दिल्ली। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल 2008 के थप्पड़ कांड का वीडियो दोबारा जारी करने के लिए पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी की कड़ी आलोचना की है। हरभजन ने उस मैच में नाराज होकर विरोधी टीम के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को एक थप्पड़ लगा दिया है हालांकि उसके बाद से ही हरभजन ने कई बार श्रीसंत से माफी मांग ली थी। साथ ही कहा था कि उस घटना का पछतावा उन्हें हमेशा रहेगा। अब घटना के 17 साल बाद उसी वीडियो को जारी किये जाने से हरभजन नाराज हैं। हरभजन ने कहा है कि जिस बात को लोग भूल गए थे, उसे इतने सालों बाद सार्वजनिक करने की क्या जरूरत थी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे पूर्व आईपीएल कमिश्नर को कोई निजी हित छिपा होगा। हरभजन से ब थप्पड़ कांड का वीडियो लीक होने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि लोग भूल गए थे, और अब उन्हें उसकी दोबारा याद दिलाई जा रही है।

हरभजन ने कहा कि जिस तरह से वीडियो लीक किया गया है, वो गलत है। यह नहीं होना चाहिए। इसके पीछे ललित का कुछ स्वार्थ होगा। कई साल पहले कुछ हुआ था, लोग उसे भूल गए हैं और वे उसे याद दिला रहे हैं। हरभजन ने आगे कहा, 'जो कुछ भी हुआ उसके लिए मुझे भी बुरा लगता है। हम लोग खेल रहे थे, और सबके मन में कुछ न कुछ चलता रहता है। गलतियां होती हैं और हम उसके लिए शर्मिंदा महसूस करते हैं।' साथ ही कहा, 'वह दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और मैं कई मौकों पर कह चुका हूं कि मुझसे गलती हुई थी। इंसान गलतियां करता है, मैंने भी की। मैंने भगवान गणेश से प्रार्थना की है कि अगर मैं भविष्य में गलतियां करता हूं तो मुझे क्षमा करें। गलतियां होती हैं।' हरभजन ने अभी हाल ही में आर अश्विन के साथ हुई बात में भी थप्पड़ कांड के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनके श्रीसंत के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। वहीं ललित मोदी ने पिछले सप्ताह पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के साथ बातचीत बाद थप्पड़कांड का वीडियो जारी किया था। देखते ही देखते वो वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत ही तेजी से वायरल हो गया।

पूर्व दिग्गज बोले, स्मिथ और मैक्सवेल के विकल्पों की अभी से तलाश करें ऑस्ट्रेलिया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि साल 2027 विश्व कप को देखते हुए टीम को अभी से बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों के विकल्प तलाशने होंगे। इसके साथ ही तय रणनीति के अनुसार तैयारियां करनी होंगी। स्मिथ और मैक्सवेल ने चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद ही एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया था। इन दोनो का विकल्प तलाशना आसान नहीं है क्योंकि स्मिथ लंबी बारी खेलने वाले बेहतरीन बल्लेबाज हैं। वहीं मैक्सवेल गेंद औरा बल्ले दोनो से ही अहम भूमिका निभाते हैं। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से ही खिलाड़ियों पर नजर रखनी होगी। मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल ओवेन और लांस मौरिस चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में किन खिलाड़ियों को स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल की जगह मौका दिया जाए। ये सवाल इस सीरीज के अलावा आने वाली सीरीजों में भी ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता का कारण होगा। मार्नस लाबुशेन एकदिवसीय सीरीज खेलेंगे, क्योंकि अनुभवी बल्लेबाज भी टीम में होना चाहिए। हालांकि, वे टेस्ट टीम से बाहर हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया को अब उनको कूपर कोनोली, आरोन हार्डी और मैट कुहनेमैन पर भरोसा करना होगा। इनमें से जिस भी खिलाड़ी को इस सीरीज में मौका मिलेगा और वह इन अवसरों का लाभ उठाना चाहेगा और स्मिथ और मैक्सवेल की जगह वह टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेगा। वहीं दूसरी ओर अफ्रीका की टीम के लिए बेहतर हालत में है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में विफल हुए रुट तो विराट जैसी हालत होगी - पनेसर

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि अगर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज क्रिकेट सीरीज में बल्लेबाज जो रुट विफल रहते हैं तो उनके लिए टीम में अपनी जगह बनाने रखना कठिन हो जाएगा। पनेसर ने कहा है कि ऐसे में रुट की हालत भी भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली की तरह हो जाएगी। इंग्लैंड टीम को 21 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज खेलनी है। रूट का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया में में अच्छा नहीं रहा है। वह ऑस्ट्रेलिया में 27 पारियों में 5.68 की औसत से केवल 892 रन ही बना पाये हैं। वहीं कोहली को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर काफी परेशानी हुई थी और ये उनके करियर की अंतिम टेस्ट सीरीज साबित हुई। इसमें असफल होने से इतना दबाव पड़ा कि इंग्लैंड दौरे से पहले ही उन्हें संन्यास की घोषणा करनी पड़ी।

पनेसर ने कहा, रुट के लिए टीम में बने रहना इस बात पर निर्भर करता है कि अगला साल उनके लिए कैसा रहेगा, एशेज कैसी रहेगी, हमने विराट के साथ बहुत कुछ देखा है। कोहली ऑस्ट्रेलिया गए और उन्हें समझ नहीं आया कि चौथे, पांचवें स्टंप के बाहर की गेंदों का क्या करें। मुझे लगता है कि इसी वजह से उन्होंने संन्यास लेने का फैसला किया। अगर रूट भी एशेज सीरीज में रन नहीं बना पाये तो उनके लिए भी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। यहीं नहीं इसमें हार पर इंग्लैंड टीम के कोच, कप्तान को भी अपना पद गंवाना पड़ सकता है। सीरीज खराब रहने पर लोग सवाल करने लगते हैं, क्या उनका बेस्ट निकल गया है? इसलिए जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं तो प्रदर्शन काफी मायने रखता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने अच्छे हैं, आपको ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा।

रूट टेस्ट क्रिकेट में 13453 रन बना चुके हैं, जिसमें 39 शतक शमिल हैं पर अभी तक वह ऑस्ट्रेलिया में कोई शतक नहीं लगा पाये हैं। पनेसर का मानना है कि एशेज सीरीज में रूट के लिए ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी सतहों पर शतक लगाना काफी कठिन होगा। उन्होंने कहा, यह उनके लिए बहुत मुश्किल होने वाला है क्योंकि उन्हें एक मजबूत ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी का सामना करना होगा और इस बार का गेंदबाजी आक्रमण पहले से भी खतरनाक है। रुट ने हालांकि जिस तरह का फॉर्म उन्होंने दिखाया है और जो जिस प्रकार से वह रन बना रहे हैं उसमें वह शतक लगाना चाहेंगे। मुझे भरोसा है कि एक टेस्ट मैच ऐसा जरूर होगा जहां विकेट ज्यादा उछाल वाला नहीं होगा, और उसी में रुट के पास शतक लगने का अवसर होगा।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के लिए नये प्रायोजक की तलाश शुरु की, 450 करोड़ रुपये रखी प्रायोजन राशि

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने क्रिकेट टीम के लिए नये स्पॉन्सर (प्रायोजक) की तलाश शुरु कर दी है। नए करार के लिए 450 करोड़ रुपये की रकम तय की गयी है। ये ड्रीम11 के साथ हुए 358 करोड़ रुपये के करार से ज्यादा है। ड्रीम11 को ऑनलाइन गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद प्रायोजन करार से हटना पड़ा था जबकि उसका करार साल 2026 तक था। ऐसे में बीसीसीआई को अचानक ही नये प्रयोजक की तलाश करनी पड़ी है। बीसीसीआई के लिए हालांकि 9 सितंबर से शुरु हो रही एशिया कप से पहले प्रायोजक मिलना संभव नहीं है। एशिया कप 9 सितंबर से ही शुरु हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब बीसीसीआई की नजर 2025 से 2028 के लिए नए प्रायोजक की तलाश पर है और इस करार की कीमत करीब 450 करोड़ रुपये होगी जो ड्रीम11 की 358 करोड़ रुपये की रकम से कहीं अधिक होगी।

गौरतलब है कि ड्रीम11 ने बीसीसीआई के साथ 3 साल के लिए प्रायोजन करार पर हस्ताक्षर किए थे। इस दौरान वह बोर्ड को 358 करोड़ रुपये दे रही थी। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब साल 2025 से 2028 की अवधि के बीच ही भारतीय टीम के 140 मैचों के लिए नए प्रायोजक की तलाश तेज कर रही है। ड्रीम11 ने जितने में प्रायोजन करार किया था। नए प्रायोजक को उससे ज्यादा रकम पैसा देना होगा। प्रायोजन करार घरेलू सीरीज के मैच के साथ-साथ विदेश में खेले जाने वाले द्विपक्षीय मैचों और बहुपक्षीय टूर्नामेंट के मैचों पर भी लागू होगा। बोर्ड ने प्रति द्विपक्षीय मैच के लिए 3.5 करोड़ रुपये की प्रायोजन राशि रखी है। इसके अलावा आईसीसी और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एससीसी) के मैचों के लिए प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा है।

आईसीसी ने महिला विश्वकप के लिए इनामी बढ़ाई

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसी माह के अंत में होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप 2025 के लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। महिला विश्व कप का आयोजन संयुक्त रुप भारत और श्रीलंका में होगा। आईसीसी ने इस बार इनामी राशि को 297 फीसदी बढ़ा दिया है। अब इनामी राशि के तौर पर 13.88 मिलियन डॉलर की राशि मिलेगी। वहीं अब तक ये 3.5 मिलियन डॉलर थी। ये राशि अब पुरुष विश्वकप में दी जाने वाली राशि से भी अधिक हो गयी है।

पुरुष विश्व कप 2023 में कुल इनामी राशि 10 मिलियन डॉलर रखी गई थी, वहीं विजेता टीम ऑस्ट्रेलिया को 4 मिलियन डॉलर जबकि उप-विजेता भारत को 2 मिलियन डॉलर दिये गये थे जबकि महिला विश्वकप की राशि इसकी तुलना में 3.88 मिलियन डॉलर बढ़ाई गई है जो भारतीय रुपए के हिसाब से 34 करोड़ रुपए से भी अधिक है। महिला विश्वकप की विजेता टीम को 4.48 मिलियन डॉलर यानी 39.54 करोड़ रुपए की ईनामी राशि मिलेगी। वहीं उप-विजेता को 19.77 करोड़ रुपए मिलेंगे। आईसीसी का कहना है कि महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए इनामी राशि बढ़ायी गयी है। महिला टी20 विश्वकप 2024 से पहले आईसीसी ने पुरुष और महिला क्रिकेट के वेतन में समानता लागू की थी। उसी को देखते हुए महिलाओं की इनामी राशि बढ़ायी गयी है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, इनामी राशि बढ़ाने की घोषणा महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में निर्णायक साबित होगी। पुरस्कार राशि में यह चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट क लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और इसके दीर्घकालिक विकास के प्रति हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता दिखाती है। हमारा संदेश सरल है, महिला क्रिकेटरों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे इस खेल को पेशेवर रूप से चुनेंगी तो उनके साथ पुरुषों के समान व्यवहार किया जाएगा। यह वृद्धि एक विश्वस्तरीय आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप आयोजित करने और खिलाड़ियों और प्रशंसकों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने की हमारी मंशा को साबित करती है।

अमनो आमान, शांति के पैगाम के साथ निकाला जाएगा जुलूस ए मोहम्मदी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मुस्लिम धर्मावलंबियों का सबसे बड़ा पर्व जश्ने ईद मिलादुन्नबी 05 सितंबर दिन शुक्रवार को बालाघाट जिला सहित संपूर्ण देश व पुरी दुनिया में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जहां सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।आखरी पैगंबर मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर मनाए जाने वाले इस पर्व पर हर साल की तरह इस साल भी नगर में अमनो अमान के संदेश के साथ जुलूस ए मोहम्मदी निकाला जाएगा। जिसको लेकर सोमवार को अंजुमन इस्लामिया कमेटी के दफ्तर में एक बैठक का आयोजन किया गया।जिन्होंने 05 सितंबर शुक्रवार कि सुबह 8:45 बजे हर साल की तरह इस साल भी जामा मस्जिद चौक पर परचम कुशाई(झंडा फहराने) के बाद जुलूस ए मोहम्मदी निकालने की जानकारी दी। इस दौरान शहर काजी मौलाना हबीब नूरी, वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष अनीश मेमन, अंजुमन इस्लामिया कमेटी पूर्व सदर शेख सुभान मंसूरी, अंजुमन इस्लामिया कमेटी पदाधिकारी हारून खान, अन्य पदाधिकारी सदस्य व ,समाज के पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

डीजे, नाच गाने, केक काटने, फटाखे फोड़ने पर लगाया गया प्रतिबंध

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर पिछले साल हुई घटना को ध्यान में रखते हुए इस साल अंजुमन इस्लामिया कमेटी द्वारा समाज के नौजवानों को सख्त निर्देश दिए गए हैं।जिन्होंने जुलूस ए मोहम्मदी के दौरान कई तरह की पाबंदियां लगाई गई है। जानकारी के अनुसार सुबह 8:45 बजे परचम कुशाई (झंडा फहराने) के बाद सुबह 9:00 बजे जामा मस्जिद चौक से शहर के ग्रस्त के लिए जुलूस निकालने की जानकारी दी गई। जुलूस में डीजे साउंड को पूर्ण तरह से प्रतिबंध किया गया है।तो वहीं तब्बरूक (प्रसाद) वितरण के लिए तय गए निश्चित स्थान पर ही प्रसाद का वितरण करने की बात कही है। उन्होंने जुलूस में पानी, शरबत, मिठाइयों के इंतजाम किए जाने, जुलूस में सिर्फ और सिर्फ इस्लामी परचम (झंडा) लेकर चलने, इस्लामी झंडे के अलावा दूसरे झंडा ना लहराने, बगैर प्रशासनिक इजाजत के रैली ना निकालने, और जुलूस में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने की बात कही है। तो वहीं उन्होंने जुलूस के दौरान केक काटने, पटाखे फोड़ने, आतिशबाजी करने और नाचने गाने पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया है।इसके अलावा इस्लामी नारों के अलावा जुलूस में कोई भी जज्बाती नारे न लगाने की अपील की है। इसके अलावा जुलूस के लिए अलग से वॉलिंटियर टीम का गठन करने की जानकारी देते हुए, प्रशासनिक अधिकारियों के दिशा निर्देश का पालन करने और प्रशासन का सहयोग किए जाने की सामाजिक बंधुओ से अपील की है।

इन मार्गो से होकर गुजरेगा जुलूस

आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पदाधिकारियों ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी जुलूस ए मोहम्मदी, अपने पुराने रूट के अनुसार निकाला जाएगा। यह जुलूस जामा मस्जिद से अंजुमन शादी हाल होते हुए बैहर चौकी, मरारी मोहल्ला से देवी तालाब रोड, इतवारी बाजार से मेंन रोड, महाराणा प्रताप चौक से नोवेल्टी हाउस चौक, महावीर चौक से राजघाट चौक, कालीपुतली चौक से जय स्तंभ चौक, बूढ़ी मस्जिद चौक से रानी आवंती बाई चौक, वहां से बस स्टैंड, बस स्टैंड से वापस बैहर रोड, रजा चौक से गुजरी चौक, वहां से पुलिस लाइन क्वार्टर होते हुए जामा मस्जिद में जुलूस का समापन किया जाएगा।

अदब एहतेराम का रखे पूरा ख्याल- शहर काजी

शहर काजी मौलाना अब्दुल हबीब नूरी ने बताया कि जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप अदब व एतराम के साथ निकाला जाएगा। 5 तारीख को जामा मस्जिद चौक में 8:45 बजे झंडा फहराकर जुलूस की शुरुआत होगी।यह जुलूस हुजूर मोहम्मद साहब की पैदाइश के 1500 साल पूरे होने पर नगर, देश व दुनिया के पूरे मुल्को में निकाला जाएगा। क्योंकि यह जुलूस अमन शांति के दूत मोहम्मद साहब का जुलूस है इसीलिए जिले के लोगों से अपील है कि इस्लामी तरीके से ही जुलूस निकाले, यह हमारा धार्मिक जुलूस होता है इसमें गैर कानूनी नारे ,गैरकानूनी बातें या शरीयत व इस्लामी बातों के खिलाफ कोई भी काम ना करें, पटाखे ना फोड़े, आतिशबाजी ना करे, उल्टे सीधे नारे न लगाए यदि कोई ऐसा करता है तो उस पर प्रशासनिक कार्यवाही की जाएगी।

तरह-तरह की रहेगी पाबंदी-मंसूरी

अंजुमन इस्लामिया कमेटी पूर्व सदर शेख सुभान मंसूरी ने बताया कि जिस तरह हर साल, ईद मिलादुन्नबी पर जुलूस ए मोहम्मदी निकाला जाता था उसी तरह इस साल भी इंशाअल्लाह जुलूस शानो शौकत के साथ निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि हर साल जो रूट रहता है जुलूस उसी रूट पर निकलेगा। इसमें डीजे पर प्रतिबंध रहेगा, गैर मुल्कों के झंडों पर प्रतिबंध लगाया गया है। यदि कोई भी दूसरे मुल्क के झंडा लहराता है तो उसपर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। जुलूस में सिर्फ हरे रंग के झंडे रहेंगे, रास्तों में केक काटना, पटाखे फोड़ने हुड़दंग मचाने पर प्रतिबंध रहेगा। यदि कोई ऐसा करता है तो उसपर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। वही कोई डीजे लाता है तो कमेटी द्वारा उसे खुद हटा दिया जाएगा इसके अलावा इस जुलूस के संचालन के लिए 15 से 20 लोगों की एक कमेटी बनाई गई है यह कमेटी अपने हिसाब से जुलूस का संचालन करेगी

पुलिस पेंशनर संघ स्थापना दिवस को लेकर बैठक सम्पन्न, विभिन्न मुद्दों पर भी की गई चर्चा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मध्यप्रदेश पुलिस पेंशनर संघ के प्रांतीय अध्यक्ष एवं संस्थापक महेन्द्र प्रताप सिंह परिहार के दिशानिर्देशन में जिला पुलिस पेंशनर संघ बालाघाट इकाई की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया जिलाअध्यक्ष उमेश चन्द्र प्रजापति के नेतृत्व में आयोजित इस मासिक बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर भी चर्चा की गई इस दौरान 4 अक्टूबर को पुलिस पेंशनर संघ स्थापना दिवस मनाया जाना है जिसमें मुख्य अथिति पुलिस अधिकारी को आमंत्रित करना है उक्त कार्यक्रम को भव्य एवं यादगार के रूप में मनाने चर्चा की गई इस संबंध में जिला पुलिस पेंशनर संघ के पदाधिकारी, सदस्यगणों से चर्चा कर अभिमत प्राप्त किये गये, पुलिस पेंशनर संघ के जो स्थाई सदस्य बन गये है और उनके आईकार्ड नहीं बने है वो अपनी आवश्यक जानकारी संबंधित को देने अवगत कराया गया,मासिक बैठक में उपस्थित पुलिस पेंशनर संघ के सदस्यों की विभागीय एवं निजी समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई वही पुलिस पेंशनर संघ के कार्य में कैसी प्रगति लाई जाये इस पर विस्तार से चर्चा की गई।उसके अलावा पुलिस पेंशनर संघ सदस्यों के स्वास्थ्य के संबंध में चर्चा कर नियमित योग प्राणायाम कर स्वास्थ्य को बेहतरीन बनाए रखने,निरोगी काया पर ध्यान देने, की जानकारी दी गई इसके अलावा किसी सदस्य के घर कोई दुख या सुख से संबंधित कार्य में समय निकालकर उपस्थित होने का फैसला लिया गया। ताकि संगठन में मजबूती व सामाजस्य बना रहे। म. प्र. पुलिस पेंशनर संघ के प्रांतीय अध्यक्ष एवं स्थापक के द्वारा समय समय पर जो दिशा निर्देश प्राप्त होते है उन्हें पढ़ समझकर पालन करना सुनिश्चित करने की बात पर जोर दिया गया।बैठक में मंच संचालन कार्य पीसी भालाधरे द्वारा किया गया तथा आभार व्यक्त नेमीचंद सोनेकर द्वारा किया गया। जिला पुलिस पेंशनर संघ के पदाधिकारी रेंज उपाध्यक्ष नेमीचंद सोनेकर, कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह परिहार, सचिव नरेन्द्र दुबे, मीडिया प्रभारी पीसी भालाधरे, उपाध्यक्ष प्रेमलाल शिववंशी, सहसचिव भानुप्रताप उपाध्याय, महिला सदस्य सुश्री जयशिला मेश्राम, सुश्री निर्मला चौधरी सहित पदाधिकारी व अन्य सदस्यगण बैठक में उपस्थित रहे ।

विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्धघुमंतु जातियों के छात्र-छात्राओं से प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए 15 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। केंद्र शासन के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की विमुक्त घुमन्तु एवं अर्धघुमंतु जातियों के छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्तापूर्ण कोचिंग प्रदान करने की योजना के अंतर्गत 15 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इस योजना का लाभ एनईईटी, जेईई मेंस, सीएलएटी, एनडीए, टीओईएफएल, एसएटी, सीए-सीपीटी, आरआरबी, बैंकिंग, इंश्योरेंस, राज्य पुलिस एवं सीपीएल (कमर्शियल पायलट लाइसेंस) कोर की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को प्राप्त हो सकेगा। इच्छुक छात्र छात्राएं 15 सितम्बर तक वेबसाईट http://www.bys.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमंतु एवं अर्द्धघुमंतु विभाग श्रीमती अंजना जैतवार ने बताया कि योजना के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को 1 लाख 20 हजार रुपए तक का कोचिंग शुल्क तथा मासिक वृत्ति प्रदान की जाएगी। विमुक्त घुमंतु एवं अर्द्धघुमन्तु या राज्यवार सूचीबद्ध जातियों एवं समुदायों के 12वीं कक्षा उत्तीर्ण या उसमें अध्ययनरत ऐसे छात्र-छात्राएँ योजना का लाभ लेने के लिए पात्र होंगे, जिनके परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपये या उससे कम होगी। इसके साथ ही आवेदक को उस प्रतियोगी परीक्षा में न्यूनतम निर्धारित अंक प्राप्त होने चाहिये, जिसकी कोचिंग हेतु वे आवेदन कर रहे हैं।

हिंदी पखवाड़ा समारोह का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट में 01 सितम्बर से 15 सितम्बर तक हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम मनाया जाना है। इसी कड़ी में 01 सितम्बर को हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ श्री गणेश, सरस्वती पूजन माल्यार्पण, अतिथि स्वागत, एकल हिंदी गीत गायन शिक्षकों और प्राचार्य के द्वारा उद्घोधन से किया गया। हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत बच्चों के लिए स्रुतलेख, भजन गायन, दोहा वाचन, तात्कालिक भाषण, वाद-विवाद, निबंध लेखन, नाटक मंचन और देशभक्ति गीत गायन आदि प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जायेगा।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट (भरवेली) के प्राचार्य अरूण कुमार तुमसरे द्वारा बताया गया कि इस पखवाड़े में विद्यालय शिक्षकों कर्मचारियों के लिए राजभाषा पर आधारित प्रश्नोत्तरी, संगणक पर हिंदी टंकण, प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता, हिंदी भाषा पर संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। विद्यालय के शिक्षकों कर्मचारियों और बच्चों ने संकल्प लिया कि हमे हिंदी भाषा में काम करना चाहिए। हिंदी पर हमे गर्व करना चाहिए और हिंदी के प्रचार और प्रसार के लिए हमेशा अपना योगदान देना चाहिए। विद्यालय में प्रतिदिन प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में अहिन्दी भाषी बच्चों और शिक्षकों ने हिंदी भाषा के विषय पर कविता वाचन और हिंदी राजभाषा पर अपने विचार प्रस्तुत किया जायेगा। प्राचार्य श्री तुमसरे ने अपने उद्बोधन में बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हम हिंदी भाषा का सही लेखन और सही उच्चारण कर ही अपनी राष्ट्रभाषा की सेवा कर सकते है। हिंदी संस्कारवान भाषा है, जिस पर हमें गर्व करना चाहिए है। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की छात्रा शैली सोनी और अक्षिता पाण्डेय द्वारा किया गया।

आमगांव के हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाया जा रहा गणेशोत्सव

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय से 3 किमी दूर ग्राम आमगांव के हनुमान मंदिर में सार्वजनिक जय बजरंग गणेश उत्सव समिति आमगांव द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी हनुमान मंदिर में प्रथम पूज्य भगवान गणेश की प्रतिमा 27 अगस्त दिन बुधवार को स्थापित कर धूमधाम से मनाया जा रहा है।सुबह शाम गजानंद महाराज कि विधि विधान के साथ आरती हो रही है, वहीं रात्रि में नन्हे मुन्ने बच्चों, महिलाएं, बुजुर्गों द्वारा मटकी फोड़, कुर्सी दौड़ आयोजित किया जा रहा है। सुबह शाम गजानंद महाराज के भजन गायन भजन मंडली द्वारा किया जा रहा है। 01 सितम्बर दिन सोमवार को हवन यज्ञ किया गया जिसमें बड़ी संख्या में गणपति बप्पा के भक्तजनों ने उपस्थिति देकर पुण्य लाभ लिए। इसी प्रकार आज दिनांक 02 सितंबर दिन मंगलवार को मां लाजवंती जागरण ग्रुप आर्केस्ट्रा लांजी की शानदार प्रस्तुति दी जायेगी एवं 6 सितम्बर दिन दिन शनिवार को विशाल भंडारा का आयोजन किया जायेगा इस भंडारे में उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील समिति के अध्यक्ष ओमकार पांचे, उपाध्यक्ष अमन सिंह चौहान , सचिव चेतन पांचे, कोषाध्यक्ष राजकुमार मौदेकर ,डिलेन्द्र सिल्हारे तपेश अगासे, सतीश चौधरी, सरोज बिसेन, नेतलाल पांचे, संतोष मौदेकर, मुंशी नागफासे, भोजलाल पांचे, घनश्याम पांचे, महेश मातरे, दशरथ खरे, राधेश्याम पांचे, समीर मातरे, विजय मातरे, ज्वालाप्रसाद पांचे, मनीष नगोश्वर, सुजल पांचे, सतीश नागफासे, रमेश मातरे , लोकेश खरे सहित समस्त ग्रामीणों ने की है।

13 सितम्बर को आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन तथा प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 13 सितम्बर (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय, समस्त तहसील न्यायालयों में श्रम न्यायालय, कुटुम्ब न्यायालय तथा अन्य न्यायालयों में किया जा रहा है। जिसमें न्यायालयों में लंबित आपराधिक, विद्युत, चेक डिसऑनर, दीवानी एवं शमनीय मामलों के अलावा बैंक, श्रम, दूरसंचार, राजस्व, जलकर, संपत्तिकर आदि प्री-लिटिगेशन मामले निराकरण के लिए रखे जाएंगे।

इसी तारतम्य में नेशनल लोक अदालत के वृहद प्रचार-प्रसार के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष श्री प्राण द्वारा प्रचार-प्रसार वाहन को जिला न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) श्री रघुवीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री डी.एन.सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री मनीष सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अविनाश छारी, श्रीमती पिखा शर्मा, श्रीमती शीनी जैन, शुभम जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे तथा लीगल एड डिफेंस काउंसेल्स व न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

प्रचार-प्रसार वाहन के माध्यम से लोक अदालत के लाभ के संबंध में जानकारी आम जन तक पहुंचाकर अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराये जाने का अनुरोध किया जा रहा है। लोक अदालत में दोनों पक्षकारों की जीत होती है, किसी भी पक्ष की हार नहीं होती है। लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से मामला रखा जाकर सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में विवाद का निराकरण किया जाता है, जिससे पक्षकारों के अमूल्य समय तथा व्यय होने वाले धन की बचत होती है तथा पक्षकारों में परस्पर स्नेह भी बना रहता है। लोक अदालत में मामला अंतिम रूप से निराकृत होता है, इसके आदेश की कोई अपील नहीं होती है। इन लाभों के बारे में आम जन को प्रचार-प्रसार के माध्यम से अवगत कराया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना में घायल को अस्पताल पहुंचाने पर डॉ. अंकित असाटी को राहवीर योजना में प्रोत्साहन राशि देने शासन को भेजा गया प्रस्ताव

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने में मदद कर उसकी जीवन रक्षा करने वाले व्यक्ति को शासन द्वारा 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुचाने में मदद करने के लिए मोहगांव मलाजखंड निवासी डॉ. अंकित असाटी को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रस्ताव जिला प्रशासन द्वारा परिवहन आयुक्त मप्र भोपाल को भेजा गया है।

13 अगस्त 2025 की रात्रि 11 बजे डॉ. अंकित असाटी ने देखा कि मलाजखंड पौनी में भारत पेट्रोल पम्प के सामने मेन रोड पर कार क्रमांक सीजी-04-एनटी-7252 के चालक द्वारा मोटर साईकिल क्रमांक एमपी-28-एमई-0903 से जा रहे भीमलाट निवासी अक्षय तेकाम को ठोस मार दी गई है और वह सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। इस पर डॉ. अंकित असाटी ने प्राथमिक उपचार के लिए तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरसा पहुंचाया। बिरसा के अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर ईलाज के लिए 108-एम्बुलेंस से जिला चिकित्सालय बालाघाट पहुंचाया गया। इसके बाद उसे उपचार के लिए सहयोग हॉस्पिटल गोंदिया में भर्ती कराया गया। वर्तमान में अक्षय तेकाम का गोंदिया के सहयोग हॉस्पिटल में उपचार किया जा रहा है और उसकी हालत खतरे से बाहर है।

डॉ. अंकित असाटी द्वारा सड़क पर घायल अवस्था में पड़े अक्षय तेकाम को अस्पताल पहुंचाने में तत्परता दिखायी गई। उनकी इस मानवीय मदद के कारण अक्षय तेकाम की जीवन रक्षा संभव हो सकी है। जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढपाल ने बताया कि डॉ. अंकित असाटी द्वारा की गई इस मानवीय पहल के लिए उनका नाम राहवीर योजना में 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के लिए जिला प्रशासन द्वारा परिवहन आयुक्त मप्र शासन को भेजा गया है। शासन से स्वीकृति मिलते ही डॉ. अंकित असाटी को यह राशि प्रदान की जाएगी।

राष्ट्रीय खेल दिवस का तीन दिवसीय आयोजन सम्पन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज़)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), क्षेत्रीय संस्था म.प्र. भोपाल, एवं मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय, लांजी में 29 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. आर.आर. सोनवाने ने मां सरस्वती और मेजर ध्यानचंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ, एनएसएस, और खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। पहले दिन 29 अगस्त को डॉ. ललित कामड़े (क्रीड़ा अधिकारी) के नेतृत्व में कुर्सी दौड़ सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दूसरे दिन 30 अगस्त को पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंतिम दिन। सितंबर को प्राचार्य प्रो. आर.आर. सोनवाने के मार्गदर्शन में एक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसका उद्देश्य खेलों के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था। रैली के माध्यम से रेड रिबन क्लब के प्रभारी नितेश मेश्राम के संयोजन में एड्स जागरूकता का प्रचार-प्रसार भी किया गया। रैली महाविद्यालय पहुंचकर समाप्त हुई। प्राचार्य ने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की। कार्यक्रम की सफलता में साहेबलाल ऐड़े, महेश दमाहे, जया कछवाहे, अंजली सोनी, शुभम रामटेके, लखनलाल बाहे, हितेश बन्सोड, वैभव मुरकुटे, राहुल पारधी, अमन राउत, विजय बिसेन, गीताबाई, शेषराम, ज्योतिबाई, एनएसएस स्वयंसेवकों, और समस्त छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

होनहार छात्र वर्ण बिसेन ने राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, देहरादून की परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की लालबर्रा तहसील के ग्राम मिरेगांव के निवासी छात्र वर्ण बिसेन ने देश की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, देहरादून की लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में सफलता हासिल की है। वर्ण बिसेन इस परीक्षा में सफलता हासिल करने वाला मध्यप्रदेश राज्य का एकमात्र छात्र है। यह बालाघाट जिले के लिए गर्व की बात है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने छात्र वर्ण बिसेन को इस सफलता के लिए बधाई दी और भविष्य में इससे भी बड़ी सफलता हासिल कर देश सेवा में अग्रणी रहने के लिए, शुभकामनायें दी है। वर्ण बिसेन अपनी माता श्रीमती ललिता बिसेन, पिता मुन्नालाल बिसेन एवं अपने विद्यालय की प्राधानाचार्य सुश्री पूर्णिमा देशमुख के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट पहुंचा था। वर्ण बिसेन सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल, मांझपुर में कक्षा 08 वीं का छात्र है। वर्ण की इस सफलता से उसका यह स्कूल भी स्वयं को गौरवांवित महसूस कर रहा है।

होनहार छात्र वर्ण बिसेन ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, देहरादून की लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में सफल होकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस परीक्षा में इस वर्ष सम्पूर्ण मध्यप्रदेश राज्य से केवल एक ही छात्र का चयन हुआ है और यह गौरवशाली छात्र बालाघाट जिले का वर्ण बिसेन है। वर्ण बिसेन की यह असाधारण उपलब्धि केवल सतपुड़ा वैली पब्लिक विद्यालय मांझपुर ही नहीं बल्कि बालाघाट जिले एवं राज्य के लिए गर्व का विषय है। उसकी इस सफलता से जिले के अन्य छात्रों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। वर्ण बिसेन की इस अद्वितीय सफलता के लिए विद्यालय परिवार ने भी हार्दिक बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य, लगन एवं राष्ट्र सेवा के मार्ग के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। छात्र वर्ण बिसेन लालबर्रा तहसील के ग्राम मिरेगांव का निवासी है। वर्ण के पिता मुन्नालाल बिसेन निलजी के शासकीय स्कूल में प्राचार्य के पद पर पदस्थ हैं और माता ललिता बिसेन सरकारी अस्पताल में स्टाफ नर्स है। ग्रामीण परिवेश में पले बढ़े छात्र वर्ण ने राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, देहरादून की परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले के अन्य छात्रों के लिए एक नई राह दिखाई है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और जीतू पटवारी के बयान को लेकर भाजपा ने कांग्रेस कार्यालय के सामने किया पुतला दहन

भाजपा ने कांग्रेस कार्यालय के सामने जमकर किया प्रदर्शन, पुतला दहन के समय भाजपा नेताओं और पुलिस के बीच हुई धक्कामुक्की, पुतला दहन में कांग्रेस विधायक ने पुलिस पर भाजपा का साथ देने का लगाया आरोप

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बीते दिनों कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और जीतू पटवारी द्वारा अलग-अलग बयान जारी किए गए थे, जिसके बाद से ही प्रदेश भर में कांग्रेस नेताओं के जारी इन अलग-अलग बयान को लेकर प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इसी क्रम में बालाघाट में भी भाजपा के अलग-अलग संगठन ने कांग्रेस नेताओं का पुतला दहन किया। यहां सबसे पहले भाजपा द्वारा कार्यालय से एक विरोध रैली निकाली गई ,जो कांग्रेस कार्यालय के पास पुतला लेकर पहुंची, यहां पहले से ही पुलिस द्वारा भारी पुलिस बल और बैरिकेड लगा दिए गए थे, जिसमें भाजपा द्वारा कांग्रेस नेताओं के पुतले कांग्रेस कार्यालय के सामने ही जलाए जाने की रणनीति बनायी गयी थी, तो उधर कांग्रेस कार्यकर्ता भी अपना विरोध जताते हुए, कांग्रेस कार्यालय में शांति पूर्वक राम धुन का आयोजन कर रहे थे। भाजपा द्वारा कांग्रेस कार्यालय के सामने जमकर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस के तीन नेताओं के पुतले दहन किए गए। जिसमें पुलिस ने भी भाजपा को पुतला दहन के समय रोकने का प्रयास किया, किंतु वहीं कांग्रेस विधायक सहित कांग्रेस पदाधिकारी ने इस पुतला दहन में पुलिस को भाजपा का साथ देने का आरोप लगाया ।जिसकी शिकायत प्रदेश स्तर तक किए जाने की बात बालाघाट विधायक द्वारा कही गई ।

आपको बता दे की बिहार में राहुल गांधी की सभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माताजी को लेकर गाली, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतु पटवारी के महिलाओं के ज्यादा शराब पीने के बयान और टीएमसी सांसद मोईना मित्रा के गृहमंत्री अमित शाह को लेकर दिए गए बयान के विरोध में भाजपा ने प्रदर्शन किया। भाजपा पदाधिकारी ,भाजपा कार्यालय से रैली के रूप में कांग्रेस कार्यालय के सामने पहुंचे यहाँ भाजपा नेताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जीतु पटवारी और मोईना मित्रा का पुतला फूंका। पुतला जलाने और जलते हुए पुतले पर पानी की बौछार होने के दौरान, भाजपाई, गुस्से से भरे दिखाई दिए। इस दौरान कांग्रेस कार्यालय के सामने लगाए गए बेरिकेटिंग की ओर बढ़ने लगे, तभी रोकने के दौरान पुलिस और भाजपाईयों के बीच धक्कामुक्की भी हुई। इधर कांग्रेस ने भी कार्यालय के सामने किए गए भाजपा के पुतला दहन का विरोध किया। भाजपा अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने बताया कि महिलाओ के सम्मान में भाजपा महिला मोर्चा की अगुवाही में भाजपा ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यालय के सामने राहुल गांधी का पुतला फूंका और प्रदर्शन किया। सांसद भारती पारधी ने बताया कि आज भाजपा परिवार ने कांग्रेस और कांग्रेस नेतृत्व का विरोध किया है, कांग्रेस जो महिलाओ के सम्मान की बात कहती है, वह करती नहीं है। भाजपा के इस आंदोलन को लेकर कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि प्रदेश में सरकार का कुशासन चल रहा है। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, पुलिस प्रशासन, कांग्रेस कार्यालय के सामने बेरिकेटिंग कर कांग्रेसियो को नजरबंद कर रही है। कांग्रेस कार्यालय के सामने भाजपा को पुतला दहन करने में जिला प्रशासन और पुलिस ने मौका दिया है, जो शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि जबकि पुलिस चाहती तो ,भाजपा के पदाधिकारी यहां पुतला दहन नहीं कर सकते थे, किंतु पुलिस द्वारा ही भाजपाइयों का साथ देते हुए भाजपा को कांग्रेस नेताओं के पुतले दहन करने दिए गए, ऐसे कई गंभीर आरोप बालाघाट विधायक द्वारा पुलिस और जिला प्रशासन पर लगाए गए। इस पूरी घटना की शिकायत भी बालाघाट विधायक द्वारा प्रदेश स्तर पर किए जाने की बात कही गई।

कुछ ही संख्या में कांग्रेसी रहे उपस्थित

देखा जाए तो भाजपा का यह विरोध प्रदर्शन पहले से ही निश्चित हो चुका था और यह भी स्पष्ट हो गया था, कि कांग्रेस नेताओं के बयान को लेकर भाजपा द्वारा कांग्रेस के बड़े नेताओं के पुतले कांग्रेस कार्यालय के सामने ही जलाए जाएंगे ।जिसको लेकर बालाघाट विधायक और उनके कुछ समर्थकों के साथ युवा कांग्रेस के कुछ ही पदाधिकारी 1 सितंबर को कांग्रेस कार्यालय पहुंचे , जबकि भाजपा के पदाधिकारी सहित महिला मोर्चा के पदाधिकारी बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यालय के सामने प्रदर्शन करने पहुंचे और उन्होंने प्रदर्शन किया, किंतु मुट्ठी भर ही कांग्रेसी यहां कांग्रेस कार्यालय में उपस्थित नजर आए, वहीं कांग्रेस जिला अध्यक्ष सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और कांग्रेस के अन्य विधायक कांग्रेस कार्यालय में उपस्थित नहीं रहे और मुट्ठी भर कांग्रेसी ही यहां भाजपा का विरोध करते नजर आए।

बड़ी संख्या में पुलिस बल रहा है तैनात

भाजपा के इस प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने पहले ही कांग्रेस कार्यालय के सामने बैरिकेडिंग और बड़ी मात्रा में अलग-अलग थाने का बल तैनात कर रखा था । साथ ही पुलिस बल के साथ जिला प्रशासन के अधिकारी भी यहां उपस्थित रहे। जिसमें स्वयं बालाघाट एसडीम सहित एसडीओपी वारासिवनी भी यहां सुरक्षा की दृष्टि से उपस्थित रहे।

किसी को भी नजर बंद नहीं किया गया - गोपाल सोनी

कांग्रेस द्वारा भाजपा के किए गए पुतले दहन को लेकर पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन के अधिकारियों पर आरोप लगाए गए कि पुलिस के सहयोग से ही भाजपा द्वारा कांग्रेस कार्यालय के सामने उनके नेताओं के पुतले दहन किए गए , जिस पर बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी द्वारा बताया गया कि ऐसा नहीं है जो आरोप लगाए जा रहे हैं , वह निराधार हैं । उनके द्वारा पब्लिक सेफ्टी को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं कर ली गयी थी। कांग्रेस कार्यालय के सामने बैरिकेड लगाए गए थे । पुलिस फोर्स पूरी तरह से यहां पर तैनात थी और थोड़ा प्रदर्शन हुआ है। जिसे पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा उसे भी कंट्रोल कर लिया गया । कांग्रेस के नजर बंद के प्रश्न पर एसडीएम ने कहा कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ता सहित पदाधिकारी स्वतंत्र रहे । किसी को भी नजर बंद नहीं किया गया और किसी ने भी उनसे कोई शिकायत नहीं कि, यदि ऐसी कोई बात होती तो वह स्वयं इस प्रकार की सूचना मिलने पर कानूनी कार्रवाई करते ।

अतिक्रमण को लेकर लगी भीड़ की वीडियो बनाने पर दो लोगों ने कि पत्रकार की पिटाई

जिले के बिरसा बस स्टैंड की घटना, नीलकंठ और झंकार सिंह के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। अतिक्रमण को लेकर दिखाई दे रही भीड़ की वीडियो बनाने से गुस्साये दो लोंगो ने पत्रकारिता से जुड़े एक युवक को अश्लील गालियां देते हुए उसकी जमकर पिटाई कर दी। 1 सितंबर को 12 बजे यह घटना बिरसा बस स्टैंड में हुई । प्रदीप बिसेन 28 वर्ष ग्राम करौंदा बहेरा निवासी ने मारपीट करने का यह आरोप झंकार सिंह ग्राम शाखा और नीलकंठ राहंगडाले ग्राम मरारीटोला थाना बिरसा निवासी के विरुद्ध लगाते हुए, बिरसा पुलिस थाना में रिपोर्ट की। बिरसा पुलिस ने दोनो के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध कर लिया है। प्रदीप बिसेन के विरुद्ध कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश श्रीवास्तव को ब्लैकमेल करने का आरोप है। इस मामले में प्रदीप बिसेन विद्वान अदालत से अग्रिम जमानत पर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम करौंदा बहेरा निवासी प्रदीप बिसेन पत्रकारिता करते हैं। 9 सितंबर 2025 को दिन के 12:00 बजे प्रदीप बिसेन अपने दोस्त अजय शरणागत के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव करौंदा बहेरा से बिरसा पहुंचे थे। बिरसा बस स्टैंड के पास आदिम जाति सेवा सहकारी समिति की भूमि पर किसी व्यक्ति द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण को लेकर भीड़ लगी हुई थी। प्रदीप बिसेन न्यूज़ एकत्रित करने के लिए भीड़ की मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। तभी झंकार सिंह और नीलकंठ राहंगडाले प्रदीप बिसेन के पास आए और उसे बहुत पत्रकारिता करता है कहकर अश्लील गालियां देते हुए मोबाइल छीन कर दोनों ने प्रदीप बिसेन का कॉलर पकड़ कर उसे जमकर हाथ बुक्के से मारपीट कर दिए और मोबाइल से वीडियो डिलीट कर उसे मोबाइल वापस कर दिए। इस घटना को वहा के लोगों ने देखे। झंकार सिंह और नीलकंठ राहंगडाले द्वारा की गई मारपीट में प्रदीप बिसेन के माथे गले के पास और उन्हें अंदरूनी चोट आई। प्रदीप सेन ने अपने साथियों के साथ थाना पहुंचे। बिरसा पुलिस ने मारपीट में चोटिल प्रदीप बिसेन का इलाज मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर झंकार सिंह ग्राम शाखा नीलकंठ राहंगडाले मरारी टोला निवासी के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट करने के आरोप में धारा 296 115(2) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

पिकअप की चपेट में आने से मोटरसाइकिल में सवार तीन युवक घायल

लालबर्रा थाने के मोहगांव कोड़िया रोड पर हुई दुर्घटना, दो घायल युवक हायर सेंटर रेफर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। लालबर्रा थाना अंतर्गत ग्राम मोहगांव से कोड़िया रोड पर स्थित ग्राम भसंगा टोला मैं पिकअप ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार तीन युवम घायल हो गए। 1 सितंबर को सुबह 8ः00 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उसे समय हुई जब तीनों युवक मोटरसाइकिल में ग्राम कोड़िया से गोंदिया जाने निकले थे। तीनों घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां से गंभीर रूप से घायल तामेंद्र पिता सोहनलाल मातरे 32 वर्ष और अजय पिता जियालाल मराठे 28 वर्ष को यहा से बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर किया गया है वही एक अन्य घायल रवि पिता नंदू हरदे 28 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। तीनों घायल ग्राम कोड़िया थाना लालबर्रा निवासी। प्राप्त जानकारी के अनुसार तामेंद्र मातरे अजय मरठे और रवि हरदे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। उसके अलावा मजदूरी करने के लिए बाहर जाते रहते हैं। 1 सितंबर को सुबह 8:30 बजे करीब तार्मेंद्र मातरे अजय मरठे और रवि हरदे तीनों एक मोटरसाइकिल में अपने गांव कोड़िया से गोंदिया काम करने के लिए जा रहे थे। मोटरसाइकिल तामेंद्र मातरे चला रहा था। ग्राम कोड़िया से मोहगांव रोड पर स्थित ग्राम भसंगा टोला मैं एक घर के सामने तोड़ किनारे खड़ी पिकअप के पीछे से जब यह मोटरसाइकिल निकल रही थी। तभी पिकअप के चालक ने पिकअप को चालू करके रिवर्स किया तभी इस पिकअप ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार तामेंद्र मातरे अजय मरठे और रवि हरदे घायल हो गए। सूचना मिलती ही मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से तीनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां से अधिक चोट लगने से घायल धर्मेंद्र मातरे और अजय मरठे को जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया वहीं रवि हरदे का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। जिला अस्पताल पुलिस ने रवि हरदे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट